विषय-सूची

	अध्यक्ष का संदेश	112
	निदेशक का संदेश	113
01	संगठन - शासी मंडल (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स)	114
02	प्रशासन	116
03	दृष्टि, लक्ष्य एवं मूल मंत्र	117
04	संस्थान	118
05	मूलभूत सुविधाएं	120
06	संकाय	125
07	कर्मचारीगण	136
08	नये कार्यक्रमों के लिए पहल	138
09	प्रवेश	145
10	उद्धाटन समारोह	154
11	एकेडमिक कार्यक्रम	158
12	प्लेसमेंट	163
13	दीक्षांत समारोह	170
14	अवार्ड्स और रैंकिंग	173
15	छात्रों की उपलब्धियां	174
16	छात्रों की गतिविधियाँ	178
17	अतिथि व्याख्यान	183
18	उद्योग सहभागिता (कोलोक्कियम)	184
19	सम्मेलनों, कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन	185
20	प्रबंधन विकास कार्यक्रम	194
21	परामर्शी परियोजनाएं	195
22	लेखाओं का वार्षिक विवरण	197
23	राँची के विषय में	216

अध्यक्ष का संदेश

आईआईएम रांची, जिसने वर्ष 2010 में प्रथम बैच में 44 छात्रों के साथ अपने पाठ्यक्रम का शुभारम्भ किया था, उसने अपनी गौरवशाली यात्रा के दूसरे वर्ष में 68 छात्रों को पीजीडीएम के द्वितीय वर्ष में नामांकन (एडमिशन) किया है। संस्था ने 18-माह का कार्यकारी अधिकारियों (एक्जिक्यूटिव्स) के लिए एक स्नातकोत्तर कार्यक्रम पीजीईएक्सपी की शुरूआत की। 30 अक्टूबर 2011 से सत्र की शुरूआत हुई।

आईआईएम रांची में, हमारा उद्देश्य व्यापार जगत के लिए वैसे नेताओं का विकास करना है, जो सतत रूप से नई चुनौतियों और परिस्थितियों में कार्य करते हुए इस उद्योग की चुनौतियों से निपटने में सक्षम हों। हमारा जोर भविष्य के अनुकूल व्यापार जगत के नेताओं के निर्माण पर है, और हम दी जाने वाली शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के मध्य संतुलन बनाए रखने का पूर्ण प्रयास करते हैं।

पिछले वर्ष के दौरान, हमने विभिन्न क्षेत्रों में संकाय सदस्यों की नियुक्ति की है। कुछ संकाय के सदस्यों को देश भर के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों से भी आमंत्रित किया गया था। वैश्विक परिपेक्ष्य में प्रबंधन शिक्षा की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, हम अपने छात्रों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं (कार्यप्रणालियों) को साझा करने के लिए अग्रणी बिजनेस स्कूलों से विदेशी संकायों को भी आमंत्रित करते हैं।

कॉर्पोरेट जगत की प्रसिद्ध हस्तियों और शिक्षाविदों के साथ अपने छात्रों को रचनात्मक विचार-विमर्श का अवसर प्रदान कर उन्हें अपने ज्ञान के क्षितिज को विस्तृत करने की अनूठी पहल को आईआईएम रांची सतत रूप से जारी रखे हुए है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए संस्था ने संगोष्ठी 2011 का शुभारम्भ दिनांक 10 जुलाई 2011 को किया जो सितम्बर माह तक जारी रहा। इस संगोष्ठी का उद्देश्य कॉर्पोरेट जगत के विविध क्षेत्रों के प्रसिद्ध हस्तियों को एक मंच पर लाना था, जहाँ छात्र उनके साथ विचार-विमर्श कर उनके क्षेत्र से सम्बंधित अमूल्य अंतर्दृष्टि (ज्ञान) प्राप्त कर सकें।

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (शासी मंडल) आईआईएम राँची को एक उत्कृष्ट संस्था के रूप में विकसित करने के लिए पूर्णरूप से प्रतिबद्ध है, जिससे इसके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कॅम्पस के अनुभव की तुलना भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन स्कूलों के साथ की जा सके। एक नवागंतुक संस्था होने के कारण, हमारे पास अन्य आईआईएम के अनुभवों से सीख लेते हुए और उन परिवर्तनों को आत्मसात करते हुए तीव्र गति से आगे बढ़ने का सुनहला अवसर है।

उज्ज्वल, युवा और बेहद प्रेरित प्रबंधकों को विकसित करने के अपने प्रयास के अनुरूप, बोर्ड और मैं भारत और विदेशों में उद्योग और व्यापार संगठनों से निरन्तर सहयोग के लिए तत्पर हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि विश्वास और सहयोग के वातावरण में एक साथ काम करते हुए, हम आने वाले वर्षों में और अधिक सफलता और प्रसिद्धि हासिल करने में सक्षम होंगे।

आर सी भार्गव

निदेशक का संदेश

भारतीय प्रबंध संस्थान राँची के द्वितीय वार्षिक रिपोर्ट को जारी करते हुए मुझे अपार संतुष्टि का अनुभव हो रहा है। असंख्य शुभचिंतकों और सहयोगियों के समर्थन और सहयोग के बिना कोई भी नया कार्य शुरू नहीं किया जा सकता है। मैं शासी-मंडल (गवर्निंग बॉडी) के सदस्यों और अन्य असंख्य सरकारी पदाधिकारियों को उनके द्वारा आईआईएम राँची को दिए गए सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने हमें अस्थायी परिसर के लिए सबसे अच्छा संभव इमारत और सहयोग-समर्थन की सुविधा दी है।

हमारे शासी मंडल (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) में नौकरशाही, शैक्षिक और उद्योग जगत की प्रसिद्ध हस्तियाँ शामिल हैं और इसके अध्यक्ष श्री आर सी भार्गव आईआईएम राँची के लिए महान शक्ति का स्रोत है। हमारे अध्यक्ष महोदय उद्योग, शैक्षिक और सरकारी क्षेत्र का वृहत और गहरा अनुभव रखते हैं।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पीजीडीएम द्वितीय बैच के सभी छात्रों को प्रसिद्ध संस्थाओं से वृत्तिका के साथ ग्रीष्म (समर) इंटर्नशिप का प्रस्ताव प्राप्त हुआ और आईआईएम राँची अपने प्रथम बैच के 43 छात्रों के सफल रूप से अंतिम प्लेसमेंट पर अति प्रसन्न है।

हमने छात्रों के अध्यापन के लिए विभिन्न आईआईएम और एक्सएलआरआई के साथ देश भर के प्रतिष्ठित संस्थाओं से अनुभवी संकायों को आमंत्रित किया था। इसके साथ ही यूएस, यूके और फिलीपिंस से भी अतिथि संकायों को बुलाया गया, ताकि हमारे छात्र उनके अत्याधुनिक ज्ञान से परिचित हो सकें। छात्रों को उद्योग जगत के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराने के लिए हमने उद्योग जगत से भी अतिथि संकायों को आमंत्रित किया।

हमने बेहतर शुरूआत की है। एक संस्था जिसे विश्वभर में सम्मान और आदर की दृष्टि से देखा जाये, इसके निर्माण के लिए हम अपने सभी शुभचिंतकों का आशीर्वाद चाहते हैं।

बी. बी. चक्रबर्ती
24.10.2013

संगठन

शासी मंडल (बोर्ड ऑफ गवर्नस)

अध्यक्ष

श्री आर. सी. भार्गव
अध्यक्ष
मारूति सुजुकी इण्डिया लिमिटेड
नई दिल्ली

सदस्य

श्री अशोक ठाकुर, आईएएस
सचिव (तकनीकी शिक्षा)
माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार,
नई दिल्ली

श्री ए. एन. झा, आईएएस
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार,
नई दिल्ली

डॉ. डी. के. पालीवाल
सदस्य सचिव,
राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड
(नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन)
नई दिल्ली

श्री धनेन्द्र कुमार
मुख्य सलाहकार,
इन्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स -
चीफ मेंटर, स्कूल ऑफ कॉम्पटीशन लॉ
नई दिल्ली

डॉ. सी.एस. केदार, आईएएस
कर्नाटक सरकार के अतिरिक्त
सचिव और अध्यक्ष, कर्नाटक अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर
डेवलपमेंट -
फाइनेंस कॉर्प. बंगलौर

श्री चंद्रजीत बनर्जी
महानिदेशक
भारतीय उद्योग परिसंघ
नई दिल्ली

डॉ. सुबास पाणी, आईएएस (रिटायर्ड)
पूर्व सचिव, योजना आयोग,
भारत सरकार और
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, भारतीय व्यापार संवर्धन संस्थान, नई दिल्ली

श्री एस. के. चौधरी, आईएएस
मुख्य सचिव
झारखण्ड सरकार
राँची

श्री बी के त्रिपाठी, आईएएस
प्रधान सचिव, मानव संसाधन विभाग
झारखण्ड सरकार
राँची

प्रो. डी. टी. खटिंग
उप-कुलपति
झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय
राँची

श्री राजीव कौल
अध्यक्ष
एनआईसीसीओ कॉर्पोरेशन लिमिटेड
कोलकाता

प्रो. दिवाकर मिंज
एसोसियेट प्रोफेसर - इतिहास विभाग
राँची विश्विद्यालय
राँची

प्रो. एम. जे. जेवियर
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान राँची
राँची

प्रो. सुबीर वर्मा
डीन एवं अध्यक्ष (पी.जी.डी.एम)
भारतीय प्रबंध संस्थान राँची
राँची

अप्रैल 2011 से मार्च 2012 के बीच हमारे बोर्ड के चार बैठकों का आयोजन किया गया:

01 चौथी बोर्ड की बैठक
दिनांक : जुलाई 05, 2011
स्थान : राँची

02 पांचवीं बोर्ड की बैठक
दिनांक : सितम्बर 24, 2011
स्थान : नई दिल्ली

03 छटवीं बोर्ड की बैठक
दिनांक : नवम्बर 26, 2011
स्थान : नई दिल्ली

04 सांतवीं बोर्ड की बैठक
दिनांक : जनवरी 04, 2012
स्थान : नई दिल्ली

प्रशासन

डॉ. एम जे जेवियर
निदेशक

डॉ. सुबीर वर्मा
डीन और अध्यक्ष, पी.जी.डी.एम.

डॉ. अमित सचान
अध्यक्ष, नामांकन

डॉ मधुरिमा देब
अध्यक्ष, पी.जी.ई.एक्स.पी.

डॉ. हेमलता चंद्रशेखर
अध्यक्ष, आई.टी.

श्री राजेश पात्रो
महाप्रबंधक, प्रशासन

श्री जयन्ता कुमार त्रिपाठी
उप-पुस्तकालय अध्यक्ष

श्री जी जिलानी
प्रशासनिक अधिकारी, प्रशासन

श्री कमलेश कुमार ठक्कर
वित्त और लेखा अधिकारी

श्री बी जगन राव
प्रशासनिक अधिकारी, पी.जी.पी.

श्रीमती जानकी जगन
निदेशक के लिए कार्यकारी सहायक

श्री अरूण तिवारी
सहायक प्रबंधक, बाह्य कार्य

श्रीमती डॉल रोजलीन लाकरा
एक्जिक्यूटिव परसोनेल

श्रीमती अनीता सिंह सावनो
एक्जीक्यूटिव, कॉरपोरेट रिलेशंस

दृष्टि, लक्ष्य एवं मूल मंत्र

दृष्टि

आधुनिक पाठ्यक्रम और तकनीक से युक्त शिक्षण विधियों के द्वारा अगले 10 वर्षों के अन्दर एशिया के 10 महत्वपूर्ण प्रबंध संस्थानों में स्थान सुनिश्चित करना।

(मात्र 2 वर्षों में, हमें नए आईआईएम में सर्वश्रेष्ठ आँका गया और पूर्वी क्षेत्र में चौथी सर्वश्रेष्ठ संस्था के रूप में उभर कर सामने आये हैं।)

लक्ष्य

पूर्वी ज्ञान और पश्चिमी प्रक्रियाओं की वैज्ञानिक संलयन के माध्यम से विचारशील नेतृत्व को प्राप्त करना।

मूल मंत्र

- व्यक्तिगत और व्यवसायिक सफलता के लिए विनम्रता, ईमानदारी और कठिन परिश्रम
- व्यापक रूप से व्यक्ति, संस्था और समाज का समग्र विकास
- समाज और वातावरण के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व

पश्चिमी मॉडल को भारतीय बौद्धिकता के साथ समिश्रित करके एक सम्पूर्ण ज्ञान का निर्माण करने के लिए, हमें भारतीय प्रबंधन पर गहन अनुसंधान कर उससे जुड़ी महत्वपूर्ण कारकों की सूची बनानी होगी, साथ ही साथ हमें पश्चिमी मॉडल पर आधुनिक विधि से भी अनुसंधान करना होगा। हम जिस स्थानीय वातावरण में कार्य करते हैं उसके अनुकूल बनने के लिए, हमें स्थानीय प्रबंधकीय मुद्दों पर भी अनुसंधान करने की आवश्यता है। इन क्षेत्रों के मध्य विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप नए ज्ञान का निर्माण होगा, जो हमें प्रबंधन शिक्षा के नए प्रारूप के निर्माण में सहायता करेगी।

संस्थान

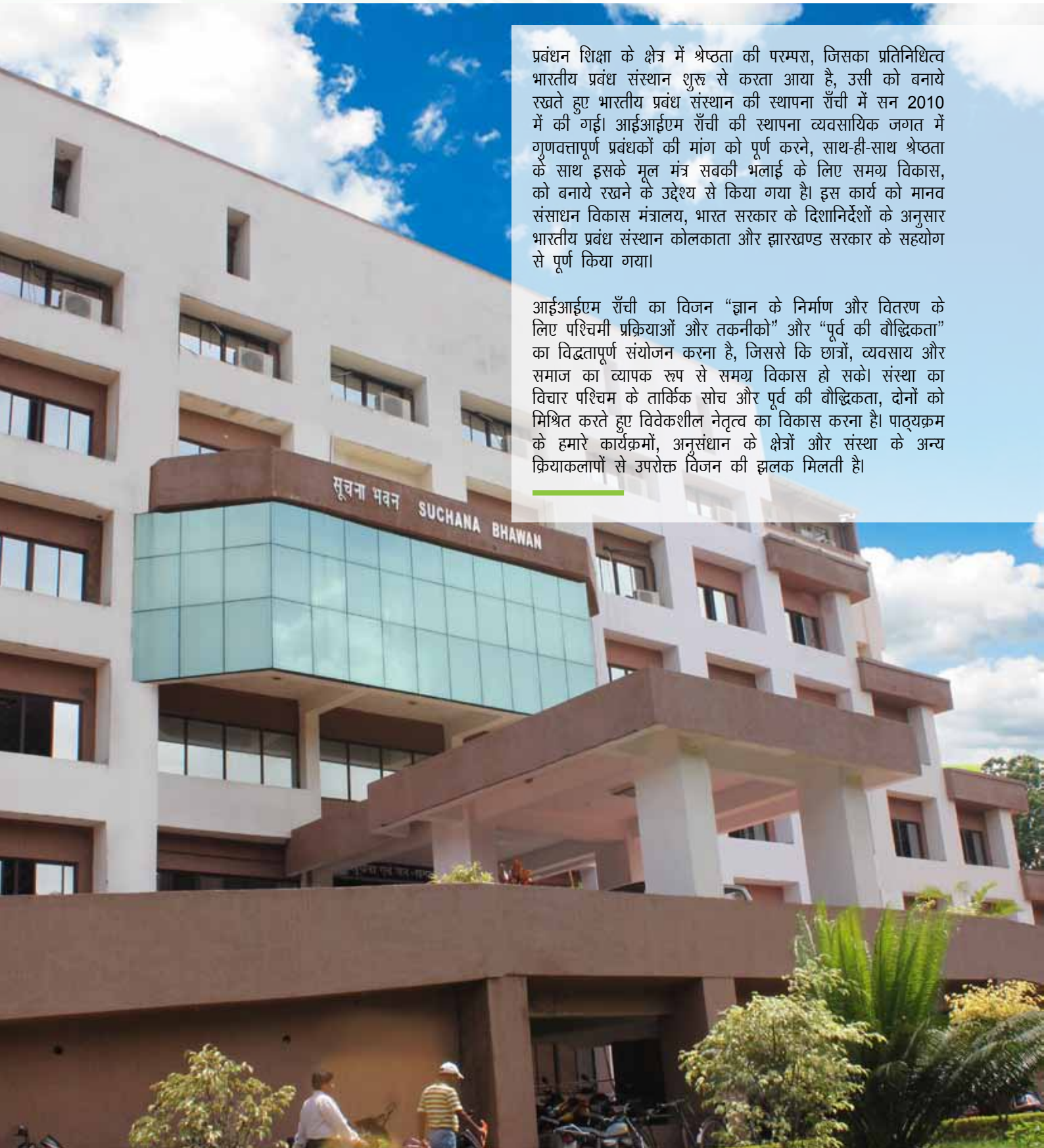

प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठता की परम्परा, जिसका प्रतिनिधित्व भारतीय प्रबंध संस्थान शुरू से करता आया है, उसी को बनाये रखते हुए भारतीय प्रबंध संस्थान की स्थापना राँची में सन 2010 में की गई। आईआईएम राँची की स्थापना व्यवसायिक जगत में गुणवत्तापूर्ण प्रबंधकों की मांग को पूर्ण करने, साथ-ही-साथ श्रेष्ठता के साथ इसके मूल मंत्र सबकी भलाई के लिए समग्र विकास, को बनाये रखने के उद्देश्य से किया गया है। इस कार्य को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार भारतीय प्रबंध संस्थान कोलकाता और झारखण्ड सरकार के सहयोग से पूर्ण किया गया।

आईआईएम राँची का विजन "ज्ञान के निर्माण और वितरण के लिए पश्चिमी प्रक्रियाओं और तकनीको" और "पूर्व की बौद्धिकता" का विद्वतापूर्ण संयोजन करना है, जिससे कि छात्रों, व्यवसाय और समाज का व्यापक रूप से समग्र विकास हो सके। संस्था का विचार पश्चिम के तार्किक सोच और पूर्व की बौद्धिकता, दोनों को मिश्रित करते हुए विवेकशील नेतृत्व का विकास करना है। पाठ्यक्रम के हमारे कार्यक्रमों, अनुसंधान के क्षेत्रों और संस्था के अन्य क्रियाकलापों से उपरोक्त विजन की झलक मिलती है।

उदाहरण के लिए आईआईएम राँची का मोनोग्राम समग्र विकास से सम्बंधित है। यह मोनोग्राम सबसे सामान्य और बुद्धिमान पक्षी, कौआ से प्रेरित है, जिसके नजरों से कुछ भी छिपा नहीं रह सकता है। इसे अधिकांश संस्कृतियों में ज्ञान के रक्षक के रूप में भी स्वीकार किया गया है। कौआ किसी भी वातावरण में जीवित रह सकता है, साथ ही यह अपने सौहार्द्रपूर्ण सामुदायिक जीवन के लिए भी प्रसिद्ध है। आईआईएम राँची का यही दर्शन है, जो एक साथ कार्य करने में, एक साथ विकास करने में, और एक साथ परिवर्तन लाने में, परिवर्तन लाने वाले उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने में विश्वास रखता है। इस मोनोग्राम में पक्षी का निर्माण इस प्रकार से किया गया है कि यह आगे की ओर जाता हुआ एक तीर प्रतीत होता है, मानों यह सभी को (यहाँ तीन हरी रेखाएं समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है) एक साथ लेकर उड़ान भर रहा हो, इस प्रकार यह आईआईएम राँची के लोगो को वास्तविक धरातल प्रदान करने के साथ, एक बहुत ही सकारात्मक स्वरूप प्रदान करता है।

वर्तमान में आईआईएम राँची दो वर्षीय पीजीडीएम कोर्स अपने मुख्य कार्यक्रम के रूप में संचालित कर रहा है और इसने कार्यरत अधिकारियों के लिए पीजीइएक्सपी की शुरूआत वर्ष अक्टूबर 2011 में की। आगामी शैक्षिक सत्र से प्रबंधन में फेलो कार्यक्रम और पीजीडीएचआरएम कोर्स का शुभारम्भ किया जा रहा है। यह देश का प्रथम आईआईएम है, जो एचआर क्षेत्र में समर्पित कार्यक्रम की शुरूआत कर रहा है।

पाठ्यक्रम में शामिल सभी कार्यक्रमों को बड़ी ही सावधानी से डिजायन किया गया है, और इन पाठ्यक्रमों का अध्यापन संस्था और उद्योग तथा भारत और विदेश से बुलाये विद्वान और अनुभवी संकायों (प्रोफेसरों) के द्वारा किया जायेगा। पाठ्यक्रम की संरचना में आधुनिक प्रबंधन के अध्यतन और उभरती आवश्यकताओं को शामिल किया गया है, जो आईआईएम के अद्वितीय शिक्षण के क्षेत्र और सीखने की विधियों द्वारा स्वीकृत और संस्थापित है, इस प्रकार ये सभी मिलकर इस संस्था को अन्य बिजनेस स्कूलों से अलग स्थान प्रदान करते हैं। शिक्षण (Pedagogy) में सैद्धांतिक संकल्पनाओं के अनुप्रयोग पर विशेष जोर देने के साथ ही प्रबंधन के विशिष्ट कार्यप्रणाली को समझना शामिल है।

दिनांक 19 नवम्बर 2011, को आईआईएम राँची ने न्यूरो प्रबंधन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। आईआईएम राँची अगस्त 2012 में भारतीय प्रबंधन पर एक द्वि-दिवसीय अन्तराष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन कर रहा है।

वार्षिक वनभोज

आई० आई० एम० राँची परिवार ने 15 दिसंबर 2011 को वार्षिक पिकनिक का आयोजन एन एच 33 पर स्थित हिल व्यू रिसॉर्ट में किया । रिसॉर्ट में एक रात रूक कर सारे सदस्य अगले दिन पूरे उत्साह एवं ऊर्जा के साथ लौटे।

बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ

कक्षायें

एकेडमिक ब्लॉक में वास्तु के अनुसार आधुनिक विधि से डिजायन किये हुए 6 कक्षाओं का निर्माण किया गया है, जो सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। आईआईएम राँची पर, हमारा यह विश्वास है कि शिक्षण के क्षेत्र को तकनीक के उपयोग के द्वारा विस्तृत किया जा सकता है। यह छात्रों के संकल्पनों को बेहतर समझ देता है साथ ही पढ़ाये गए अवधारणाओं को अभिकल्पित करने का साधन प्रदान करते हुए उन्हें अतिरिक्त सहायता प्रदान करता है। इसलिए, सभी कक्षायें कम्प्युटर, प्रोजेक्टर, आधुनिक साउंड सिस्टम, ओएचपी और अन्य ऑडियो-विजुअल उपकरणों से युक्त है।

जब कोई व्यक्ति आधुनिक समाज द्वारा सामना किये गये सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों पर विचार करता है, तो ऐसे विचार-विमर्श के लिए उत्प्रेरक की भूमिका निभाने वाले वातावरण को बनाये रखना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस प्रकार से, कक्षाओं में सुन्दर तरीके से डिजायन किये गए फर्नीचर, मौसम नियंत्रक उपकरण, उचित प्रकाश-व्यवस्था, और आंतरिक सुसज्जा सीखने के वातावरण को सुरूचिपूर्ण बनाता है।

सम्पूर्ण शैक्षिक परिसर जिसमें पुस्तकालय भी शामिल है, वाई-फाई इंटरनेट कनेक्टिविटी से युक्त है। शैक्षिक परिसर पांच रैक माउन्टिंग सर्वर और तीन ब्लेड सर्वर के साथ सभी आवश्यक संसाधनों से युक्त है, जिस पर वेबसाईट और अन्य एप्लीकेशन को होस्ट किया जाता है। प्रयोगशाला में स्थापित कम्प्यूटरों में Windows 7 का लाइसेंस है, और वे सभी एंटीवायरस सॉफ्टवेर से युक्त हैं।

पुस्तकालय

आईआईएम राँची के पुस्तकालय को "अथनीयम् - दि लर्निंग रिसोर्स सेंटर" के नाम से संबोधित किया जाता है। यह एक अत्याधुनिक पुस्तकालय है, जिसमें प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक दोनों का मिश्रित संग्रह है, जिसमें पुस्तकें, जर्नल, डाटाबेस, सीडी/डीवीडी, ई-जर्नल, रिपोर्टस आदि शामिल हैं। शैक्षिक समुदाय को उनके बौद्धिक कार्यों के लिए उचित सूचना सेवा प्रदान करने में ''दि लर्निंग रिसोर्स सेंटर'' बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पुस्तकालय इन-हाउस और नेटवर्क आधारित सेवाओं के उपयोगकर्ताओं के लिए विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय के कार्य और सेवाएं पूर्णरूप से स्वसंचालित है। उपयोगकर्ता ऑनलाइन लाईब्रेरी कैट्लौग प्राप्त कर अपने कम्प्यूटर से पुस्तकालय में उपलब्ध अध्ययन सामग्री के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है। इलेक्ट्रोनिक डिजिटल पुस्तकालय में महत्वपूर्ण ऑनलाइन डाटाबेस जैसे कि प्रोक्वेस्ट - एबीआई इन्फोर्म कम्प्लीट, बिजनेस सोर्स कम्प्लीट (ईबीएससीओ), जेएसटीओआर, आईईईई ऑनलाइन लाइब्रेरी, आईएसआई इमर्जिंग मार्केटस, सीएमआईइ का डाटाबेस, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, ई-ब्रारी ई-बुक्स, कैपिटल लाइन, साइंस डायरेक्ट, सेज रेफरेंस ऑनलाइन, लेक्सिस निक्सिस एकेडमिक, आईसीआरए रिपोर्ट्स, फाइनेन्शियल टाइम्स, आदि शामिल हैं। डिजिटल पुस्तकालय सप्ताह के सातों दिन और चौबीसों घंटे शिक्षण समुदाय को अपनी सेवाएं उपलब्ध कराता है।

पुस्तकालय में उपलब्ध सामग्री:

पुस्तकें	:	1284
पत्र-पत्रिकायें	:	15
सीडी, डीवीडी	:	160
ऑनलाइन डाटाबेस (इ-रिसोर्स)	:	12

इ-रिसोर्सेस / डाटाबेस

1. एबीआई इन्फोर्म कम्प्लीट (प्रोक्वेस्ट)
2. एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी
3. बिजनेस सोर्स कम्प्लीट (ईबीएससीओ)
4. कैपिटल लाइन प्लस
5. सीएमआईए कैपएक्स
6. सीएमआईए प्रोवेस
7. ईब्रारी एकेडमिक कम्पलीट
8. इकनोमिक - पोलिटिकल वीकली आर्काइव
9. आईईएल ऑनलाइन
10. इंडियास्टेट.कॉम
11. आईएसआई इमर्जिंग मार्केट्स - इण्डिया सर्विसेज
12. जेएसटीओआर

सूचना प्रौद्यौगिकी (इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी)

सूचना प्रौद्यौगिकी (इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी) के उपकरण आईआईएम राँची की कम्प्यूटिंग और कम्युनिकेशन (संवाद-संचार) की आवश्यकताओं की पूर्ती करता है।

फाइव रैक माउन्टिंग सिस्टम और थ्री ब्लेड सर्वर के साथ आवश्यक उपकरण आईआईएम राँची के वेबसाईट के विभिन्न सेवाओं को होस्ट करते है। एकेडमिक ब्लॉक में स्थापित चेक पॉइंट फायरवाल और होस्टल में स्थापित साइबेरोम अतिक्रमण की पहचान और बचाव, विषय-वस्तु (कंटेंट) और एप्लीकेशन को फिल्टर करने के साथ-साथ, एंटीवायरस, एंटीस्पाईवेयर, और गेटवे एंटी-स्पामेट को भी प्रबंधित करता है। सभी सर्वरों में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सर्वर लाइसेंस और रेड हैट लिनक्स एंटरप्राइज का लाइसेंस है। प्रयोगशाला में स्थापित प्रत्येक कम्प्यूटर में विंडोज 7 का लाइसेंस है, और वे सभी एंटीवायरस सॉफ्टवेर से युक्त हैं।

नेटवर्क के मुख्य आधार को सिंगल मोड़ फाइबर ऑप्टिक्स केबल के अनुसार डिजायन किया गया है और आंतरिक नेटवर्क सिस्को 3750 कोर स्विच और सिस्को 2960 एक्सेस स्विच से युक्त है। एकेडमिक ब्लॉक आंतरिक रूप से वाई-फाई से जुड़े होने के साथ-साथ लैन से (कक्षा में रेलटेल के द्वारा उपलब्ध कराया गया 10 एमबीपीएस इंटरनेट बैंडविड्थ उपलब्ध है) युक्त है ताकि नेटवर्क से जुड़े हुए संसाधनों तक आसानी से पहुँच प्रदान की जा सके।

कुछ दूरी पर स्थित हॉस्टल, एकेडमिक ब्लॉक से वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) से जुड़ा हुआ है। हॉस्टल में वाई-फाई और वायरयुक्त लैन (रेलटेल द्वारा उपलब्ध कराये गए 20 एमबीपीएस 1:1 के इंटरनेट बैंडविड्थ) के माध्यम से 24X7 नेटवर्क से जुड़ने की सुविधा उपलब्ध है एकेडमिक और हॉस्टल दोनों क्षेत्र सिस्को एइरोनेट 1242 सिरीज यूबिक्विटी यूनीफाई आउटडोर एक्सेस पॉइंट्स और डीलिंक डीडब्ल्यूएल-3200 सिक्योर्ड वाई-फाई कनेक्टिविटी से जुड़ा हुआ है।

आईआईएम राँची राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) का भी एक हिस्सा बन चुका है, जो एक अत्याधुनिक अखिल भारतीय नेटवर्क है, और जिसका संचालन नेशनल इन्फोर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के द्वारा किया जाता है। एनकेएन 1 जीबीपीएस की कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है, जिसमें से 100 एमबीपीएस को इंटरनेट बैंडविड्थ और शेष को इंट्रानेट बैंडविड्थ के लिए आबंटित किया है ताकि अंतर-विश्वविद्यालय और एनकेएन पूल कनेक्टिविटी प्रदान किया जा सके।

हॉस्टल (छात्रावास)

एस.के.आई.पी.ए.

वर्तमान में आईआईएम राँची का संचालन सूचना भवन से होता है जहाँ झारखण्ड सरकार का सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग भी स्थित है। छात्रों के आवास की व्यवस्था नालंदा छात्रावास में की गई है, जो सूचना भवन से कुछ दूरी पर सड़क के किनारे स्थित है। नालंदा हॉस्टल श्री कृष्णा इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एस.के.आई.पी.ए.) - झारखण्ड सरकार के उपक्रम का एक भाग है। यह झारखण्ड लोकसेवा आयोग द्वारा चयनित प्रशिक्षुओं के लिए प्रशिक्षण संस्थान के रूप में कार्य करता है। छात्रावास के सभी कमरे विशाल, वातानुकूलित पूर्णरूप से हवादार और सभी आवश्यक फर्नीचरों से युक्त है और प्रत्येक कमरे में दो छात्रों के रहने की उचित व्यवस्था है। प्रत्येक कमरा एक स्नानगृह के साथ है। और वहॉ गर्म और ठंडे दोनों प्रकार के जल की सुविधा उपलब्ध है।

छात्रावास में रहने वाले प्रत्येक छात्र के लिए कमरे में लैन कनेक्शन की व्यवस्था की गई है। छात्रावास में एक साझा कम्प्युटर कक्ष भी है

छात्रों की सुविधा के लिए छात्रावास में एक कैंटीन की व्यवस्था की गई है, जो देर रात्रि तक खुला रहता है। कैंटीन में दैनिक उपयोग की वस्तुएं जैसे कि स्टेशनरी और प्रसाधन सामग्री की भी व्यवस्था की गई ताकि छात्रों को केम्पस से बाहर नहीं जाना पडे। सेटेलाईट कनेक्शन से युक्त एक टेलीविजन की व्यवस्था भी कैंटीन में की गई है। छात्रावास में एक वातानुकूलित खेल-कक्ष का भी निर्माण किया गया है जहाँ छात्र टेबिल-टेनिस और कैरम खेल सकते हैं।

खेलगांव

वर्ष 2011 में, 68 छात्रों ने द्वितीय बैच में प्रवेश लिया था। संतुलित एसकेआईपीए छात्रावास में उनके ठहरने की उचित व्यवस्था नहीं थी। इसलिए, अतिरिक्त छात्रों के लिए आवास की व्यवस्था खेलगांव में की गई।

सामाजिक रूप से जिम्मेदार और आकर्षक तथा संतुलित व्यक्तित्व से युक्त प्रबंधकों के निर्माण के अपने विजन के अनुकूल, संस्था ने झारखण्ड सरकार के सहयोग से अत्याधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्ले. क्स, जिसका निर्माण 34वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिऐ किया गया था, उसे छात्रों के खेल और अन्य मनोरंजक कार्यों के लिए उपलब्ध कराया है। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में उपलब्ध कराई गई सुविधाएं अत्याधुनिक है, जो विश्व के किसी भी स्पोर्ट्स केन्द्र के समकक्ष है और संसार के किसी भी संस्था की तुलना में श्रेष्ठ और अतुलनीय है।

आईआईएम राँची का स्टूडेंट ब्लॉक खेलगांव में स्थित आवासीय खंड (ब्लाक) में स्थित है, जो राँची शहर के सरहद पर स्थित है। ठंडा सुहावना मौसम, चारों तरफ फैली हरियाली और शहर के कोलाहल से दूर अवस्थिति, एक रंगीन और जीवंत परिवेश प्रदान करता है, इस प्रकार छात्र जीवन के लिए यह एक आदर्श स्थल है। आईआईएम राँची में उपलब्ध आवासीय सुविधा विश्व के प्रसिद्ध शिक्षण संस्थाओं में उपलब्ध कराये गए आवासीय सुविधा के समकक्ष है। आवासीय परिसर में छात्रों और छात्राओं के लिए अलग-अलग ब्लॉक की व्यवस्था की गई है। आईआईएम राँची उन गिने-चुने संस्थाओं में से एक है, जिसके परिसर (केम्पस) में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध है। आवासीय सुविधा के अंतर्गत तीन बेडरूम और चार बेडरूम के मिश्रित साझा फ्लैट है, जो पूर्णरूप से सभी आवश्यक फर्नीचर से युक्त है। मेस तथा एक कैंटीन, और मेडिकल स्थितियों से निपटने के लिए एक डिस्पेंसरी औसत रूप से दिन के 20 घंटे खुला रहता है।

फ्लैट - प्रत्यके फ्लैट में तीन या चार बेडरूम, एक कॉमन रूम (विनोद कक्ष) और एक रसोईघर की व्यवस्था है। फ्लैट्स के एक कमरे में केवल एक ही व्यक्ति के रहने की अनुमति है, और उनमें कॅम्पस के लैन और वाई-फाई कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध है, जिससे कि इंटरनेट को आसानी से प्राप्त किया जा सके। साफ-सफाई की सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है।

विनोद कक्ष - विनोद कक्ष (कॉमन रूम) छात्रों के लिए एक केंद्र के समान है जहाँ वे अनौपचारिक बैठकों का आयोजन करते है और एक-दूसरे से परस्पर घुलते-मिलते हैं तथा आराम करते हैं। यह एक ऐसा स्थान है, जहाँ छात्रों के अन्दर छुपी हुई प्रतिभा को निखारा जा सकता है। इसमें दो इनडोर गेम रूम, एक पूर्णरूप से सुसज्जित संगीत कक्ष, एक फिटनेस सेंटर, और अनौपचारिक सम्मेलनों के लिए एक कान्फ्रेंस रूम शामिल हैं।

सुरक्षा - अपने छात्रों की सुरक्षा निश्चित रूप से आईआईएम राँची की सबसे पहली प्राथमिकता है। वहां स्टूडेंट्स ब्लॉक में प्रवेश करने के लिए एक कॉमन प्रवेश द्वार है, जहाँ दो सुरक्षा प्रहरियों को तैनात किया गया है, और बिना उचित जाँच-परख के किसी भी व्यक्ति को अन्दर जाने की अनुमति नहीं है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक ब्लॉक में दो सुरक्षा प्रहरियों को तैनात किया गया है जो 24X7 घंटे ब्लॉक की निगरानी करते हैं और छात्रों, संकाय, और अन्य कर्मचारियों को छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति को अन्दर जाने की अनुमति नहीं है।

सुविधा - उपलब्ध सुविधाओं में खेल-कूद के लिए अलग-अलग स्टेडियम की व्यवस्था शामिल है, जहाँ सदस्यता प्राप्त कर छात्र बास्केटबाल, टेनिस, बैडमिन्टन, तैराकी, एथलेटिक्स आदि का आनन्द उठा सकते हैं। छात्र देश और विदेश के श्रेष्ठ एथलिटों और खिलाड़ियों के साथ खेलने और अभ्यास करने का भी अवसर प्राप्त कर सकते है। आपस में विचार-विमर्श करने से छात्र उनसे सफलता के मन्त्रों को सीखने के साथ जीतने की मानसिकता का निर्माण करने, अनुशासन, समर्पण, और कठिन परिश्रम के गुर सीखते हैं। कक्षा में शिक्षण और वरिष्ठ (सीनियर) छात्रों से सीखना, शिक्षण की अन्य विधियों के अतिरिक्त, संस्था के शिक्षण के सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है, जो छात्रों के प्रबंधक के रूप में समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संकाय

भर्तियाँ

अप्रैल 2011 - मार्च 2012 की समयावधि में चयन किये गये संकाय सदस्य : सात

क्रम सं	नाम	क्षेत्र	पदभार ग्रहण करने की तिथि
1.	डॉ. अमरेन्द्रु नंदी	इकोनोमिक्स	20.06.2011
2.	डॉ. अमित सचान	ऑपरेशनस मैनेजमेंट	15.06.2011
3.	डॉ. जी आर चंद्रशेखर	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	11.07.2011
4.	डॉ. हेमलता चंद्रशेखर	इनफार्मेशन सिस्टम्स	11.07.2011
5.	डॉ. सुबीर वर्मा	बिहेवियरल साइंसेज	15.07.2011
6.	डॉ. मालथी सोमयुया	ओबी एंड जेनरल मैनेजमेंट	19.09.2011
7.	डॉ. मधुरिमा देब	मार्केटिंग	06.10.2011

अप्रैल 2011 - मार्च 2012 की समयावधि में संस्था छोड़ने वाले संकाय सदस्य : एक

क्रम सं	नाम	क्षेत्र	त्यागपत्र देने की तिथि
1	डॉ. मालथी सोमय्या	ओबी एंड जेनेरल मैनेजमेंट	05.11.2011

आईआईएम राँची में संकाय सदस्यों का एक अद्वितीय समूह है, जो अनुभवी मुख्य संकाय और विजिटिंग संकाय का उचित सम्मिश्रण है। आईआईएम राँची के मुख्य संकाय सदस्य देश के श्रेष्ठ संस्थाओं के संकायों के समकक्ष हैं, जो एक-तिहाई से लेकर आधे पाठ्यक्रम तक के शिक्षण का कार्य कराते है। बाकी पाठ्यक्रम का शिक्षण उद्योग और देश / विदेश के प्रमुख संस्थाओं के अनुभवी और विद्वान विजिटिंग संकायों के द्वारा कराया जाता है। यह प्रस्तावित संकायों का सम्मिश्रण छात्रों को सशक्त सैद्धांतिक पृष्ठभूमि के निर्माण में सहायता करता है, साथ ही यह उन्हें सम्पूर्ण विश्व के उद्योगों और संस्थाओं के नवीन व्यावहारिक अनुप्रयोगों और विकास से भी परिचित कराता है।

मुख्य संकाय
संकाय का प्रोफाइल

अमरेन्दू नंदी
असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : इकोनॉमिक्स
ईमेलः amarendu@iimranchi.ac.in

शिक्षण के क्षेत्र
- माइक्रो-इकोनॉमिक्स
- मेक्रो-इकोनॉमिक्स
- बिजनेस एनवायरनमेंट
- इण्डिया एंड वर्ल्ड इकोनमी
- डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स

भूतपूर्व पद
- एसोसियेट प्रोफेसर गोवा प्रबंध संस्थान गोवा

अनुसंधान के क्षेत्र
- इन्टरनेशनल माइग्रेशन
- डेमोग्राफी
- सोशल सेक्युरिटी
- कम्पेरेटिव पब्लिक पालिसी

शिक्षा
- पीएच.डी., नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सिंगापुर
- एम.एस.सी. (अर्थशास्त्र), बर्दवान विश्विद्यालय, पश्चिम बंगाल

अमित सचान
असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : ऑपरेशन्स मैनेजमेंट
ईमेलः amitsachan@iimranchi.ac.in

शिक्षण के क्षेत्र
- बिजनेस स्टेटिस्टिक्स
- ऑपरेशन्स रिसर्च
- ऑपरेशन्स मैनजेमेंट
- सर्विस ऑपरेशन्स मैनजेमेंट

भूतपूर्व पद
- सर्विस मैनेजर, इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग ग्रूप एओएन हेविट, गुडगाँव

अनुसंधान के क्षेत्र
- सर्विस ऑपरेशन्स मैनेजमेंट
- सप्लाई चेन मैनेजमेंट

शिक्षा
- फेलो इन मैनेजमेंट (पीएच.डी.), मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट, गुडगाँव
- बी.टेक. (इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रूड़की,

हेमलता चंद्रशेखर
असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम्स
ईमेलः hemalatha@iimranchi.ac.in

शिक्षण के क्षेत्र
- व्यवसाय के लिय सूचना प्रौधोगिकी
- मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम्स
- ई-बिजनेस

भूतपूर्व पद
- असिस्टेंट प्रोफेसर भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर

अनुसंधान के क्षेत्र
- ई-कॉमर्स के लिए एजेंट मॉडल
- रेकोमेंडर सिस्टमस
- ऑटोमेटेड नेगोशियेशन्स

शिक्षा
- फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीएच.डी.), भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ
- बी.ई. (ईसीई), इंस्टिट्यूट फॉर रोड एंड ट्रांसपोर्ट टेक्नोलॉजी, इरोड, तमिलनाडु

जी.आर. चंद्रशेखर

एसोसियेट प्रोफेसर

क्षेत्र : स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट

ई मेल: grchandra@iimranchi.ac.in

शिक्षण के क्षेत्र

- स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट
- एंटरेप्रेंयूर्शिप
- ग्रोथ एंड अनसरटेनटी

भूतपूर्व पद

एकेडमिक अनुभव:

- असिस्टेंट प्रोफेसर आईआईएम इंदौर और एक्सएलआरआई जमशेदपुर

उद्योग का अनुभव:

- स्टिंट्स इन कंसल्टिंग एंड बिजनेस डेवलपमेंट इन इंडिया, मिडिल ईस्ट, यूरोप एंड यूएसए
- लीडरशिप पोजीशन इन इंडिया एंड दि यूके

अनुसंधान के क्षेत्र

- फर्मों की उत्पति, विकास, और अन्तराष्ट्रीयकरण
- व्यावसायिक समूहों की उत्पत्ति
- प्रबंधन में साइबरनेटिक्स और जटिलता के अनुप्रयोग
- भारतीय प्रबंधन

शिक्षा

- फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीएच.डी.), भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ
- पीजीडीएम, भारतीय प्रबंध संस्थान, बंगलौर
- बी.ई. (ईसीई) कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद

एम जे जेवियर

निदेशक और प्रोफेसर

क्षेत्र: मार्केटिंग

ई मेल: director@iimranchi.ac.in

शिक्षण के क्षेत्र

- सीआरएम एंड डाटा माइनिंग
- बिजनेस एनालिटिक्स
- मार्केटिंग रिसर्च
- एक्शन लर्निंग
- स्पिरिट्युयालिटी

भूतपूर्व पद

- डीन ग्रेट लेकस इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट चेन्नई
- प्रोफेसर आईआईएम बंगलौर

अनुसंधान के क्षेत्र

- बिजनेस एनालिटिक्स
- न्यूरो मार्केटिंग

शिक्षा

- फेलो इन मैनेजमेंट (पीएच.डी.), भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता
- एम.टेक., केमिकल प्लांट इंजीनियरिंग, रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज, वारंगल
- बी.टेक, केमिकल इंजीनियरिंग, कोयम्बटूर इंस्टिटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयम्बटूर

मधुरिमा देब

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : मार्केटिंग
ई मेल: madhurima@iimranchi.ac.in

शिक्षण के क्षेत्र

- मार्केटिंग मैनेजमेंट
- कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट
- सर्विसेज मार्केटिंग
- रिटैल मैनेजमेंट
- रिटैल ब्रांड मैनेजमेंट
- सेल्स मैनेजमेंट
- कंज्यूमर बिहैवियर

भूतपूर्व पद

- असिस्टेंट प्रोफेसर नरसी मोंजी इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई

अनुसंधान के क्षेत्र

- कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट
- रिटैल
- कंज्यूमर बिहैवियर

शिक्षा

- पीएच.डी., इन्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर
- एमबीए, आन्ध्र विश्वविद्यालय

मालथी सोमय्या

प्रोफेसर
क्षेत्र : ऑर्गनाइजेशनल बिहैवियर एण्ड जेनरल मैनेजमेंट
ई मेल: malathi@iimranchi.ac.in

शिक्षण के क्षेत्र

- ऑर्गनाइजेशनल बिहैवियर
- ऑर्गनाइजेशनल डेवलपमेंट
- ऑर्गनाइजेशनल स्ट्रक्चर, डिजायन, एंड कल्चर
- मेनेजिगं पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप
- टीचिंग मेथोडॉलोजी
- रिसर्च मेथोडॉलोजी
- क्युरिकुलम डेवलपमेंट
- इकोनेमिक्स ऑफ एडुकेशन
- मॉडल्स ऑफ टीचिंग
- रिटेन एण्ड ओरल कम्युनिकेषन

भूतपूर्व पद

- प्रोफेसर भारतीय प्रबंध संस्थान बंगलोर

अनुसंधान के क्षेत्र

- एग्जीक्यूटिव कम्युनिकेशन
- एडुकेशन मेनेजमेंट
- इकोनेमिक्स ऑफ एडुकेशन
- पब्लिक पालिसी मैनेजमेंट
- डिस्टेन्स एडुकेशन
- एलिमेंटरी एडुकेशन
- ऑर्गनाइजेशनल बिहैवियर
- हायर एडुकेशन

शिक्षा

- पीएच.डी., यूनिवर्सिटी ऑफ मिन्नेसोटा
- ईडी.एस. एम्पोरिया केंसास स्टेट यूनिवर्सिटी
- एम.एड., बंगलौर यूनिवर्सिटी
- बी.एड., बंगलौर यूनिवर्सिटी

सुबीर वर्मा

प्रोफेसर
क्षेत्र : बिहेवियरल साइंसेज
ईमेल: subir.verma@iimranchi.ac.in

शिक्षण के क्षेत्र

- ऑर्गेनाईजेशनल बिहैवियर
- ऑर्गेनाईजेशनल डिजायन एंड चेंज
- इन्फ्लुएन्सिन्ग एंड नेगोश्यिेशन स्किल्स
- टीम बिल्डिंग एंड लीडरशिप

भूतपूर्व पद

- एसोसियेट प्रोफेसर मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट गुडगाँव

अनुसंधान के क्षेत्र

- आर्गेनाईजेशनल डेमोक्रेसी
- कॉर्पोरेट ग्रेटनेस
- इन्डियन मैनेजमेंट
- इन्डियन नेगोश्यिेशन स्टाइलस

शिक्षा

- फेलो इन मैनेजमेंट (पीएच.डी.), भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद
- एम.फिल, दिल्ली विश्विद्यालय
- एम.ए. दिल्ली विश्विद्यालय

अप्रैल 2011 से मार्च 2012 के मध्य निम्नलिखित एकेडमिक कौंसिल मीटिंगस (एसीएम) का आयोजन किया गया :

क्र.सं.	एसीएम संख्या	दिनांक
1	एसीएम संख्या 1/11	19.09.2011
2	एसीएम संख्या 2/11	20.10.2011
3	एसीएम संख्या 3/11	29.11.2011
4	एसीएम संख्या 4/12	07.02.2012
5	एसीएम संख्या 5/12	19.03.2012

प्रकाशन

डॉ. अमरेन्दू नंदी

1.एक पुस्तक में शीर्षक सिंगापुर : **पेंशन सिस्टम ओवरव्यू एंड रिफोर्म डायरेक्शनस** पर एक अध्याय (सह-लेखकः मुकुल जी आशेर), उस पुस्तक का नाम है *पेंशन सिस्टम एंड ओल्ड-एज इनकम सपोर्ट इन ईस्ट एंड साउथईस्ट एशिया - ओवरव्यू एंड रिफोर्म डायरेक्शनस (Dorgnyum पार्क द्वारा सम्पादित), जिसे एडीवी-रोउट्लेज ने दिसम्बर 2011 में प्रकाशित किया था/ http://www.routledge-com/books/details/9780415692700/*

2.**इनजेक्ट मोर फंड्स इनटू हेल्थ सेक्टर,** *बिजनेस लाइन, दि हिन्दू,* अक्टूबर 13, 2011

3.**गिवेन दि फ्रेजाइल कंडीशन ऑफ स्टेट फाइनेंसेस, हेल्थ शुड बी पूट इन कॉनकरेंट लिस्ट,** http://www-thehindubusinessline-com/opinion/article2535024.ece

4. **सॉवरेन वेल्थ फंड नोट फॉर इण्डिया :** "अवर फोरेक्स रिजर्वस् आर लायबिलिटीज, नॉट एसेट्स" (सह-लेखकः सांतनु कुंडू), इकनोमिक टाइम्स, नवम्बर 19, 2011, (पृष्ठ.11)।

5. **फिस्कल डिफिसिट कैन स्पिन आउट ऑफ कण्ट्रोल,** *बिजनेस लाइन, दि हिन्दू, मार्च* 31,2012, *http://www-the hindubusinessline-com/opinion/articles3262974-ece*

डॉ. अमित सचान

1.**स्ट्रेटेजिक सेगमेंटेशन ऑफ एटीएम यूजर्स इन इण्डिया,** *एएसबीएम जर्नल ऑफ मैनेजमेंट,* वॉल्यूम संख्या 4, इश्यू संख्या 2, 2012

2.**ए रिव्यू ऑफ रिसर्च मेथोडॉलोजिज इन प्राइवेट इक्विटी,** *जर्नल ऑफ प्राइवेट इक्विटीः* 2005-2011, ग्रीष्म 2012 (सह-लेखकः स्मित सुमन, सुवंश शरण)।

डॉ. जी आर चंद्रशेखर

1.पुस्तक समीक्षा **"फीमेल एंटेप्रेंयूर्शिप इन ईस्ट एंड साऊथ ईस्ट एशियाः ऑपर्चुनिटीस एंड चेलेंजेंस,** ***एशियन बिजनेस मैनेजमेंट"*** 10 (3): (पृष्ठ संख्या. 461-462) डीओआई : 10-1057/एबीएम 2011.16।

डॉ. हेमलता चंद्रशेखर

1.**क्विक्ली लोकेटिंग इफिसियेंट, इक्विटेएबल डील्स इन ऑटोमेटेड नेगोशियेशन अन्डर टू साइडेड इनफार्मेशन अनसर्टैनिटी (सह-लेखकः भास्कर, बी.),** डिसीजन सपोर्ट सिस्टम, वॉल्यूम 52, संख्या.1, 2011 (पृष्ठ संख्या.157-168) ।

2.**पर्सन्लाइजड रेकमेंडर सिस्टम यूजिंग एंट्रोपी बेस्ड कोलेबोरेटिव फिल्टरिंग टेकनीक** (सह-लेखकः भास्कर, बी.), *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स रिसर्च,* वॉल्यूम.12, संख्या. 3, 2011 (पृष्ठ संख्या 214-237) ।

डॉ. एम जे जेवियर

1.**यूज ऑफ एनालिटिक्स इन इन्डियन एंटरप्राइजः एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी :** (सह-लेखकः अनिल श्रीनिवासन और अरूण थामिज्हवानन) *जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च,* वॉल्यूम.3, संख्या. 3, 2011 (पृष्ठ संख्या 168-179;) एमराल्ड ग्रुप पब्लिशिंग लिमिटेड

2.**इन्नोवेशन एन एसेंशियल टूल फॉर सर्वाइवल,** *एशियन एडुकेटर,* अक्टूबर. 2011.

3.**थ्योरी ऑफ फोर्बिडन एप्पलः एन एप्रोच टु कन्टेन कॉरपोरेशन,** *कम्मेमोरेटिव जर्नल ऑन पार्टिसिपेटिव* विजिलेंस ऑफ बैंक ऑफ इंडिया, राँची, (पृष्ठ संख्या. 16-21)।

4. **फ्रोम अंडरडॉग टु रेस हॉर्स,** *दि टेलीग्राफ,* सन्डे, जनवरी 1, 2012 (पृष्ठ संख्या 1-7)

5. **टेकिंग एडुकेशन ऑनलाइन,** *डिजिटल लर्निंग,* ई-इण्डिया कांफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, जनवरी 2012 (पृष्ठ संख्या 42)।

6. **ग्रीन पर्चेजिंग प्राक्टिसेस : ए स्टडी ऑफ ई-प्रोक्योरमेंट इन बी-टु-बी बाइंग इन इंडियन स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजेस,** *कैलिफोर्निया जर्नल ऑफ ऑपरेशनस मैनेजमेंट,* वॉल्यूम 10. संख्या. 1. फरवरी 2012. (पृष्ठ संख्या 1-7)।

7. **अनकवरिंग दि अंडरलाइंग कॅनस्ट्रक्टस एंड क्लासिफाइन्ग 'इनोवेशनस' यूजिंग दि रिपर्टरी ग्रिड एनालिसिस,** इन-हाउस *जर्नल ऑफ एसएआईएल,* राँची, (पृष्ठ संख्या. 1-7)।

8. **मैनेजमेंट, दि गाँधीयन वे,** दि हिन्दू, एजुकेशन प्लस, मंडे, फरवरी 6, 2012 (पृष्ठ 8) ।

9. **आईआईएम इज नॉट जस्ट ए प्लेसमेंट एक्सचेंज बट ए टेम्पल ऑफ लर्निंग,** *बिजनेस इकोनॉमिक्स,* मार्च 1-15. 2012, (पृष्ठ संख्या 66-67)।

सम्मेलनों (कांफ्रेंस), सेमिनारों और कार्यशालाओं (वर्कशॉप) मे भाग लिया

डॉ. अमित सचान

- 19वीं ग्लोबल सिम्पोजियम ऑन फेस्टिवल्स ऑफ थिंकर्स एंड डूअर्स, नई दिल्ली, इण्डिया इंटरनेशनल प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन (दिसंबर 5-7, 2011) द्वारा आयोजित।
- लिवरेजिगं बिजनेसः ऑपरेशनुस मैनेजमेंट इन बोध मंच, इन्डियन आयल कारपोरेशन राँची, के बिहार राज्य कार्यालय द्वारा शुरू किये गए सीखने के एक कार्यक्रम, पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. जी आर चंद्रशेखर

- रिसर्च इंटेंसिटी एंड न्यू वेंचर ग्रोथ, एनुअल आईसीएसबी ग्लोबल एंटरप्रेंयूर्शिप कांफ्रेंस, जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, वाशिंगटन डीसी, यूएसए, (अक्टूबर 6-8, 2011) ।
- कौफ्फमेन फर्म सर्वे 101 एकोनोमेट्रिक्स वर्कशॉप, वाशिंगटन डीसी, (नवम्बर 11-12, 2011)

डॉ. हेमलता चंद्रशेखर

- क्विक्ली लोकेटिंग इफिसियेंट, इक्विटेबल डील्स इन ऑटोमेटेड नेगोश्यिेशनस अन्डर टू साइडेड इनफार्मेशन अनसर्टैनिटी पर एक पेपर प्रस्तुत किया। (सह-लेखकः भास्कर, बी.), डिसीजन सपोर्ट सिस्टम, वॉल्यूम 52, संख्या.1, 2011, पृष्ठ संख्या.157-168
- पर्सन्लाइजड रेकोमेंडर सिस्टम यूजिंग एंट्रोपी बेस्ड कोलोबेटिव फिल्टरिंग टेकनीक पर एक पेपर प्रस्तुत किया। (सह-लेखकः भास्कर, बी.),जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स रिसर्च, वॉल्यूम.12, संख्या. 3, 2011, पृष्ठ संख्या 214-237

डॉ. एम जे जेवियर

- कोलकाता में आईआईएमसी द्वारा आयोजित (15 अक्टूबर 2011) मैनेजमेंट एडुकेशन - दि रोड अहेड : मीटिंग दि चैलेंजस ऑफ ग्लोबलाइजेशन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- आईआईएम शिलोंग द्वारा (नवम्बर 9-11, 2011) आयोजित सम्मलेन दि सेकेण्ड इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन सस्टनेबिलिटीः पीपल, प्लेनेट एंड प्रोस्पेरिटी में सस्टेनेबिलिटी - एन इन्डियन परस्पेक्टिव पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- आईआईएमसी द्वारा अपने स्वर्ण जयन्ती (गोल्डन जुबली) के उपलक्ष में आयोजित समारोह (नवम्बर 15, 2011) में मैनेजमेंट एडुकेशन फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो पर एक व्याख्यान दिया।
- थामिज्ह्वानन, अरूण के साथ मिलकर आईआईएम लखनऊ द्वारा (जनवरी 12-14, 2012) आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मार्केटिंग में डिटरमिनेट्रंस ऑफ कस्टमर्स ऑनलाइन परचेस इंटेंशनः एन एम्पिरिकल स्टडी इन इण्डिया, पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. सुबीर वर्मा

- एएसीएसबी द्वारा (9-11 अक्टूबर, 2011) आयोजित एशिया पैसिफिक एक्क्रेडिटेशन कांफ्रेंस इन सिंगापुर में भाग लिया।
- नेशनल एचआरडी नेटवर्क, पटना चेप्टर द्वारा (15 - 16 अक्टूबर 2011) आयोजित थीम डेवलपड बिहार : विजन 2015 आयोजित सत्र लीडरशिप इन एचआर कॉन्क्लेव की अध्यक्षता की।

अतिथि संकाय

श्री अभिमन्यु शांडिल्या
इनफोसिस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, बंगलौर
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

प्रो० अजय पाण्डेय
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० अंजन राय चौधरी
डीन-आईआईपीएम कोलकाता
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

प्रो० आशीष बनर्जी
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० अशोक बनर्जी
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० बी बी चक्रवर्ती
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० भारद्वाज एस
ग्रेट लेकस इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, चेन्नई
क्षेत्रः मार्केटिंग

प्रो० सी पांडुरंग भट्ट।
भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

प्रो० जी कन्नाबिरन
नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तिरुचिराप्पल्ली
क्षेत्रः इनफार्मेशन सिस्टम्स

प्रो० जी वेंकट रमण
भारतीय प्रबंध संस्थान कोझीकोड
क्षेत्रः ह्यूमेनिटीज एंड लिबरल आर्ट्स इन मैनेजमेंट

प्रो० गोलक सी नाथ
सीनियर वाईस प्रेसिडेंट इकोनॉमिक रिसर्च एंड सर्विलांस, क्लिरियंग कारपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड, मुम्बई
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० हेमा कृष्णमूर्ति
भारतीय प्रबंध संस्थान बंगलौर
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० इभा कुमार
जेवियर इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भुवनेश्वर
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

प्रो० जिजो लुकोस् पी जे
इंस्टिट्यूट फॉर फाइनेंशियल मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च, चेन्नई
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० कल्याणरमण एस
संस्थापक निदेशक, दि एकेडमिक मेंटर्स, चेन्नई
क्षेत्र : ऑपरेशनस मैनेजमेंट

प्रो० एल गुरुनाथन
एक्सएलआरआई जमशेदपुर
क्षेत्रः एचआरएम एण्ड आईआर

प्रो० एल रामपरसाथ
इंस्टिट्यूट फॉर फाइनेंशियल मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च, चेन्नई
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० एल श्रीधर
पार्टनर, श्रीधर एण्ड ब्रिटो चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, बंगलौर
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० मनीष कुमार
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, नेपियर यूनिवर्सिटी एडिनबर्ग, यूके
क्षेत्रः ऑपरेशनस मैनेजमेंट

प्रो० मनोज कुमार श्रीवास्तव
मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट गुडगाँव
क्षेत्रः ऑपरेशनस मैनेजमेंट

प्रो० मेधा श्रीराम जोशी
सिम्बयोसिस इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस पुणे
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० माइकल डेनिनो
कन्वीनर, इंटरनेशनल फोरम फॉर इण्डियाज हेरिटेज, कोयम्बटूर
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

सुश्री मैथिलि चंद्रशेखर
सीनियर वीपी एंड एग्जीक्यूटिव प्लानिंग डायरेक्टर, जेडब्ल्यूटी, चेन्नई
क्षेत्रः मार्केटिंग

प्रो० एन आर भुस्नुरमथ
मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट गुडगाँव
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० एन वी राव
नार्थईस्टर्न इल्लिनोइस यूनिवर्सिटी, शिकागो, इल्लिनोइस, यूएसए
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० नवीन जैन
कॉलेज ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ अक्रोन ओहायो (यूएसए)
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

प्रो० नीलांजन बनिक
इंस्टिट्यूट फॉर फाइनेंशियल मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च, चेन्नई
क्षेत्रः इकोनॉमिक्स

प्रो० पियूष कुमार सिन्हा
भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
क्षेत्रः मार्केटिंग

श्री प्रसून पारिजात
सीईओ और प्रबंध संपादक
www.newzzon.com, Delhi
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

प्रो० पूरबा एच राव
विजिटिंग प्रोफेसर, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
ग्रेट लेक इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट चेन्नई और कलकत्ता बिजनेस स्कूल, कोलकाता
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

प्रो० पुरुषोत्तम सेन
भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो० राजीव मिश्रा
एक्सएलआरआई जमशेदपुर
क्षेत्रः ऑपरेशनस मैनेजमेंट

प्रो० राकेश सिंह
अध्यक्ष, इंस्टिट्यूट ऑफ सप्लाई चैन मैनेजमेंट मुंबई, और निदेशक, दुर्गादेवी सर्राफ इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई
क्षेत्रः ऑपरेशनस मैनेजमेंट

प्रो० राम कुमार ककानी
एक्सएलआरआई जमशेदपुर
क्षेत्रः फाइनेंस एंड स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट

प्रो० रमेश शरण
राँची विश्वविद्यालय, राँची
क्षेत्रः इकोनॉमिक्स

प्रो० रामनाथ नारायणस्वामी
भारतीय प्रबंध संस्थान बंगलौर
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

प्रो॰ रंजन मित्तर
भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

प्रो॰ रोहित पराशर
एशियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, भुबनेश्वर
क्षेत्रः मार्केटिंग

प्रो॰ एस कृष्णमूर्ति
सहायक संकाय, इन्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बंगलौर
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो॰ एस. शिवेन्दु
दि पॉल मिराज स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, इरविन
क्षेत्रः इनफार्मेशन सिस्टम्स

श्री संजय बढे
स्वतंत्र सलाहकार, मुंबई
क्षेत्रः मार्केटिंग

प्रो॰ शंकरसन बासु
भारतीय प्रबंध संस्थान बंगलौर
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो॰ शरद सरीन
एक्सएलआरआई जमशेदपुर
क्षेत्रः मार्केटिंग

श्री सिग्गी साइमन
ऑनलाइन मार्केटिंग प्रबंधक
कैरट लेन ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई
क्षेत्रः मार्केटिंग

प्रो॰ सुदास राय
विजिटिगं प्रोफेसर, इन्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कलकत्ता
क्षेत्रः मार्केटिंग

प्रो॰ सुमा दामोदरन
एक्सएलआरआई जमशेदपुर
क्षेत्रः इकोनोमिक्स

प्रो॰ टी.ए.एस. विजयराघवन
एक्सएलआरआई जमशेदपुर
क्षेत्रः इनफार्मेशनस सिस्टम्स एण्ड ऑपरेशनस मैनेजमेंट

प्रो॰ उदय दामोदरन
एक्सएलआरआई जमशेदपुर
क्षेत्रः फाइनेंस

श्री वी पी कामथ
चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, वोखारडट् हॉस्पिटल्स, मुंबई
क्षेत्रः मार्केटिंग

प्रो॰ वी सनल कुमार
भारतीय प्रबंध संस्थान कोझीकोड
क्षेत्रः मार्केटिंग

श्री वीर मेहता
कैपस्टोन बिजनेस सिमुलेशन
क्षेत्रः स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट

श्री वेंकटेश बी
संस्थापक एवंम् प्रबंध अध्यक्ष,
नवेरा कंसल्टिंग, चेन्नई
क्षेत्रः फाइनेंस

श्री वेंकटेश वरदाचारी
सह-संस्थापक, मनी-विजार्ड्स (एक अग्रणी फाइनेंश्यिल एडुकेशन कंपनी), चेन्नई
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो॰ विकास कुमार
डीसीयू बिजनेस स्कूल, डबलिन सिटी यूनिवर्सिटी, डबलिन, आयरलैंड
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

कर्मचारी *भर्तियाँ*

निम्नलिखित 15 (पंद्रह) कर्मचारियों को अप्रैल 2010 से मार्च 2011 के बीच संस्था में नियुक्त किया गया

क्रं. सं.	नाम	पद का नाम	पदभार ग्रहण करने की तिथि	नियमित/ संविदा
01	श्री राजेश ई पात्रो	ओएसडी (झारखण्ड सरकार)	01.04.2010	On Deputation
02	सुश्री स्मिता गुप्ता	फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट	05.08.2010	संविदा
03	सुश्री जया मेहरोत्रा	फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट	09.08.2010	संविदा
04	सुश्री पूजा	फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट	13.08.2010	संविदा
05	श्री अरूण कुमार तिवारी	सहायक प्रबंधक - बाह्य कार्य	21.08.2010	संविदा
06	सुश्री डॉल रोजलीन लाकरा	एग्जीक्यूटिव परसोनेल	06.09.2010	संविदा
07	श्री गौतम कुमार शर्मा	अकाउंटेंट	15.09.2010	संविदा
08	श्री मुकेश कुमार यादव	कार्यालय सहायक	14.09.2010	संविदा
09	श्री नवल कुमार सिंह	ऑफिस मेंटेनेंस - गेस्ट हाउस	15.09.2010	संविदा
10	श्री मानस बनर्जी	निजी सहायक	01.10.2010	नियमिता
11	सुश्री रचना शर्मा	प्रोग्राम सहायक (पीजीपी)	01.10.2010	संविदा
१२	श्री परिशेष पाठक	आई. टी. एग्जीक्यूटिव	08.10.2010	संविदा
13	श्री जयंत कुमार त्रिपाठी	उप-पुस्तकालयाध्यक्ष	11.10.2010	नियमित
14	डॉ. ज्ञान प्रकाश	फिजीशियन	01.11.2010	संविदा
15	श्री जी जिलानी	एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर	01.11.2010	संविदा

अप्रैल 2011 से मार्च 2012 के मध्य निम्नलिखित कर्मचारियों की नियुक्ति की गई : 12 (बारह)

क्रं. सं.	नाम	पद का नाम	पदग्रहण करने की तारीख	नियमित/ संविदा
1	श्री अभय कुमार	हॉस्टल ऑफिस असिस्टेंट	02.05.2011	संविदा
2	सुश्री अनीता सिंह स्रावनो	फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट	02.05.2011	संविदा
3	श्री बी जगन रॉव	एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर (पीजीपी)	21.06.2011	संविदा
4	सुश्री देबश्री दासगुप्ता	फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट	02.05.2011	संविदा
5	श्री दिलीप कुमार पाठक	हॉस्टल सुपरवाइजर	02.05.2011	संविदा
6	सुश्री जानकी जगन	निदेशक के लिये कार्यकारी सहायक	21.06.2011	संविदा
7	श्री कमलेश कुमार ठक्कर	वित्त एंव लेखा अधिकारी	16.06.2011	संविदा
8	सुश्री पद्मालिनी सिंह	फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट	29.11.2011	संविदा
9	श्री रामा रॉव थोटा	पुस्तकालय - सूचना सहायक	01.06.2011	संविदा
10	श्री शिव शंकर कुमार	फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट	14.11.2011	संविदा
11	सुश्री विनीता	फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट	17.06.2011	संविदा
12	सुश्री शोवोना सामंता	फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट	17.01.2012	संविदा

अप्रैल 2011-मार्च 2012 के दौरान निम्नलिखित कर्मचारियों ने अपने पद से त्यागपत्र दिया:

क्रं. सं.	नाम	पदग्रहण करने की तारीख	त्यागपत्र का तारीख
1	सुश्री पूजा	फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट	27.10.2011
2	सुश्री विनीता	फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट	31.10.2011

दिनांक 5 जुलाई 2011 को बोर्ड के चौथे बैठक का आयोजन किया गया, जिसमे पूर्वनिर्धारित शीर्षक "ट्रेनी टीचिंग एसोसियट्स" को "फैकल्टी रिसर्च एसोसियेट" में परिवर्तित कर दिया गया।

नए कार्यक्रमों के लिए पहल

पीजीडीएचआरएम

दिनांक 19 सितम्बर 2011 को आयोजित एकेडमिक काउंसिल की बैठक (एसीएम संख्या 1/2011-12) में एक्सएलआरआई, जमशेदपुर से दो विशेषज्ञ, प्रोफेसर एल गुरुनाथन और प्रोफेसर राजीव शर्मा को आमंत्रित किया गया और आईआईएम राँची के संकाय सदस्यों के साथ एक उप-कमिटी का गठन किया गया, ताकि पीजीडीएचआरएम कार्यक्रम के पाठ्यक्रम का निर्धारण किया जा सके, जिसे वर्ष 2012 से शुरू करने की योजना है। दिनांक 19 सितम्बर को 2011 को आयोजित एसीएम की बैठक में पाठ्यक्रम को स्वीकृति मिलने के बाद उसे बोर्ड के समक्ष उसकी स्वीकृति के लिए पेश किया गया और इसके 6वें बीओजी बैठक जिसका आयोजन दिनांक 26.11.2011 को किया गया, उसमें बोर्ड ने इस पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए अपनी सहमति दी।

पृष्ठभूमि

अधिक-उपद्रवों, अनिश्चित स्थितियों और जटिलताओं के परिणामस्वरूप व्यवसाय के संचालन की परिस्थितियों को अप्रत्याशित अनिरंतरता के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसका सूत्रपात सबसे पहले वैश्वीकरण तथा सूचना और संचार तकनीकों में आई क्रांति के साथ हुआ, और अब आर्थिक और वित्तीय अनिश्चितता बढ गई है। राजनैतिक, वृहद-आर्थिक और सामाजिक संचालक शक्तियों के मध्य उलझे हुए कारपोरेशन और उनके प्रबंधकों पर अत्यधिक दबाव है कि वे तीव्र गति से बदलती हुई तकनीकि स्थितियों, वैश्विक प्रतिस्पर्द्धाओं के साथ-साथ सरकार की बदलती हुई नीतियों के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ें। असंख्य अध्ययनों से यह तथ्य स्पष्ट हो चुका है कि अगली कक्षा में सफल होने के लिए, कंपनियों को अवश्य ही चिरस्थायी रूप से तैयार रहना चाहिए, उन्हें लचीला और आधुनिक होने के साथ-साथ सामर्थ्य को निरंतर रूप से निर्मित करते रहने की क्षमता होनी चाहिए। उन्हें साझीदारों के पारिस्थितिकी-तंत्र और परिवर्तनों से निपटने में सक्षम होना चाहिए। जनसांख्यिकीय परिदृश्य और ''सहस्राब्दी पीढ़ी की''अपेक्षाओं ने भी संगठनों के काम को व्यवस्थित और पुरस्कृत करने के लिए नवीन विधियों को विकसित करने की आवश्यकता है।

अगले मोड़ तक इस परिवर्तन में, एचआर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होने के साथ व्यवसाय से अविच्छिन्न रूप से जुड़ गया है। सबसे महत्वपूर्ण इस तथ्य का स्पष्ट होना है कि एचआर केवल एचआर के लिए ही नहीं हो सकता है, बल्कि आज एचआर व्यवसाय के भविष्य का आधार भी बन चुका है।

आईआईएम राँची में पीजीडीएचआरएम की रूपरेखा का निर्माण इन्ही महत्वपूर्ण परिवर्तनों को ध्यान में रखकर किया गया है। इसे शिक्षा शास्त्र और पाठ्यक्रम पर माना जाता है जो अपने प्रतिभागियों को व्यापार ज्ञान के विस्तार और गहराई, एचआर मैनेजमेंट अवधारणाओं और जागरूकता में महारत, व्यापार के संदर्भ में एचआर लर्निंग (सीखने) और प्रथाओं के अनुप्रयोग की सराहना और समझ प्रदान करना चाहता है।

उद्देश्य

आईआईएम राँची में पीजीडीएचआरएम का उद्देश्य एचआर पेशेवरों का निर्माण करना है जो निम्नलिखित गुण-सामर्थ्य से युक्त होंगे:

1. संगठन के व्यवसाय और उसे आगे बढ़ाने वाले कारकों को बेहतर समझना
2. व्यवसाय और एचआर डिलिवरेबल्स (प्रदेय) के बीच संबंधों को समझना
3. संगठन में स्वीकृति, विश्वसनीयता और सम्मान के निर्माण में स्वयं की भूमिका को समझना
4. कर्मचारियों और उनकी मनःस्थिति को समझना ताकि उनकी आकांक्षाओं और संस्था की मांग के मध्य एक सम्बन्ध का निर्माण किया जा सके
5. अपनी संस्था में सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन प्रथाओं के निर्माण और कार्यान्वय का नेतृत्व करना या उसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाना, और
6. संस्थागत लक्ष्यों और उद्देश्यों के विकास और प्राप्ती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना कुल मिलाकर आईआईएम राँची का उद्देश्य वास्तविक, विश्वासपात्र और व्यवसाय के अनुकूल एचआर पेशेवर का निर्माण करना है, जिनमें कर्मचारियों और व्यवसाय दोनों को आगे बढ़ाने और उपलब्ध कराने की उचित क्षमता मौजूद हो।

अंतरिम पाठ्यक्रम संरचना

उपरोक्त सामर्थ्य-गुणों से युक्त एचआर पेशेवरों के विकास करने के लिए, कार्यक्रम में निम्नलिखित अंतरिम कोर्स के समूह को शामिल किया गया है। कोर्स में मुख्य कोर्स और चयनात्मक विषयों को शामिल किया गया है, जिसे 6 सत्र और एक अनिवार्य ग्रीष्म (समर) इंटर्नशिप में विभाजित किया गया है।

मुख्य पाठ्यक्रम के अंतरिम कोर्स की सूची नीचे दी गई है:

सत्र	विषय	क्रेडिट
भूमिका	मेथमेटिक्स फॉर मैनेजरस	एनसी
भूमिका	रूरल इम्मरशन	एनसी
भूमिका	आउटबाउंड प्रोग्राम	एनसी
1	इन्ट्रोडक्शन टु एच आर	1.5
1	इन्ट्रोडक्शन टु आइ आर	1.5
1	इन्ट्रोडक्शन टु बिजनेस लॉ	3
1	ओबी - इनडिविड्युल प्रोसेसेस एण्ड बिहेवियर	3
1	एकौटिंग फॉर एच आर	3
1	क्वांटिटेटिव टेक्निक्स	1.5
1	हिस्टोरिकल एंड फिलोसोफिकल फौन्डेशन्स ऑफ बिजनेस	3
1	इंडियन फिलोसफी एंड सोसाइटी-1:कल्चर	1.5
1	बिजनेस कम्युनिकेशन-1	1.5
1	आइ टी टुल्स फॉर मैनेजरस	1.5
		21
2	मैनेजिरियल इकनोमिक्स	3
2	अन्डरस्टेन्डिगं एंड इन्टरप्रिटिगं फिनानिश्यल स्टेटमेंट फॉर एच आर मैनेजरस	3
2	परफोर्मेंस मैनेजमेंट	3
2	कम्पेनसेशन एंड रिवार्ड्स मैनेजमेंट	3
2	बिजनेस कम्युनिकेशन – II	1.5
2	ओबी - II : ग्रूप डायनामिक्स एंड टीम बिल्डिंग	3
2	एम्प्लाई रिलेशंस - I : लेबर लॉ	3
2	बिजनेस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट	1.5
2	इन्डियन फिलोसफी एंड सोसाइटी - II : इन्नर डेवलपमेंट	1.5
		22.5

सत्र	विषय	क्रेडिट
3	कॉर्पोरेट फाइनेंस	3
3	ऑपरेशनस मैनेजमेंट फॉर एच आर	3
3	सोशल रिसर्च मेथड्स	3
3	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	3
3	एम्प्लाई रिलेशंस - II : सोशल लेजिस्लेशन लॉस	3
3	ओबी - III : ऑर्गनाइजेशनल डिजायन एंड चेंज	3
3	ह्यूमन रिसोर्स इनफार्मेशन सिस्टम	1.5
3	इन्डियन फिलोसोफी एंड सोसाइटी - III : एथिक्स एंड वैल्यूज	1.5
		21
सम्मरब्रेक	**सम्मर प्रोजेक्ट (उतीर्ण/अनुतीर्ण)**	**3**
4	ट्रैनिग एंड डेवलेपमेंट	3
4	रेक्रूटमेंट एंड सेलेक्शन	3
4	एलेक्टिव 1	3
4	एलेक्टिव 2	3
4	एलेक्टिव 3	3
4	एलेक्टिव 4	3
		15 से 18
5	डेवलेपिगं एंड एस्सेस्सिंग कॉम्पिटेन्सी एंड केरियर डेवलेपमेंट	3
5	ऑर्गनाइजेशन डेवलेपमेंट	3
5	एलेक्टिव 5	3
5	एलेक्टिव 6	3
5	एलेक्टिव 7	3
5	एलेक्टिव 8	3
		15 से 18
6	केसराइटिंग	3
6	लीडरशिप, इन्ल्फूएन्स एंड पॉलिटिक्स	1.5
6	एलेक्टिव 9	3
6	एलेक्टिव 10	3
6	एलेक्टिव 11	3
		10.5 से 13.5

फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट

एकेडमिक कोंसिल की बैठक के बाद, एक प्रस्ताव बोर्ड के 06 वें बीओजी बैठक में इसके अनुमोदन के लिए दिनांक 26/11/2011 को प्रस्तुत किया गया, जिसे बोर्ड ने स्वीकृत कर लिया।

परिचय

फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) आईआईएम राँची का डॉक्टरल कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बिजनेस स्कूल / विश्वविद्यालयों या प्रबंधन अनुसंधान संस्थानों में शिक्षण के क्षेत्र या अनुसंधान के क्षेत्र में, या सरकारी सेवाओं, एनजीओ या इसी प्रकार के कार्य के लिए किसी भी संस्था में जहाँ विशेष विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं की आवश्यकता होती है, उसके लिए श्रेष्ठ विद्वानों का विकास करना है। इसे प्राप्त करने के लिए, एफपीएम वैसे छात्रों के प्रवेश देने को प्रथिमकता देगा जिनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि मजबूत हो, जो बहुत अधिक उत्साहित हों और ओरिजिनल (मूल) अनुसंधान कार्य को संचालित करने की बौद्धिक जिज्ञासा से परिपूर्ण हों। ऐसे छात्रों को संस्था ज्ञान और अनुसंधान की योग्यता प्रदान कर उन्हें विद्यमान और उभर रहे विभिन्न प्रकार के प्रबंधन के क्षेत्रों के विशेषज्ञ अनुसंधानकर्त्ता के रूप में रूपांतरित करती है।

अपना डॉक्टरेट पूरा करने के लिए छात्र सामान्य रूप से चार वर्षों का समय लेते है, जिसमें दो वर्षों का पाठ्यक्रम के लिए कठिन परिश्रम शामिल है। पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष आईआईएमआर के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के समान ही है और इसका लक्ष्य प्रबंधन के क्षेत्र को व्यापक रूप से समझने वाले प्रतिभागी का निर्माण करना है। पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष में इस तथ्य पर जोर दिया जाता है कि छात्र के पास उसके क्षेत्र विशेष की गहरी समझ हो और वह अपने चयनित विषय (क्षेत्र) में गहरा अनुसंधान कार्य करने में सक्षम हो। दूसरे वर्ष की समाप्ति पर एरिया काम्प्रीहेंशन एक्जामिनेशन का उद्देश्य इस तथ्य की सफल जाँच करना है कि सम्बंधित छात्र/छात्रा अपने क्षेत्र विशेष की गहरी समझ विकसित करने में सफल हुआ है या नहीं। अगले वर्ष में, छात्र अपने डॉक्टरल शोध-निबंध पर कार्य करता है, जिसे प्रबंधन के क्षेत्र में मूल (ओरिजिनल) योगदान करने की अपेक्षा की जाती है।

कार्यक्रम में नामांकित छात्रों को पर्याप्त मात्रा में वित्तीय सहयोग प्रदान किया जाता है, जिसमें शिक्षा प्राप्त करने और रहने का व्यय शामिल है। संस्था में अत्याधुनिक पुस्तकालय, कम्प्यूटिंग और संकाय संसाधन उपलब्ध हैं। संस्था में कुछ छात्रों को प्रसिद्ध अन्तराष्ट्रीय संकायों के मार्गदर्शन में कार्य करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

छात्र निम्नलिखित क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए (जिसे नॉलेज डोमेन कहा जाता है) आवेदन कर सकते हैं:

- बिजनेस इकोनोमिक्स
- फाइनेंस
- ओबी एंड एचआरएम
- इनफार्मेशन सिस्टम्स
- मार्केटिंग
- ओएम एंड डिसीजन साइंसेज
- स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट
- पब्लिक पालिसी एंड गर्वनेन्स
- न्यूरो मैनेजमेंट
- बिजनेस एनालिटिक्स
- इन्डियन मैनेजमेंट

योग्यता

आईआईएम राँची द्वारा संचालित एफपीएम कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने के लिए एक उम्मीदवार के पास निम्नलिखित योग्यताएं होनी चाहिए:

- एआईसीटीई / एआईयू द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था से स्नातकोत्तर में डिग्री न्यूनतम 60% अंकों के साथ या समकक्ष ग्रेड बिंदु होनी चाहिए, साथ ही छात्र को उच्चतर माध्यमिक शिक्षा (10+2) पास करने के बाद, स्नातक की परीक्षा 50% अंकों के साथ उतीर्ण या समकक्ष ग्रेड पोइन्ट प्राप्त किया होना चाहिए। वैसे छात्र जिनके पास स्टेटिस्टिक्स, साइकोलॉजी, न्यूरो साइकोलॉजी, सोशियोलॉजी, लिंग्विस्टिक्स में एमए / एम.एससी. / एम.फिल की डिग्री हो, वे भी आवेदन कर सकते हैं, **या**
- उच्चतर, माध्यमिक शिक्षा (10+2) करने के बाद किसी भी बिषय में पंचवर्षीय एकीकृत मास्टर्स डिग्री कम से कम 60% अंकों के साथ किया हो वे भी आवेदन कर सकते हैं, **या**
- एक प्रोफेशनल क्वालिफिकेशन जैसे सीए, आईसीडब्ल्यूए, सीएस की परीक्षा न्यूनतम 60% अंकों से पास करने के बाद, **या**
- चार-वर्षीय 8 सेमेस्टर वाले स्नातक की डिग्री (बी.ई./बी.टेक./बी.आर्च.आदि) की परीक्षा में न्यूनतम 60% अंक या समकक्ष ग्रेड बिंदु प्राप्त करने के बाद प्रवेश लिया जा सकता है। वे छात्र, जो अपने कोर्स के अंतिम वर्ष की परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, वे भी आवेदन करने के पात्र हैं।

चयन

आईआईएम के सभी पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के छात्रों को छोड़कर, एफपीएम के लिए आवेदन कर रहे सभी उम्मीदवारों को कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) या कैट के स्थान पर कोई अन्य समकक्ष परीक्षा जैसे कि जीएमएटी/ जीएटीई में शामिल होना आवश्यक है। एनआरआई और विदेशी छात्रों के लिए यह जाँच परीक्षा, जिसे ग्रेजुएट मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट (जीएमएटी) है।

कैट या उसके स्थान पर अन्य समकक्ष परीक्षाओं में छात्रों के प्रदर्शन, शैक्षणिक पृष्ठभूमि, और अनुभव के आधार पर अंतिम रूप से चयनित करने के लिए उन्हें फरवरी-मई 2012 में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

आईआईएम और अन्य चयनित संस्थाओं के पीजीपी को उनके पीजीडीएम में शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर एफपीएम के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश देने पर विचार किया जाएगा। यह छूट प्रथम वर्ष के कोर्स के लिए पूर्ण छूट हो सकती है, या एफपीएम कमिटी के निर्णय के आलोक में यह कोर्स के लिए आंशिक छूट भी हो सकती है। इस सम्बन्ध में एफपीएम कमिटी का निर्णय अंतिम होगा।

मापदंड

एक संभावित एफपीएम उम्मीदवार, जो साक्षात्कार के लिए आमंत्रण पत्र प्राप्त करने का अभिलाषी है, उससे निम्नलिखित मानक जाँच परीक्षाओं में निम्न प्रकार से न्यूनतम स्कोर या प्रतिशत प्राप्त करने की अपेक्षा की जाती है।

आईआईएम के पीजीडीएम के छात्रों के अतिरिक्त अन्य सभी उम्मीदवारों को

सीएटी 2011	- आईआईएम द्वारा आयोजित
न्यूनतम कुल स्कोर का प्रतिशतक	- 85
जीएमएटी (2009 और इसके बाद का)	- जीएमएसी द्वारा आयोजित
न्यूनतम कुल स्कोर	- 600 (अधिकतम संभावित 800 के स्कोर पर)
जीएटीई (2010 और इसके के बाद का)	- आईआईटी - आईआईएस से द्वारा आयोजित
न्यूनतम कुल स्कोर	- 675 (अधिकतम संभावित 1000 के स्कोर पर)

आईआईएम से पीजीडीएम

पीजीडीएम के दौरान 4.00 (या 4.33) के स्केल या समतुल्य स्केल पर न्यूनतम 2.55 सीजीपीए

सुविधाएँ, छात्रवृत्ति और व्यय

आईआईएम राँची (आईआईएमआर) के पास पुस्तकालय, कम्प्यूटिंग और संकाय संसाधन की श्रेष्ठ सुविधा उपलब्ध है।

आईआईएमआर एक सम्पूर्ण छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जो रहने और अध्ययन के सभी व्यय को कवर करता है। फेलो कार्यक्रम में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान की जायेंगी :

- चार वर्षों के लिए वित्तीय सहायता। अतिविशिष्ट परिस्थितियों में यह सहयोग अतिरिक्त 6 माह के लिए बढ़ाया जा सकता है। लेकिन, वित्तीय सहयोग को एक वर्ष कम कर दिया जाएगा यदि उम्मीदवार सीधे प्रोग्राम के द्वितीय वर्ष में प्रवेश लेता है।
- ट्यूशन शुल्क में छूट
- कैम्पस में अविवाहित और विवाहित दोनों प्रकार के छात्रों के लिए किराया मुक्त आवासीय सुविधा
- प्रथम दो वर्षों के लिए 30,000 रूपये प्रति माह की दर से निर्वाह भत्ता।
- दूसरे वर्ष में कोम्प्रेहेंसिव परीक्षा में उतीर्ण होने के बाद, मासिक भत्ते को बाकी अवधि के लिए बढ़ाकर 35,000 रूपये प्रति माह कर दिया जायेगा।
- पुस्तकों और स्टेशनरी आदि के खरीद के लिए आकस्मिक भत्ता के रूप में 25,000 रूपये प्रतिवर्ष चार वर्षों तक प्रदान किया जायेगा।
- प्रथम वर्ष में कम्प्यूटर और अन्य सहायक सामग्री की खरीद के लिए 50,000 रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी।
- फेलो कार्यक्रम की सम्पूर्ण अवधि में चार राष्ट्रीय (डोमेस्टिक) और एक अन्तराष्ट्रीय सम्मेलनों में अनुसंधान पेपर प्रस्तुत करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी।
- टीए/आरए के रूप में 1 सत्र के अनिवार्य कार्य के लिए

एफपीएम के प्रतिभागियों को सभी उपयोग की जाने वाली सामग्रियों, जिसमें स्टेशनरी, हॉस्टल में उपयोग करने वाले सामग्रियों का शुल्क, रहने का किराया आदि शामिल है, उसका भुगतान करना होगा।

बेयरफुट मेनेजर प्रोग्राम

जिस क्षेत्र में हम अपनी संस्था का संचालन करते हैं, उसके विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपनी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी को पहचानते हुए, आईआईएम राँची एक महत्वकांक्षी और नवीन सामाजिक परियोजना "दि बेयरफुट मेनेजर प्रोग्राम" शुरू करने जा रहा है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य कम शिक्षित और कम-आय वाले लोगों के बीच शैक्षणिक कार्यक्रमों और आधुनिक मल्टीमीडिया साधनों के माध्यम से बाजारवाद और उद्यमी साक्षरता को प्रोत्साहित करना है, ताकि यह उनके जीविकोपार्जन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करे और इस प्रक्रिया के द्वारा उन्हें निर्धनता के दुश्चक्र से बाहर निकलने में सहायता करे। यह कार्यक्रम ग्रामीण निर्धनों की कमियों (न्यूनतम साक्षरता, कम-आय) और शक्तियों (सामाजिक कौशलों) दोनों को ध्यान में रखते हुए अपने कार्यक्रम का निर्धारण करेगा।

झारखण्ड सरकार के सहयोग से आईआईएम राँची का उद्देश्य इस कार्यक्रम को झारखण्ड राज्य के गांवों और कस्बों तक पहुँचाना है, और इसे विविध तरीकों से आगे बढ़ाना है, जिसमें प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने से लेकर स्व-शासित वीडियो पर आधारित शिक्षा का निर्माण करना शामिल है। निर्मित वीडियो और सहयोग सामग्रियों जैसे चित्रयुक्त हैण्डआउट्स और इस उद्देश्य के लिए तैयार की गई वस्तुओं का समन्वय सामुदायिक केन्द्रों पर समन्वयकों के द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम को जुलाई 2012 से आरम्भ किये जाने की योजना है।

प्रवेश

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) : 2011-13

सांख्यिकी

अंतिम रूप से नामांकन के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया का आयोजन आईआईएम राँची ने अन्य नए आईआईएम (राँची, रोहतक, रायपुर, त्रिची, काशीपुर, उदयपुर) के सहयोग से पांच विभिन्न केन्द्रों पर किया। दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, बंगलौर और राँची के केन्द्रों पर प्रतिभागियों ने साक्षात्कार में बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

वर्ष 2011-13 के पीजीडीएम बैच के लिए, लगभग 1,62,519 प्रतिभागियों ने आवेदन किया था, जिसमें से कुल 1422 छात्रों को साक्षात्कार के लिए सूचीबद्ध किया गया। संयोग से सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए सीएटी का कटऑफ 99.61 प्रतिशत था, जो सभी आईआईएम में सर्वाधिक था। आखिकार, कुल 68 छात्रों ने संस्था में प्रवेश लिया।

(1) शार्टलिस्ट करने के उद्देश्य से निम्नलिखित सम्पूर्ण "कट ऑफ स्कोर तालिका" को लागू किया गया थाः

Category	Quantitative Ability		Data Interpretation & LR		Verbal Ability		Aggregate		SSC	HSC
	Score	Percentile	Score	Percentile	Score	Percentile	Score	Percentile		
Open	62	80.42	58	77.31	56	75.70	283	99.61	60%	60%
OBC-NC	53	71.14	52	70.26	52	70.96	223	95.00	60%	60%
SC	47	64.00	47	53.69	47	64.31	183	85.29	50%	50%
ST	42	57.54	43	57.70	43	58.18	147	70.19	50%	50%
DA	43	58.94	44	59.33	41	55.48	158	75.44	55%	55%

(2) सामान्य श्रेणी और एनसी-ओबीसी श्रेणी के उम्मीदवार, जिन्होंने या तो 10वीं या 12वीं या दोनों की परीक्षा में 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त किया उन्हें साक्षात्कार के लिए शार्टलिस्ट नहीं किया गया, इसके बावजूद कि उन्होंने सम्बंधित सीएटी कटऑफ अंक प्राप्त किया था।

(3) एससी और एसटी श्रेणी के उम्मीदवार, जिन्होंने या तो 10वीं या 12वीं या दोनों की परीक्षा में 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त किया उन्हें साक्षात्कार के लिए शार्टलिस्ट नहीं किया गया, इसके बावजूद कि उन्होंने सम्बंधित सीएटी कटऑफ अंक प्राप्त किया था।

(4) पीडब्ल्यूडी श्रेणी के उम्मीदवार, जिन्होंने या तो 10वीं या 12वीं या दोनों की परीक्षा में 55% से कम अंक प्राप्त किया उन्हें साक्षात्कार के लिए शार्टलिस्ट नहीं किया गया, इसके बावजूद कि उन्होंने सम्बंधित सीएटी कटऑफ अंक प्राप्त किया था।

(5) कोई भी उम्मीदवार जो सीएटी 2010 में 99.9 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करता है, तो उसे शार्टलिस्ट किया जायेगा, चाहे वह सीएटी चयन के लिए आवश्यक अनुभागीय स्कोर या 10वीं या 12वीं प्राप्त करने में असफल रहता है।

(6) कोई भी उम्मीदवार जो सीएटी 2010 के किसी भी खंड में 100 प्रतिशत या कुल मिलाकर 99.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करता है, तो उसे शार्टलिस्ट किया जायेगा, चाहे वह सीएटी चयन के लिए आवश्यक अनुभागीय स्कोर प्राप्त करने में असफल रहता है।

प्रवेश के सम्बन्ध में सूचना

श्रेणी	साक्षात्कार के लिए शार्टलिस्ट किये गए उम्मीदवारों की संख्या	साक्षात्कार में शामिल हुए उम्मीदवारों की संख्या	दिए गए ऑफर की संख्या	स्वीकृत संख्या	ज्वाइन करने वालों की संख्या	वापस जाने वालों की संख्या	दिनांक 10-07-2011 को अध्ययन कर रहे छात्रों की संख्या
सामान्य	609	358	297	64	39	25	39
एनसी-ओबीसी	400	270	270	35	17	18	17
एससी	255	157	157	20	11	09	11
एसटी	107	47	47	02	00	02	00
पीडब्ल्यूडी	51	33	33	02	01	01	01
कुल	1422	865	804	123	68	55	68

2011-13 बैच

शामिल हुए छात्रों की संख्या	68	छोड़ने वाले छात्रों की संख्या	2

उम्मीदवारों के डोमेन के अनुसार आंकड़े

		उम्मीदवारों की संख्या		
क्रं. सं.	डोमेन	पुरूष	महिला	कुल
1	कृषि	1	0	1
2	कॉमर्स - इकोनॉमिक्स (अर्थशास्त्र) एकाउंटेंसी, ऑडिटिंग, बिजनेस मैथमेटिक्स, बिजनेस आर्गेनाईजेशन, इकोनॉमिक्स, इकनोमिक डेवलपमेंट एंड प्लानिंग, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, पब्लिक फाइनेंस (वित्त), सेक्रेटेरियल प्रैक्टिसेज, आदि	0	0	0
3	बी.ई./बी.टेक	61	0	61
4	प्रबंधन			
	व्यवसाय प्रशासन, व्यवसाय प्रबंधन, व्यवसाय अध्ययन, प्रबंधन अध्ययन (बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनस स्टडीज, मैनेजमेंट स्टडीज)	2	0	2
5	मेडिसीन/डेंटिस्ट्री	1	0	1
6	फार्माकोलॉजी/फार्मेसी	1	0	1
7	विज्ञानः रसायनशास्त्र/भौतिकी/गणित/सांख्यिकी	2	0	2
कुल		68	0	68
			इंजिनियर	61
			नॉन- इंजिनियर	7

बैच के महत्वपूर्ण तथ्य

राज्य/केन्द्रशासित प्रदेशों के अनुसार उम्मीदवारों के आंकडें

क्रं सं	राज्य	उम्मीदवारों की संख्या			जोन
		पुरूष	महिलाएं	कुल	
1	आंध्र प्रदेश	6		6	द
2	अरूणाचल प्रदेश	0		0	द
3	असम	1		1	पू
4	बिहार	1		1	पू
5	छत्तीसगढ़	3		3	सी
6	गोवा	0		0	प
7	गुजरात	1		1	प
8	हरियाणा	5		5	उ
9	हिमाचल प्रदेश	1		1	उ
10	जम्मू और कश्मीर	0		0	उ
11	झारखण्ड	6		6	पू
12	कर्नाटक	6		6	द
13	केरल	1		1	द
14	मध्य प्रदेश	4		4	C
15	महाराष्ट्र	7		7	प
16	मणिपुर	0		0	पू
17	मेघालय	0		0	पू
18	मिजोरम	0		0	iw
19	नागालैंड	0		0	पू
20	ओड़िसा	1		1	पू
21	पंजाब	2		2	उ
22	राजस्थान	2		2	प
23	सिक्किम	0		0	पू
24	तमिलनाडु	4		4	द
25	त्रिपुरा	0		0	पू
26	उत्तर प्रदेश	7		7	पू
27	उत्तराखंड	2		2	उ
28	पश्चिम बंगाल	5		5	पू

बैच के महत्वपूर्ण तथ्य

राज्य/केन्द्रशासित प्रदेशों के अनुसार उम्मीदवारों के आंकडें					
क्रं सं	राज्य	उम्मीदवारों की संख्या			जोन
		पुरूष	महिलाएं	कुल	
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	0		0	पू
2	चंडीगढ़	0		0	उ
3	दादर और नागर हवेली	0		0	प
4	दमन और दियू	0		0	प
5	लक्षद्वीप	0		0	प
6	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र	3		3	उ
7	पुडुचेरी	0		0	द
		68	0	68	

झारखण्ड अन्य	6 62	प्रतिशत	
पूर्वी जोन	14	20.59	21%
केन्द्रीय जोन	7	10.29	10%
पश्चिमी जोन	10	14.71	15%
उत्तरी जोन	20	29.41	29%
दक्षिणी जोन	17	25.00	25%

उम्मीदवारों की संख्या माह

क्रं सं	अवधि	उम्मीदवारों की संख्या
1	> 6 माह	35
2	6-12 माह	6
3	13-24 माह	12
4	25-36 माह	10
5	37-48 माह	3
6	49-60 माह	0
7	> 60 माह	2

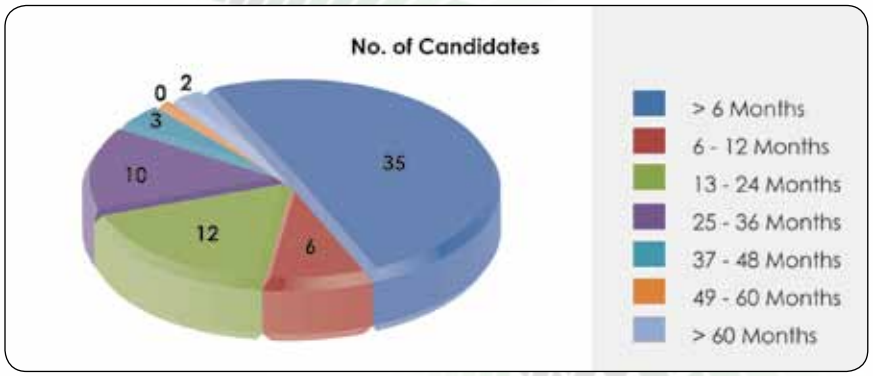

औसत सीएटी स्कोरः	
जीएन	99.75
एनसीओबीसी	96.55
एससी	89.20
पीडब्ल्यूडी	78.48

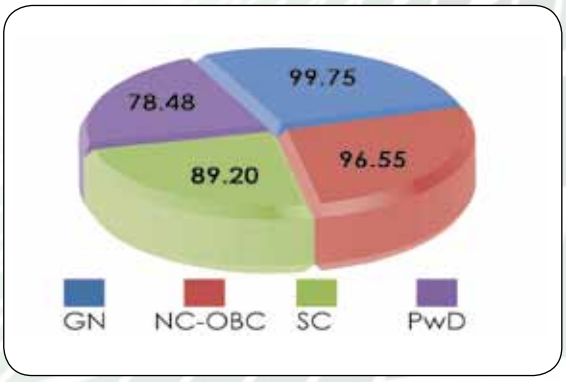

शुल्क संरचना

क्र.सं.	विवरण	1ला सत्र	2रा सत्र	3रा सत्र	कुल (रूपये)
1	ट्यूशन शुल्क	99,000.00	99,000.00	99,000.00	297,000.00
2	अध्ययन सामग्री	24,000.00	24,000.00	24,000.00	72,000.00
3	कंप्यूटर शुल्क	13,000.00	13,000.00	13,000.00	39,000.00
4	पुस्तकालय शुल्क	8,000.00	8,000.00	8,000.00	24,000.00
5	कमरे का किराया	6,000.00	6,000.00	6,000.00	18,000.00
6	जमानत की राशि*	10,000.00	.	.	10,000.00
7	मेस के लिए जमानत राशि	10,000.00	-	-	10,000.00
	कुल	**170,000.00**	**150,000.00**	**150,000.00**	**470,000.00**
	बिना जमानत राशि के				**450,000.00**
	*वापसी योग्य				

क्र.सं.	विवरण	4था सत्र	5वां सत्र	6ठा सत्र	कुल (रूपये)
1	ट्यूशन शुल्क	99,000.00	99,000.00	99,000.00	297,000.00
2	अध्ययन सामग्री	24,000.00	24,000.00	24,000.00	72,000.00
3	कंप्यूटर शुल्क	13,000.00	13,000.00	13,000.00	39,000.00
4	पुस्तकालय शुल्क	8,000.00	8,000.00	8,000.00	24,000.00
5	कमरे का किराया	6,000.00	6,000.00	6,000-00	18,000-00
	कुल	**150,000.00**	**150,000.00**	**150,000.00**	**450,000.00**
	बिना जमानत राशि के				**450,000.00**

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट फॉर एग्जीक्यूटिवस (पीजीईएक्सपी)

एसीएम में मंजूरी मिलने के बाद, एक प्रस्ताव बोर्ड के समक्ष उसकी स्वीकृति के लिए पेश किया गया और दिनांक जुलाई 2011 को आयोजित चौथी BoG मीटिंग में बोर्ड ने इसे स्वीकृति प्रदान की।

एक 18-महीने की अवधि का पोस्टग्रेजुएट एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम (पीजीईएक्सपी) का आरम्भ 29 अक्टूबर 2011 को किया गया। इस कार्यक्रम को कार्यरत एग्जीक्यूटिव और इंटरप्रेन्योरस को लक्ष्य करके शुरू किया गया है, जिन्हें औपचारिक प्रबंधन शिक्षा के माध्यम से आधुनिक प्रबंधकीय कौशलों, उपकरणों, और तकनीकों को सीखने का अवसर प्राप्त नहीं हो सका था।

इस कार्यक्रम को दो वर्षीय पूर्णकालिक पीजीडीएम से पृथक करने के लिए, इस कोर्स में प्रवेश केवल उन उम्मीदवारों तक सीमित कर दिया गया, जिनके पास न्यूनतम 7 वर्षों का कार्यानुभव हो। राँची के अतिरिक्त, नजदीकी स्थानों जैसे जमशेदपुर, हजारीबाग, बोकारो, धनबाद से उम्मीदवार दिनांक 17 सितम्बर 2011 को आयोजित प्रवेश परीक्षा में भाग लेने पहुँचे।

प्राप्त आवेदनों की संख्या : 152
प्रवेश परीक्षा के लिए चयनित छात्रों की संख्या : 146
प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों की संख्या : 144

प्रवेश परीक्षा के लिए प्रश्नों का चयन आईआईएम राँची के विशेषज्ञ संकायों के द्वारा किया गया था, इसमें लिखित विश्लेषण, मात्रात्मक पद्धतियाँ और दिए गए विषयों में से एक पर मौखिक योग्यता शामिल थी। 50% वेटेज प्रवेश परीक्षा में प्राप्तांक को और शेष 50% वेटेज साक्षात्कार में प्रदर्शन को दिया गया। साक्षात्कार का आयोजन दिनांक 27 - 28 सितम्बर 2011 को आईआईएम राँची के सूचना भवन के प्रांगण में किया गया। साक्षात्कार समिति में आईआईएम राँची के संकाय और एक्सएलआरआई के संकाय शामिल थे। 27 सितम्बर 2011 से शुरू कर पहले और दूसरे दिन क्रमशः 58 और 59 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया गया।

साक्षात्कार के लिए चयनित और उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की संख्या : 117
नामांकन के लिए चयनित उम्मीदवारों की संख्या : 60

उषा मार्टिन, टाटा स्टील, मेकॉन एवम् सीसीएल के अधिकारी भी उम्मीदवारों की सूची में शामिल थे, जिन्होंने साक्षात्कार का सामना किया। साक्षात्कार के परिणाम का प्रकाशन दिनांक 30 सितम्बर 2011 को किया गया। पूर्व में आईआईएम राँची ने 40 सीटों की व्यवस्था की थी, परन्तु प्रोग्राम के लिए प्राप्त हुए आवेदकों की संख्या को देखते हुए, शासी बोर्ड के सलाह से सीटों की संख्या को बढ़ाकर 60 कर दिया गया, तदनुसार सफल उम्मीदवारों को ऑफर लेटर (आमंत्रण पत्र) भेजा गया।

शुल्कः 18 *माह के प्रोग्राम का कुल शुल्क* 4.5 *लाख रुपये है।*

2011-13 बैच

शामिन होने वाले छात्रों की संख्या	60	छोड़ने वाले छात्रों की संख्या	1

बैच की विशेषताएं

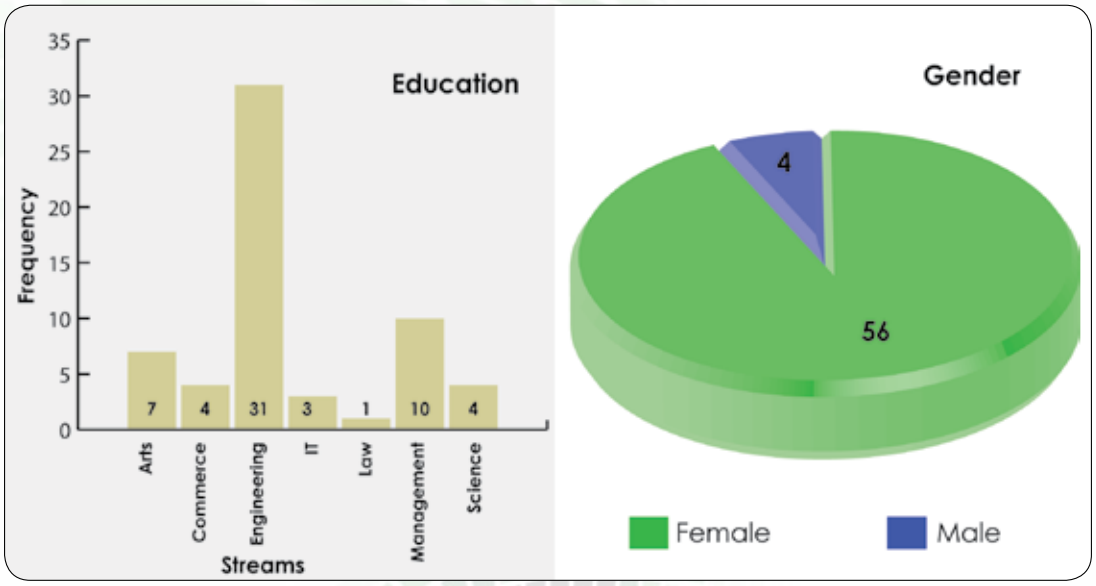
Education
Frequency
35
30
25
20
15
10
5
0
7
4
31
3
1
10
4
Arts
Commerce
Engineering
IT
Law
Management
Science
Streams
Gender
4
56
Female
Male

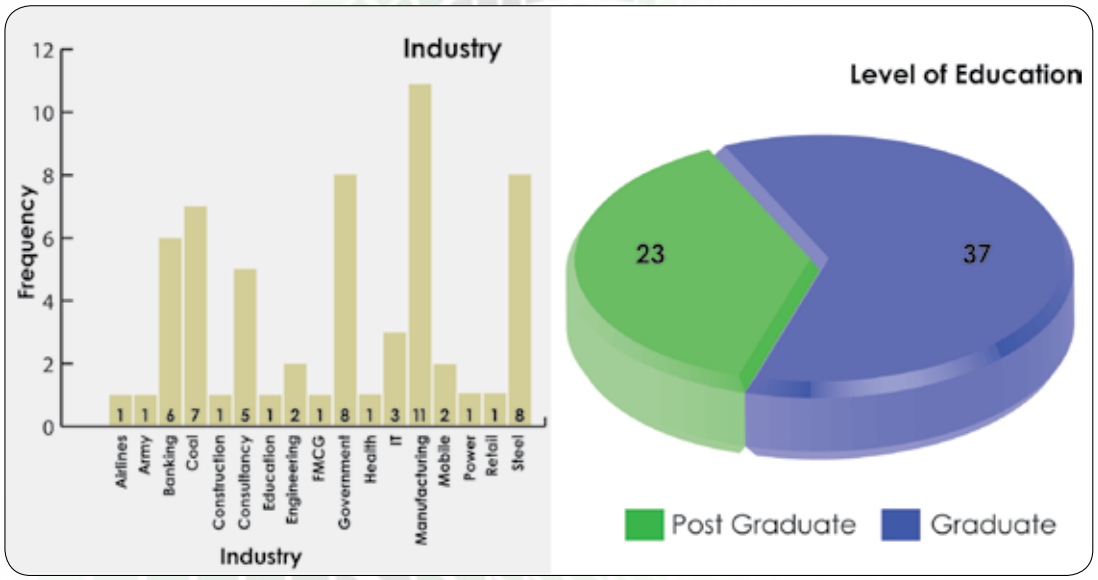
Industry
Frequency
12
10
8
6
4
2
0
1 1 6 7 1 5 1 2 1 8 1 3 11 2 1 1 8
Airlines
Army
Banking
Coal
Construction
Consultancy
Education
Engineering
FMCG
Government
Health
IT
Manufacturing
Mobile
Power
Retail
Steel
Industry
Level of Education
23
37
Post Graduate
Graduate

PGEXP group photo

उद्घाटन समारोह

पीजीडीएम बैच 2011-13

जब आईआईएम राँची की स्थापना नये संस्था के रूप में की गई थी, ठीक इसके एक वर्ष बाद दिनांक 6 जुलाई 2011 को 68 छात्रों को अपने परिवार में शामिल किया। आईआईएम राँची के द्वितीय बैच के ये सभी 68 छात्र वर्ष 2013 में पास करेगें। संस्था में प्रथम बैच को औपचारिक रूप से प्रसिद्ध हस्तियों जैसे श्री एस के चौधरी, झारखण्ड सरकार के मुख्य सचिव, श्री आर सी भार्गव, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष और श्रीमती मृदुला सिन्हा, झारखण्ड सरकार के मानव संसाधन विभाग (एचआरडी) के सचिव की उपस्थिति में संस्था में शामिल किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ शुभदीप प्रज्ज्वलित करने के साथ ऑल इण्डिया रेडियो के कलाकारों के द्वारा मन-प्राण को आनन्दित करने वाली सरस्वती मन्त्र के उच्चारण के साथ हुआ। नया बैच, जिसका माध्य प्रतिशत 99.64 है, और जो आने वाले वर्षों में संस्था के ध्वजवाहक बनेंगे, उन्हें सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री एस सी चौधरी ने संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले आईआईएम राँची के लिए अपने सपनों के बारे में बताया और फिर उसका एकीकरण झारखण्ड के स्वप्नों के साथ किया। उन्होंने अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया और साथ ही छात्रों से अनुरोध किया कि वे सामाजिक रूप से जागरूक बनें और अपनी विशेषज्ञता का उपयोग राज्य और देश के विभिन्न समस्याओं को सुलझाने के लिए करें।

फिर सुन्दर परिधान से सजे हुए रोमांचित छात्रों को श्री आर सी भार्गव ने संबोधित किया। श्री भार्गव ने उद्योग जगत के अपने अनुभवों को छात्रों के समक्ष रखते हुए उन्हें प्रबंधन और व्यावसायिक जगत की अंतर्दृष्टि प्रदान की। उन्होंने पेशेवर जीवन में नेटवर्किंग और नेतृत्व के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला। श्रीमती मृदुला सिन्हा ने अपने भाषण में सॉफ्ट स्किल्स के विकास पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, सॉफ्ट स्किल्स का विकास करना वर्तमान समय की माँग है। उन्होंने छात्रों से अनुरोध किया कि वे आने वाले शैक्षणिक जीवन में अपने ज्ञान और स्व-विकास पर निवेश करें।

उसके बाद आईआईएम राँची के निदेशक डॉ. एम. जे. जेवियर ने संस्था के विकास की योजना प्रस्तुत की। उन्होंने छात्रों से सामाजिक रूप से जिम्मेदार और विनम्र बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र को एक एमबीए ग्रेजुएट बनने की अपेक्षा एक बेहतर इन्सान बनना चाहिए। आईआईएम राँची टास्क फोर्स के अधिकारियों की उपस्थिति में, जिन्होंने इस संस्था को संकल्पना से वास्तविकता में बदलते हुए देखा है, डॉ. जेवियर ने जोर देकर कहा कि आईआईएम राँची छात्रों को एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म प्रदान करेगा, ताकि वे सक्रिय रूप से सीखते हुए अपनी क्षमताओं और योग्यताओं को निखारते हुए, अपने व्यक्तित्व का विकास कर सके। श्री मुकुंद नायक के निर्देशन में प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद, कार्यक्रम की समाप्ति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। अब छात्र अगले दो वर्षों की अपनी यात्रा के लिए तैयार थे और एक ऐसे सशक्त बंधन का निर्माण करने की ओर अग्रसर थे जो जीवनपर्यन्त बना रहेगा।

पीजीडीएम बैच 2011-13

पीजीईएक्सपी : बैच 2011-13

शनिवार, दिनांक 29 अक्टूबर 2011 को कार्यरत अधिकारियों के लिए पीजीईएक्सपी का शुभारम्भ एक उद्घाटन समारोह में किया गया। समारोह का आरम्भ श्री मानस बनर्जी, जीएम (प्रशासन) के लिए पीए, के द्वारा एक श्लोक के उच्चारण और श्री श्रीराघव किरण मुक्कू के द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। श्री मुक्कू पीजीडीएम 2011-13 बैच के छात्र हैं।

इस समारोह का आयोजन एसएआईएल ऑडिटोरियम में किया गया और इसमें शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

आईआईएम राँची के निदेशक प्रोफेसर एम जे जेवियर ने पीजीईएक्सपी के पहले बैच का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने कहा, ''सम्पूर्ण कार्यक्रम का निर्माण तार्किक सोच को विकसित कर समस्या को सुलझाने और वस्तुनिष्ठ प्रबंधकीय निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने के उद्देश्य से किया गया है।'' उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को सम्पूर्ण देश में प्रशंसा मिली है और हमें दुबई और मलेशिया से इस सम्बन्ध में विशेष जानकारी प्रदान करने के लिए अनुरोध पत्र प्राप्त हुआ है।

माननीय मुख्य अतिथि श्री जी के पिल्लई, अध्यक्ष-एंवम-प्रबंध निदेशक हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन, ने 18-माह के कोर्स का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य निजी और सार्वजानिक क्षेत्र के पेशेवरों के प्रबंधकीय और नेतृत्व के गुणों का विकास करना है। श्री पिल्लई ने कहा कि यह कोर्स पेशेवरों को प्रबंधन और महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति एक सम्पूर्ण समझ को विकसित करने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि प्रवेश लेने वाले यहाँ की पठन-सामग्री कहीं अन्यत्र भी प्राप्त कर सकते है, परन्तु आईआईएम राँची की विशेष योग्यता इसके शिक्षण की गुणवत्ता में छिपी है।

प्रोफेसर बिनोद कुमार, अध्यक्ष और मुख्य संरक्षक, बी के सेंटर फॉर लिविंग इन हार्मोनी प्राइवेट लि. और सेवानिवृत्त प्रोफेसर और अध्यक्ष, बिहैविरिअल साइंस ग्रूप, आईआईएम कलकत्ता, ने नेतृत्व और संस्थागत व्यवहार पर महत्वपूर्ण भाषण दिया। अपने भाषण में प्रोफेसर बिनोद कुमार ने कार्यक्रम में नामांकन लिए अधिकारियों के साथ अपने अनुभवों को भी साझा किया। उन्होंने छात्रों से एक अच्छा इंसान बनने की अपील की।

प्रोफेसर सुबीर वर्मा, डीन, आईआईएम राँची ने छात्रों को संबोधित किया और संक्षेप में कोर्स के महत्व का वर्णन किया। उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन भी किया।

सुश्री सुदेष्णा गांगुली, बॉलीवुड की एक प्रसिद्ध पार्श्वगायिका ने दर्शकों को अपने क्लासिकल गीतों और गजलों से आनन्दित किया।

इससे पहले कि दिनांक 12 नवम्बर 2011 को कक्षायें शुरू हो, प्रोफेसर बिनोद कुमार ने रविवार, दिनांक 30 अक्टूबर 2011 को 'बेसिक मेनेजिरियल स्किलस' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

पीजीईएक्सपी बैच 2011-13

एकेडमिक कार्यक्रम

पीजीडीएम पाठ्यक्रम

आईआईएम की सफलता का श्रेय व्यवसाय और उद्योग की बदलती जरूरतों के अनुकूल अपने पाठ्यक्रम को परिवर्तित करने की क्षमता को दिया जा सकता है। विगत वर्ष में हमने पीजीडीएम कोर्स में अनेकों महत्वपूर्ण परिवर्तनों को देखा है। जब सन् 80 के दशक में, जापान अपनी आर्थिक विकास की गाथा को उद्घाटित कर रहा था, तब हमने जापानी प्रबंधन पर अनेक कोर्स शुरू किया। सन् 90 के दशक में महत्वपूर्ण बड़े बदलाव देखने को मिले, जब वैश्वीकरण के ताकतों ने देश में तेजी से अपने प्रभाव का विस्तार किया। हमने प्रतिस्पर्द्धा और वैश्वीकरण पर अधिकाधिक कोर्स शुरू किया और पश्चिम के केस स्टडीज को शामिल किया ताकि वैश्विक कारपोरेशन को प्रबंधित करने में समर्थ ग्रेजुएट का निर्माण किया जा सके। विगत 20 वर्षों में परिवर्तनों को आत्मसात करते-करते हमारा पाठ्यक्रम यूएस के श्रेष्ठ बिजनेस स्कूल का पर्याय बन चुका है।

वर्तमान में पश्चिमी विद्वान उन उपकरणों (सिद्धांतों और संकल्पनाओं) को फिर से नवीन आकार देने में व्यस्त है, क्योंकि उन्होंने वर्तमान आर्थिक संकट के लिए बहुत हद तक जिम्मेदार एमबीए प्रतिभागियों का निर्माण किया, जिन्होंने केवल शेयर धारकों के हितों के संरक्षण पर ध्यान दिया और अधिक जोखिम युक्त योजनाओं के क्रियान्वयन पर अपना सम्पूर्ण ध्यान केन्द्रित किया, इसके बजाय उन्हें दीर्घकालीन कार्यक्रमों और शेयर धारकों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करना चाहिए था। यह बात अब पूर्ण रूप से स्पष्ट हो चुकी है कि केवल दीर्घकालीन विकास या नैतिकता पर कुछ पाठ्यक्रम शुरू करने भर से नेतृत्व, अभिशासन और विश्वास की कमी से सम्बंधित समस्याओं को हल नहीं किया जा सकता है। आईआईएम राँची के पाठ्यक्रम को निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखकर डिजायन किया गया है :

- जबकि कठिन तत्व (विश्लेषणात्मक उपकरण) सार्वभौमिक रूप से लागू हो सकता है, तब आसान तत्वों (मूल्यों, मानसिकता आदि) को विशिष्ट संस्कृति से जुड़ा होना चाहिए।
- एक प्रबंधक को उन स्थितियों की व्यापक समझ होनी चाहिए, जहाँ उसका व्यवसाय संचालित हो रहा है।
- पूर्व में शक्ति के स्थानांतरण के साथ, विशेष रूप से भारत और चीन की ओर, हमारे पास महत्वपूर्ण अवसर हैं कि हम ऐसे मॉडल का विकास करें जिसका सार्वभौमिक महत्त्व हो।
- विवेकशील नेतृत्व प्राप्त करने के लिए, समग्र विकास और वैज्ञानिक संलयन के संस्थान के दर्शन के साथ पाठ्यक्रम को संरेखित करें।

1 लें वर्ष का कोर्स (पीजीडीएम 2011-13 बैच)

पहला सत्र

क्रं सं	सत्र	कोर्स	क्रेडिट्स
1	I	फाइनेंश्यिल रिपोर्टिंग एंड एनालिसिस	3.0
2	I	इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी फॉर बिजनेस	3.0
3	I	लीगल एंड सोशल एस्पेक्टस ऑफ बिजनेस	3.0
4	I	माइक्रो इकनोमिक एनालिसिस फॉर बिजनेस डिसीसन	3.0
5	I	आर्गेनाईजेशनल बिहेवियर	1.5
6	I	स्टेटिस्टिक्स फॉर बिजनेस	3.0

दुसरा सत्र

क्रं सं	सत्र	कोर्स	क्रेडिट्स
1	II	बिजनेस कम्युनिकेशन-I	1.5
2	II	बिजनेस इथिक्स एंड वैल्यूज	1.5
3	II	कॉस्ट मैनेजमेंट	1.5
4	II	डिसीशन एनालिसिस एंड ऑपरेशनस रिसर्च	3.0
5	II	माइक्रो इकनोमिक एनालिसिस फॉर बिजनेस डिसीशन	3.0
6	II	मार्केटिंग मैनेजमेंट	3.0
7	II	आर्गेनाईजेशनल थ्योरी	1.5

तीसरा सत्र

Sl	Term	Courses	Credits
1	III	बिजनेस कम्युनिकेशन-II	1.5
2	III	कॉर्पोरेट फाइनेंस	3.0
3	III	एन्ट्रप्रेन्युरशिप	1.5
4	III	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट	1.5
5	III	इण्डिया एडं वर्ल्ड इकॉनमी	1.5
6	III	मैन्युफैक्चरिंग एंड सर्विस ऑपरेशनस मैनेजमेंट	3.0
7	III	मार्केट रिसर्च	1.5
8	III	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	3.0
	इंटर्नशिप	प्रोजेक्ट	3.0

2रे वर्ष का कोर्स (पीजीडीएम 2010-12 बैच)

दूसरे वर्ष के लिए ऐच्छिक / वैकल्पिक कोर्स

कोर्स	क्रेडिट्स
बिजनेस एनालिटिक्स	
बिजनेस एनालिटिक्स	3.0
जनरल मैनेजमेंट	
बिजनेस एंड गवर्नमेंट	
बिजनेस एंड नेगोशियेशन	
कैपस्टोन बिजनेस सिमुलेशन	3.0
डूइंग बिजनेस इन चाइना	3.0
इन्डियन कल्चर	3.0

कोर्स	क्रेडिट्स
फाइनेंस	
बैंक एंड इन्शुरेन्स मैनेजमेंट	3.0
बिहेवियरल फाइनेंस	1.5
बिजनेस वैल्यूएशन	3.0
कॉर्पोरेट टैक्सेशन	3.0
फाइनेंशियल मॉडलिंग युजिंग एक्सेल	3.0
फाइनेंशियल रिस्क मैनेजमेंट	3.0
फिक्स्ड इनकम मार्केट	3.0
इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग	1.5
इन्वेस्टमेंट एनालिसिस एंड पोर्टफोलियो मैनेजमेंट	3.0
मर्जरस एंड एक्वीजीशनस	3.0
ऑप्शनस एंड फ्यूचरस (डेरिवेटिव्स)	3.0
ट्रेडिंग स्ट्रेटजीस	1.5
वेंचर कैपिटल एंड प्राइवेट इक्विटी	1.5

2रे वर्ष का कोर्स (पीजीडीएम 2010-12 बैच)

दूसरे वर्ष के लिए ऐच्छिक / वैकल्पिक कोर्स

कोर्स	क्रेडिट्स
मार्केटिंग	
ब्रांड मैनेजमेंट	3.0
बिजनेस टु बिजनस मार्केटिंग	3.0
कंज्यूमर बिहेवियर	3.0
कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट	3.0
इंटीग्रेटेड मार्केटिंग कम्युनिकेशन	3.0
इंटरनेशनल मार्केटिंग	3.0
न्यू प्रोडक्ट डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट	3.0
रिटैल मैनेजमेंट	3.0
रूरल मार्केटिंग	1.5
सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन	3.0
सर्विसेस मार्केटिंग	3.0

कोर्स	क्रेडिट्स
आईटी ऑपरेशनस	
डिमांड एंड बिजनेस फोरकास्टिंग	3.0
लोजिस्टिक्स एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट	3.0
प्रोसेस एक्सलेंस एंड क्वालिटी मैनेजमेंट	3.0
प्रोजेक्ट मैनेजमेंट	3.0
स्ट्रटेजी	
केस राइटिंग	3.0
कॉर्पोरेट इनफार्मेशन स्ट्रेटेजी एंड मैनेजमेंट	3.0
इकोनॉमिक्स ऑफ स्ट्रटेजी	1.5

पीजीईएक्सपी पाठ्यक्रम

पीजीईएक्सपी को 6 सत्रों में विभाजित किया गया है, जिसमें से प्रत्येक सत्र की अवधि 3 माह है। प्रथम तीन सत्र प्रतिभागियों को फाउंडेशन कोर्स से परिचित कराता है और उन्हें कार्यकारी कौशल भी प्रदान करता है। चौथा और पांचवां सत्र चयनित कोर्स को समर्पित है। छठा सत्र परियोजना कार्य को समर्पित किया गया है।

प्रत्येक कोर्स में 20 घंटों की कक्षा और 9 घन्टे स्व-अध्ययन को आबंटित किया गया है। प्रत्येक दूसरे सप्ताह, 14 घंटों के लिए कक्षाओं का आयोजन किया गया है। तीन महीनों में, 84 से अधिक कक्षा के घंटों को प्राप्त करेंगे। पीजीईएक्सपी के लिए चयनित कोर्स का निर्धारण प्रवेश पाये हुए छात्र की पृष्ठभूमि को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

1ले वर्ष का कोर्स (पीजीईएकसपी 2011-13 बैच)

पहला सत्र

क्रं सं	सत्र	कोर्स	क्रेडिट्स
1	I	इकोनॉमिक्स फॉर मैनेजरस	3.0
2	I	प्रिंसिपल्स ऑफ मैनेजमेंट	3.0
3	I	फाइनेंश्यिल रिपोर्टिंग एंड कण्ट्रोल	3.0
4	I	क्वांटिटेटिव मेथड्स ऑफ बिजनेस	3.0

दुसरा सत्र

क्रं सं	सत्र	कोर्स	क्रेडिट्स
5	II	फाइनेंश्यिल मैनेजमेंट	3.0
6	II	बिजनेस कम्युनिकेशन	3.0
7	II	मार्केटिंग मैनेजमेंट	3.0
8	II	प्रोडक्शन एंड ऑपरेशनस मैनेजमेंट	3.0

तीसरा सत्र

क्रं सं	सत्र	कोर्स	क्रेडिट्स
9	III	एमआईएस एंड आईटी	3.0
10	III	एचआरएम एंड इंडस्ट्रियल रिलेशनस	3.0
11	III	सप्लाई चैन मैनेजमेंट	3.0
12	III	ऑर्गनाईजेशनल बिहेवियर	3.0

चौथा सत्र

क्र सं	सत्र	कोर्स	क्रेडिट्स
13	IV	कैपस्टोन बिजनेस सिमुलेशन	3.0
14	IV	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	3.0
15	IV	सॉफ्ट स्किल्स मैनेजमेंट	3.0

दूसरे वर्ष के लिए ऐच्छिक / वैकल्पिक कोर्स

कोर्स	क्रेडिट्स
फाइनेंस	
बिजनेस वैल्यूएशन	3.0
कॉर्पोरेट रि-स्ट्रक्चरिंग इन्क्लुडिंग एम एंड ए	3.0
फाइनेंशियल रिस्क मैनेजमेंट	3.0
इन्वेस्टमेंट एनालिसिस एंड पोर्टफोलियो मैनेजमेंट	3.0
प्रोजेक्ट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस	3.0

कोर्स	क्रेडिट्स
एचआरएम	
कॉम्पीटेंसी मेपिंग एंड टेलेंट मैनेजमेंट	3.0
एसेंशियल्स ऑफ लेबर लॉ	3.0
लीडरशिप, पॉवर एंड इन्फ्लुएंस	3.0
ऑर्गनाइजेशनल डिजायन एंड चेंज	3.0
स्ट्रेटेजिक एचआरएम	3.0

कोर्स	क्रेडिट्स
मार्केटिंग	
इंटरनेशनल मार्केटिंग	3.0
एनपीडी एंड ब्रांड मैनेजमेंट	3.0
सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट	3.0
सर्विसेज मार्केटिंग	3.0
स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग	3.0

कोर्स	क्रेडिट्स
ऑपरेशनस	
बिजनेस एनालिटिक्स एंड इंटेलिजेंस	3.0
लोजिस्टिक्स एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट	3.0
आपरेशनस प्रोजेक्ट मैनेजमेंट	3.0
आपरेशनस स्ट्रेटेजिक वैल्यू चैन एप्प्रोप्रियेशन	3.0
वर्ल्ड क्लास मैन्युफैक्चरिंग	3.0
प्रोजेक्ट वर्क (अन्य फंक्शनल एरिया में)	6.0

प्लेसमेंट

समर इंटर्नशिप बैच 2011-13

वर्ष 2011 के समर इंटर्नशिप के सफलता से उत्साहित होकर, जहाँ अनेकों छात्रों ने पीपीओ / पीपीआई प्राप्त किया था, आईआईएम राँची द्वारा दूसरे समर प्लेसमेंट प्रक्रिया को उद्योग जगत से अपार समर्थन प्राप्त हुआ। आईआईएम छात्रों और कंपनियों दोनों की अपेक्षाओं को समान रूप से पूरा करने में सक्षम था। एक ओर तो आईआईएम राँची ने पिछले वर्ष के चयन करने वालों के साथ अपने संबंधों को सुदृढ़ किया, जिन्होंने कैम्पस में पुनः विजिट किया था। वहीं दूसरी ओर, इस संस्था ने 28 नई कंपनियों के साथ सम्बन्ध स्थापित किया।

67 छात्रों के एक बैच ने 43 कंपनियों से 76 ऑफर प्राप्त किया, जैसे बैंकिंग एंड फाइनेंस (वित्त), सेल्स एंड मार्केटिंग, कंसल्टिंग, ऑपरेशन्स, जनरल मैनेजमेंट एंड एचआर। कुछ महत्वपूर्ण प्रोफाइल कॉर्पोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी (व्यवसायिक सामाजिक उत्तरदायित्व), रियल एस्टेट एंड स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के क्षेत्र से भी थे। सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह थी कि छात्रों को विभिन्न प्रकार के प्रोफाइल ऑफर किये गये जिसमें नियमित प्रोफाइल के अतिरिक्त फाइनेंशियल कंसल्टिंग, स्ट्रेटेजी, हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, आईटी कंसल्टिंग, स्टेटिस्टिक्स, और इकनोमिक रिसर्च शामिल हैं। औसत वेतन रूपये 62000 दो महीनों के लिए, और सबसे अधिक वेतन रूपये 160,000 का ऑफर मलेशिया की कंसल्टिंग फर्म ने दिया था। एक छात्र प्रक्रिया से यह कहते हुए बाहर निकल गया कि वह स्वयं अपने लिए अवसरों की खोज करेगा।

भाग लेने वाली कुछ कम्पनियों के नामों की सूची नीचे दी गई है:

क्रं सं	कम्पनी का नाम
1	एलटीसोर्स
2	एस्क्लेपिअस्
3	बेक्टन डिकिन्सन
4	बर्जर पेंट्स लिमिटेड
5	बोस्टन साइंटिफिक
6	ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड
7	कैपजेमिनी
8	केयर
9	सीसीआईएल
10	सिटीबैंक
11	डाबर इण्डिया लिमिटेड
12	इमामी
13	अर्नेस्ट एंड यंग
14	एस्टेटलिस्टर.कॉम
15	एक्साइड इंडस्ट्रीज लि.
16	फुल्लरटोन सेक्योरिटीज
17	हेक्टर बेवरेजेस
18	एचएसबीसी बैंक
19	एचटी मीडिया
20	हीरो मोटर कॉर्प.
21	हिंदुस्तान कोका कोला
22	आईबीएम
23	आईसीआईसीआई बैंक
24	आईएल एंड एफएस लिमिटेड

क्रं सं	कम्पनी का नाम
25	आईएमआरबी
26	इंडेक्स एडवाइजरी
27	जयपुर रग्स
28	जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी
29	एल एंड टी
30	मारूति सुजुकी लिमिटेड
31	नेशनल कमोडिटी एंड डेरीवेटिव एक्सचेंज ऑफ इंडिया
32	नेशनल पॉवर कंपनी लिमिटेड
33	ओबेरॉय
34	ओक्वेन फाइनेंशियल कॉरपोरेशन
35	पीअर्स कैपिटल
36	पिटनी बोवेस इण्डिया
37	पीडब्ल्यूसी
38	रेकिट बेन्किसेर
39	सब्मिल्लेर
40	सिंघी एडवाइजरस
41	सोसाईट जेनरल
42	स्पोर्ट्स गुरुकूल
43	यूएई एक्सचेंज
44	यूनिकॉन सिक्योरिटीज
45	विप्रो
46	यस बैंक

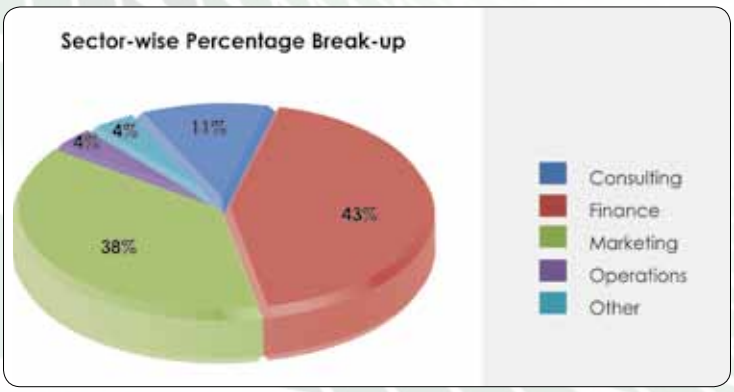

बैंकिंग एंड फाइनेंस

अनेकों बहुराष्ट्रीय और देशी कम्पनियों ने बहुत ही उत्साह से प्लेसमेंट कार्यक्रम में भाग लिया और विभिन्न प्रकार के रोमांचक रोल ऑफर किया, इस तरह उन्होंने आईआईएम राँची के सबसे अधिक सीएटी के कट-ऑफ के विश्वास को सुदृढ़ बनाया। एक प्राइवेट इक्विटी फर्म, जिसका यूके में भी व्यवसाय है, उसने कैम्पस से पहली बार किसी अभ्यर्थी का चयन किया। एक बुटिक इन्वेस्टमेंट बैंक ने एक और आकर्षक ऑफर मर्जर एंड एक्वीजीशन के क्षेत्र में ऑफर किया। इस सेक्टर में प्रस्तुत किये गये अन्य ऑफर में शामिल हैः इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, कॉर्पोरेट बैंकिंग, इक्विटी रिसर्च, क्रेडिट रिसर्च, कंज्यूमर बैंकिंग, मॉर्टगेज सर्विसेज, प्रोजेक्ट फाइनेंस आदि।

चयन करने वाली प्रमुख कम्पनियाँ : *सिटीग्रुप, जेपी मॉर्गन, एचएसबीसी, सोसाईट जेनरल, ओक्वेन फाइनेंशियल कॉरपोरेशन, यूएई एक्सचेंज, आईएल एंड एफएस, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक, एलटीसोर्स, फुल्लरटोन सिक्योरिटीज यूनिकॉन सिक्योरिटीज,।*

मार्केटिंग एंड ऑपरेशन्स

आईआईएम राँची इस क्षेत्र के अनेकों कंपनियों के साथ सौहार्द्रपूर्ण सम्बन्ध बनाये हुए है। इस वर्ष के समर (ग्रीष्म) इंटर्नशिप की प्रक्रिया में बहुत अधिक मांग वाले एफएमसीजी क्षेत्र की अनेक नई कंपनियां कैम्पस में चयन के लिए आईं। इसके अतिरिक्त, इस क्षेत्र में अधिकांश रोल अन्य सेक्टरों जैसे मेडिकल डिवाइस, ऑटोमोबाइल्स, फार्मास्युटिकल्स, मार्केट रिसर्च, मीडिया, ई-कॉमर्स आदि से ऑफर किया गया।

चयन करने वाली प्रमुख कम्पनियां : *रेकिट बेन्किसेर, हिंदुस्तान कोका कोला बेवरीजस, ब्रिटानिया, डाबर, एसएबी मिलर, इमामी, हीरो मोटरकॉर्प, मारुति, बोस्टन साइंटिफिक, बेक्टोन डिकिन्सन, बर्जर पेंट्स, एच टी मीडिया, आईएमआरबी, एक्साइड।*

कंसल्टिंग, एनालिटिक्स एंड जेनरल मैनेजमेंट

भविष्य में विश्लेषिकी के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने के उद्देश्य से, प्रथम बैच के छात्रों ने इस क्षेत्र में बहुत रुचि दिखाई। यही नही विगत में छात्रों को चयन करने वाली कंपनियों ने संस्था में न केवल पुनः विजिट किया, बल्कि द्वितीय वर्ष बैच के छात्रों को पीपीओ/पीपीआई का ऑफर भी दिया।

चयन करने वाली प्रमुख कम्पनियांः *अर्नेस्ट एंड यंग, कैपजेमिनी कंसल्टिंग, इंडेक्स एडवाइजरी, एस्क्लेपिअस् कंसल्टिंग, आईबीएम, पिटनी बोवेस, ओवेरॉय ग्रुप।*

बैच के मध्य विविधता को प्रकट करने के उद्देश्य से, छात्रों ने अन्य प्रमुख क्षेत्रों में ऑफर किये जाने वाले रोल जैसे एचआर, ऑपरेशन्स एंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट को भी स्वीकार किया।

श्री अभिनन्दन ढ़ोके, रीजनल सेल्स मैनेजर-ब्रिटानिया का विचार हैः *"यह आईआईएम राँची में हमारा प्रथम आगमन था और हमने पाया कि छात्र बहुत अच्छे हैं और चयन प्रक्रिया के लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं। यहाँ के छात्र अन्य प्रसिद्ध बी-स्कूल के छात्रों के समकक्ष हैं। इसके अतिरिक्त, प्रक्रिया को बहुत ही बेहतर ढंग से प्रबंधित किया गया है।"*

प्रोफेसर सुबीर वर्मा, डीन आईआई एम राँची ने कहा *"आर्थिक मंदी और चयन करने की प्रक्रिया में अनिश्चितता के बावजूद, कम्पनियों ने हमारे छात्रों में बहुत सशक्त विश्वास दिखाया है। इस प्रक्रिया की सफलता, स्पष्ट रूप से इस तथ्य की ओर सकेंत करती है कि आईआईएम राँची निश्चित ही टॉप बी-स्कूलों के श्रेणी से सम्बन्ध रखता है।"*

वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, नये बैच के लिए उद्योग जगत का सहयोग हमारी आशा से बढ़कर है। यह इस तथ्य की पुनः पुष्टि करता है कि नौवाँ आईआईएम तीव्र गति से अपनी क्षितिज का विस्तार करता जा रहा है और कम्पनियों के लिए कर्मठ मैनेजरों को प्राप्त करने के एक प्रिय स्थल के रूप में उभर रहा है।

फाइनल प्लेसमेंटस्

बैच 2010-12

आईआईएम राँची ने वर्ष 2012 में ग्रेजुएट हुए अपने पहले बैच के सफल प्लेसमेंट होने को चिंहित किया है। मध्य-जनवरी से 43 छात्रों के बैच के प्लेसमेंट प्रक्रिया की शुरूआत हुई और एक समूह के आधार पर संचालित की गई।

कठिन आर्थिक परिस्थिति को देखते हुए, इंडस्ट्री का सहयोग उत्साहजनक था। प्लेसमेंट प्रक्रिया की सफलता का श्रेय मुख्य रूप से छात्रों द्वारा समर इंटर्नशिप में किये गए उनके प्रदर्शन और अनेक कम्पनियों द्वारा प्रायोजित बी-स्कूल कार्यक्रमों में उनकी सफलता को जाता है। प्रक्रिया के शुरू होने से पूर्व 5 छात्रों ने विभिन्न संस्थाओं से पीपीओ प्राप्त किया था और उनमें से 1 को स्वीकार किया गया।

चयन प्रक्रिया में लगभग 30 कंपनियों ने 43 छात्रों के समक्ष विभिन्न प्रकार के 65 ऑफर प्रस्तुत कर उनके सामने दुविधा उत्पन्न कर दी। प्लेसमेंट प्रक्रिया में 39 कंपनियों ने भाग लेने की पुष्टि की थी और उनमें से अधिकांश ने अपनी चयन करने की योजना से अधिक छात्रों को ऑफर दिया। लगभग 12 से अधिक कंपनियों ने विगत दो समर (ग्रीष्म) इंटर्नशिप के साथ अंतिम प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लेकर आईआईएम राँची के छात्रों में अपने विश्वास को दृढ़ बनाया है। यस बैंक ने 6 ऑफर दिये, जो भाग लेने वाली कम्पनियों में सर्वाधिक थी। बैच को विभिन्न सेक्टर से 6 पार्श्विक ऑफर भी प्राप्त हुआ, जिसमें टेलिकॉम, बैंकिंग और कंसल्टिंग शामिल हैं।

कुछ भाग लेनेवाली कम्पनियो की सूची नीचे दी गई है

क्रं सं	कम्पनी का नाम
1	एलटीसोर्स
2	अरंका
3	बर्जर पेंट्स इण्डिया लिमिटेड
4	केयर इण्डिया
5	केविनकेयर प्रा. लिमिटेड
6	सिटी बैंक
7	अर्नेस्ट एंड यंग
8	गोदरेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड
9	एचएसबीसी बैंक
10	एचटी मीडिया
11	आईसीआईसीआई बैंक
12	आईसीआरए ऑनलाइन लिमिटेड
13	आई.सी.आर.एम मलेशिया

क्रं सं	कम्पनी का नाम
14	आईएनजी वैश्य बैंक
15	जयपुर रग्स
16	मारुति सुजुकी इण्डिया
17	मु सिग्मा
18	फाइजर इण्डिया
19	पोलारिस इण्डिया
20	रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया
21	सोनाटा
22	टेक नोवा
23	टाइटन इंडस्ट्रीज लिमिटेड
24	यूएई एक्सचेंज
25	यस बैंक लिमिटेड

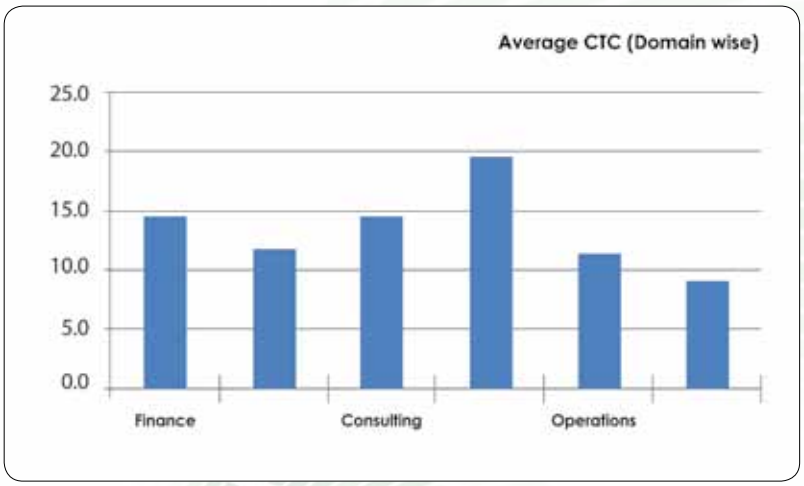

लगभग 3 अन्तराष्ट्रीय ऑफर विभिन्न प्रकार के रोल के लिए मध्य पूर्व और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए दिया गया। विदेश में अधिकतम वेतन रूपये 24 लाख (केवल नगद रूप में) का प्रस्ताव दो छात्रों को मध्य पूर्व में दिया गया। इसके अतिरिक्त, देश में अधिकतम वेतन रूपये 23 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव दो छात्रों को एक फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म के द्वारा दिया गया। देश में बैच के लिए औसत वेतन 12.97 लाख रूपये था जबकि मध्य रूप से वेतन 12.5 लाख रूपये प्रति वर्ष था। इस प्लेसमेंट प्रक्रिया में न्यूनतम स्वीकृत प्रस्ताव 8 लाख रूपये प्रति वर्ष था।

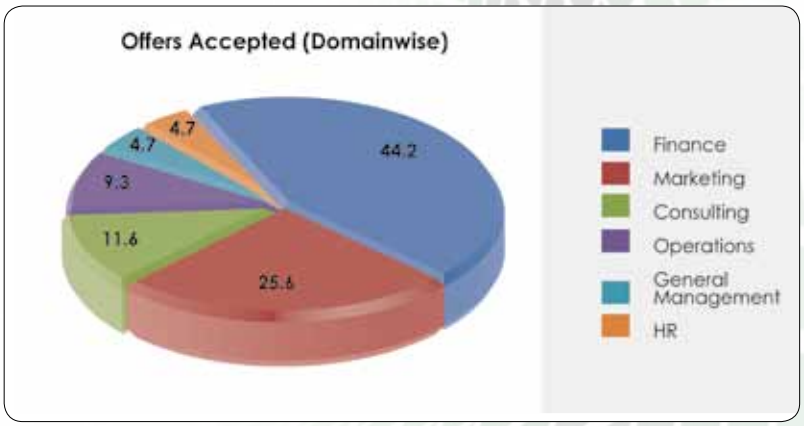

फाइनेंस

अपने मार्गदर्शक आईआईएम कलकत्ता से अपने जड़ों को जोड़े रखते हुए आईआईएम राँची ने फाइनेंस (वित्त) के क्षेत्र में असाधारण रूप से बेहतर प्रदर्शन करना जारी रखा। इस विकसित हो रहे आईआईएम ने वित्त बाजार में मंदी के बावजूद फाइनेंस (वित्त) के क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन किया, जिसका प्रमाण यह है कि बैच के लगभग आधे (44.2%) छात्रों ने फाइनेंस (वित्त) से सम्बंधित रोल का चयन किया।

फाइनेंस (वित्त) क्षेत्र के कुछ विशेष कंपनियों (देशी और एमएनसी बैंकों) ने विशेष रूप से सभी नए आईआईएम के मध्य आईआईएम राँची से छात्रों का चयन किया। एक देशी बैंक के एक वरिष्ठ एचआर ने कहा, *"पहले बैच के लिए हमने समर प्लेसमेंट में भाग लिया और इंटर्नस के साथ हमारा अनुभव बहुत ही शानदार रहा। इसलिए, हम चयन करने के लिए यहाँ पुनः आये, इसके बावजूद कि इस वर्ष कम चयन करने की योजना थी।"*

मुंबई के एक बुटिक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग फर्म ने अंतिम प्लेसमेंट में कुछ छात्रों को एम एंड ए रोल के लिए चयन किया। एक और विशेष बात यह है कि बैंकिंग सेक्टर की अनेक कम्पनियों ने बहुत ही उत्साह के साथ प्लेसमेंट की प्रक्रिया में भाग लिया। फाइनेंस (वित्त) के क्षेत्र में ऑफर किये गए रोल में शामिल हैं, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग रिसर्च, क्रेडिट रिसर्च, रिटेल बैंकिंग, कॉर्पोरेट बैंकिंग, मॉर्टगेज सर्विसेज और इकनोमिक रिसर्च।

चयन करने वाली प्रमुख कम्पनियां: *सिटी बैंक, एचएसबीसी बैंक, ओक्वेन फाइनेंशियल सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईएनजी वैश्य बैंक, अरंका , केयर रेटिंग्स, आईसीआरए, यूएई एक्सचेंज, रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया*

मार्केटिंग एंड ऑपरेशनस

समर (ग्रीष्म) प्लेसमेंट की सफलता के बाद, जिसमें अनेकों टॉप मार्केटिंग (विपणन) कंपनियों ने भाग लिया था, फाइनल (अंतिम) प्लेसमेंट के दौरान छात्रों को आकर्षक रोल विभिन्न सेकर्टस की कंपनियों जैसे एफएमसीजी, ई-कॉमर्स, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मैन्युफैक्चरिंग, मार्केट रिसर्च और फार्मास्युटिकल्स ने ऑफर किया। बैच के 25.6% छात्रों ने इस क्षेत्र के रोल का चयन किया, जिसमें शामिल है बीटुबी मार्केटिंग, बिजनेस डेवलपमेंट, सेल्स, ब्रांड मैनेजमेंट, मार्केट रिसर्च आदि।

इस क्षेत्र में चयन के लिए भाग लेने वाले एक कंपनी के नेशनल सेल्स हेड और आईआईएम-अहमदाबाद के एक एलुमनी ने टिप्पणी की, *"मुझे नये आईआईएम पर शंका थी, परन्तु यहाँ प्रथम बैच के छात्रों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद मुझे सुखद अनुभूति हुई। निश्चित रूप से, आईआईएम राँची का भविष्य उज्जवल है।"*

इस क्षेत्र में 7 नई कम्पनियों ने भाग लिया और छात्रों को विभिन्न प्रकार के रोल ऑफर किये।

चयन करने वाली प्रमुख कम्पनियां: *एचटी मीडिया, फ्लिपकार्ट, गोदरेज एंड बोयेस, फाइजर, मारुति, टाटा स्टील, युनाइटेड स्पिरिट्स, एवेरेडी इंडस्ट्रीज, टाइटन, बर्जर पेंट्स, केविनकेयर।*

आईटी एंड कंसल्टिंग

लगभग 50% उम्मीदवारों के पास पूर्व के कार्यानुभव के बावजूद, आईटी एंड कंसल्टिंग ने भी छात्रों को आकर्षित किया। विगत के दो समर (ग्रीष्म) प्रक्रियाओं में भाग लेने के बाद, अर्नेस्ट एंड यंग ने संस्था के छात्रों को अपने विजनेस कंसल्टिंग डिवीजन में रोल ऑफर किया।

चयन करने वाली प्रमुख कम्पनियां: *अर्नेस्ट एंड यंग, सोनाटा सॉफ्टवेर, पोलारिस, एक्चुयेट मैनेजमेंट कंसल्टिंग*

जेनरल मैनेजमेंट (सामान्य प्रबंधन) एंड एचआर

नई कम्पनियों ने इस क्षेत्र में अपना प्रभुत्व स्थापित कर लिया और इस क्षेत्र में जिंदल स्टील एंड पॉवर ने अपना लीड मैनेजमेंट ट्रेनी प्रोग्राम का ऑफर छात्रों को दिया। अगले वर्ष से पीजीडीएचआरएम कोर्स के आरम्भ होने के साथ, आईआईएम राँची की योजना इस क्षेत्र के और अधिक प्रतिष्ठित कम्पनियों को आकर्षित करने की है।

चयन करने वाली प्रमुख कम्पनियां: *आरपीजी ग्रुप, जिंदल स्टील एंड पॉवर, जयपुर रग्स*

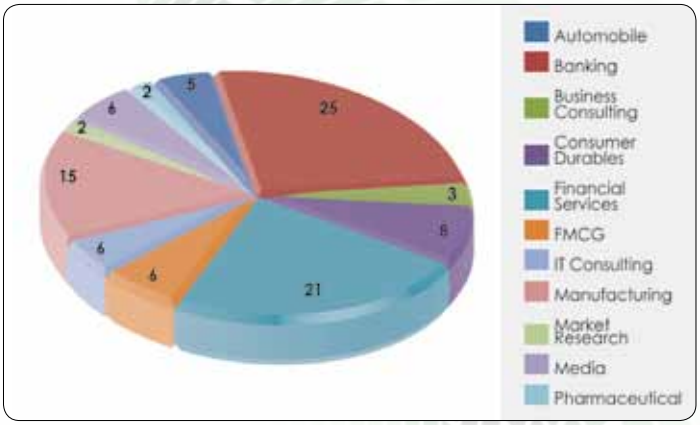

प्लेसमेंट प्रक्रिया की मुख्य विशेषताओं को नीचे रेखांकित किया गया है:

- फाइनेंस (वित्त) के क्षेत्र में अनेकों कंपनियों ने नए आईआईएम में विशेष रूप से आईआईएम राँची से छात्रों का चयन किया।
- इस क्षेत्र के छात्रों को औसत के 13.6 लाख रूपये वेतन का ऑफर दिया गया, जबकि इसका औसत रूपये 12.5 लाख था। अधिकतम और न्यूनतम वेतन की सीमा क्रमशः रूपये 24 लाख और 8 लाख थी।
- कुछ विशिष्ट रोल (पद) जैसे मीडिया मार्केटिंग (विपणन) और स्ट्रेटेजिक डेवलपमेंट का प्रस्ताव भी छात्रों को दिया गया।
- बैच के 43 छात्रों में से 3 छात्रों को मध्य-पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया से अन्तराष्ट्रीय ऑफर भी प्राप्त हुए।

"वर्तमान के कठिन आर्थिक स्थितियों में, आईआईएम राँची का प्रथम फाइनल प्लेसमेंट अपेक्षा से बेहतर था। सभी छात्रों ने अपने पसंद के क्षेत्रों में न केवल ऑफर प्राप्त किया, बल्कि 3 छात्रों ने अन्तराष्ट्रीय ऑफर प्राप्त कर इस विकास कर रहे संस्था की प्रतिष्ठा में चार चाँद लगाया। इंडस्ट्री और छात्रों के मध्य बेहतर संचार-संवाद के लिए, हमने समूह आधारित व्यवस्था का चयन किया, जिसकी भर्ती करने वाली कम्पनियों और अन्य शुभचिंतको ने सराहना की", प्लेसमेंट कमिटी के सचिव कुमार अभिषेक ने टिप्पणी की।

दीक्षांत समारोह

पीजीडीएम 2010-12

आईआईएम रांची ने रांची विश्वविद्यालय के परिसर के आर्यभट्ट सभागार में 11 अप्रैल, 2012 को अपना प्रथम दीक्षांत समारोह मनाया। समारोह का उद्घाटन सर्वशक्तिमान ईश्वर की प्रार्थना के साथ किया गया।

2010-12 बैच के 43 छात्रों को मुख्य अतिथि, झारखंड के राज्यपाल महामहिम डॉ. सैयद अहमद और आईआईएम कोलकाता के निदेशक, आईआईएम रांची के मेंटर निदेशक प्रोफेसर शेखर चौधरी की उपस्थिति में डिप्लोमा से सम्मानित किया गया। बोर्ड के अध्यक्ष श्री आर सी भार्गव ने डिप्लोमा प्रदान किया।

डॉ. सैयद अहमद ने पढ़ाई में उत्कृष्टता के लिए पहले तीन रैंक धारकों- आदित्य सोमानी, सौरभ प्रताप सिंह और अनुभव जौहरी को स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया। सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए स्वर्ण पदक विजय कृष्णा कन्दुला को प्रदान किया गया।

आदित्य सोमानी, श्रेय कुमार सिंह और सिंघानिया अंकित विश्वनाथ को क्रमशः वित्त, विपणन और संचालन में सबसे अच्छी परियोजना के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि महामहिम डॉ. सैयद अहमद ने कहा, *"मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि आईआईएम रांची सभी छह नए आईआईएम के बीच शीर्ष पर है। अध्ययन करना और*

दीक्षांत समारोह
पीजीडीएम
2010-12

परीक्षा उतीर्ण कर एक शिक्षण संस्थान से बाहर निकलना एक छात्र के लिए काफी सामान्य बात है और इसमें कुछ भी नया नहीं है, परन्तु जब वे समाज और राष्ट्र के लिए इस शिक्षा का उपयोग करते हैं, तो वे अद्वितीय बन जाते हैं। आईआईएमआर के छात्रों ने इसे किया है जो मेरे विचार में बहुत अनूठा है।"

अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री भार्गव, शासी मंडल के अध्यक्ष ने कहा, *"जीवन में सफलता का कोई शार्ट-कट नहीं है। युवा प्रबंधन स्नातकों के रूप में, आपने आईआईएम रांची में दो वर्षों के प्रवास के दौरान आप सभी ने इस सच्चाई को अनुभव किया होगा। कॉलेज से एक कंपनी की ओर प्रस्थान करना आसान नहीं होने जा रहा है। आपको कॉर्पोरेट ढांचे और अपने लोकाचार के भीतर काम करना सीखना चाहिए। आप यह मत सोचिये कि आपके सीखने की प्रक्रिया आईआईएम रांची में समाप्त हो गई है। वास्तव में यह तो अभी शुरू हो रही है।"*

उन्होंने यह भी कहा, *"मूल्यों से समझौता कभी न करें। संगठन आपसे लचीला होने की उम्मीद करता है, कृपया लालचों के सामने झुकें नहीं। आपको अपने अल्मा मेटर के मूल्यों को बनाए रखने की आवश्यकता है। लंबे समय में, अखंडता और मूल्य नेताओं को दूसरों से अलग करते हैं।"*

डॉ. एम जे जेवियर, संस्थान के निदेशक, स्थापना के बाद से आईआईएम रांची में हो रहे कार्यों की संक्षेप में एक झलक प्रस्तुत की। उन्होंने स्नातक बैच को बधाई देते हुये कहा, *"आप वैसे समय में कॉर्पोरेट जगत में प्रवेश कर रहे हैं, जब हमें नैतिकता और मूल्यों की कमी दृष्टिगोचर हो रहा है। कृपया आप याद रखे कि आप संस्था (कंपनी) में एक उत्प्रेरक के रूप में प्रवेश करने जा रहे हैं और आपका ध्येय कॉर्पोरेट जगत के नेताओं की शुद्ध लाभ कमाने की मनोवृति में क्रांतिकारी बदलाव लाकर उसे सिद्धांतों के साथ लाभ अर्जित करने की मानसिकता में बदलना है।"*

प्रोफेसर शेखर चौधरी ने अपने संबोधन में आईआईएम रांची की स्थापना करने में पेश आई परेशानियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा उनकी संस्था ने इसे बनाने को स्वीकार किया, जबकि अन्य पुराने आईआईएम ने अप्रत्याशित कठिनाइयों की वजह से इसे स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर प्रसन्नता है कि आईआईएमसी को चुनौतियों से लड़ने का अवसर मिला है और यह आईआईएम रांची के विकास और देश में प्रबंधन शिक्षा के लिए कुछ योगदान करने पर गर्वान्वित है। उन्होंने यह भी कहा कि *"आईआईएम रांची को देखना बहुत ही अद्भुत है, जो एक बदसूरत बत्तख के बच्चे से एक खूबसूरत और सुंदर हंस में परिवर्तित हो रहा हो।"*

डॉ. सुबीर वर्मा, डीन एकेडेमिक ने धन्यवाद ज्ञापन किया। आईआईएम रांची की ओर से उन्होंने माननीय राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त किया कि उन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से कुछ समय निकालकर दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होने के लिए सहमति प्रदान की। आईआईएमसी के संरक्षक निदेशक, प्रोफेसर शेखर चौधरी और उनकी टीम के प्रति शुक्रिया अदा करते हुए उन्होंने कहा कि आईआईएम रांची प्रोफेसर चौधरी के नेतृत्व में आईआईएमसी टीम द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने पर गर्व का अनुभव कर रहा है। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए मुख्य अतिथि और मेंटर निदेशक को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। उन्होंने बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष और सदस्यों के प्रति हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने माता-पिता को भी उनके बच्चों के शैक्षिक प्रयासों में समर्थन देने के लिए बधाई दी। उन्होंने निदेशक के प्रति भी धन्यवाद व्यक्त किया जिनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में आईआईएम रांची नई ऊंचाइयों पर पहुँच गया है।

आईआईएम रांची ने दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किये गए सभी लोगों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया।

अवार्ड्स और रैंकिंग

अवार्ड्स

1. आईआईएम राँची ने दैनिक भास्कर से 11 सितम्बर 2011 को **"दि मोस्ट एडमायरर्ड ब्रांड इन एजुकेशन"** का अवार्ड प्राप्त किया।

2. आईआईएम राँची ने बहुत ही कम समय में राष्ट्रीय स्तर पर अपना स्थान बना लिया है। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर एम जे जेवियर को इनोवेटिव लीडरशिप 2012 के लिए चाणक्य अवार्ड पब्लिक रिलेशन काउंसिल ऑफ इंडिया से दिनांक 13 फरवरी 2012 को ट्रिडेंट नारीमन पॉइंट में राष्ट्रीय स्तर के एक कांफ्रेंस में दिया गया। **चाणक्य अवार्ड** महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त करने वाले उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जो बहुत ही कम समय में इंडस्ट्री में अपने पेशेवर कैरियर में स्वयं की एक अद्वितीय पहचान बनाते हैं और अपने नवीन और आधुनिक विचारों के कार्यान्वयन के माध्यम से संस्था को एक नई उंचाई प्रदान करते है।

3. एकेडमिक और रिसर्च इंस्टिट्यूट के अध्ययनों के आधार पर आईआईएम राँची के निदेशक प्रोफेसर एम जे जेवियर को **अमिटी इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल,** अमिटी यूनिवर्सिटी, नोयडा, के द्वारा दिनांक 22 से 24 फरवरी 2012 को आयोजित 14वें इंटरनेशनल बिजनेस समिट में **"अमिटी एकेडमिक एक्सलेंस अवाड'' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान "बिल्डिंग स्पिरिचुअल क्वोशेंट, इमोशनल क्वोशेंट एंड ह्युमन क्वोशेंट अलोंग विथ फिजिकल क्वोशेंट इज एसेंशियल फॉर क्रिएटिंग वर्ल्ड क्लास ग्लोबल आर्गेनाईजेशन"** के लिए दिया गया। यह अवार्ड दिनांक 23 फरवरी 2012 को 11-30 बजे दिया गया।

4. आईआईएम राँची के अध्यक्ष, श्री आर सी भार्गव ने जापान सम्राट से **"दि एम्परर् ऑफ जापान - दि आर्डर ऑफ दि राइजिंग सन गोल्ड एडं सिल्वर स्टार आवर्ड"** प्राप्त किया।

रैंकिंग

1. आईआईएम राँची की कुल **28वीं रैंकिंग है और पूर्वी क्षेत्र में इसे 4था सर्वश्रेष्ठ संस्था माना गया है** (आईआईएम शिलोंग से आगे), हिन्दुस्तान टाइम्स, 31 अगस्त, 2011

2. आईआईएम राँची को न्यू आईआईएम में **पहला रैंक दिया गया है और देश में उम्मीदवारों की पसंद में इसे 8वां रैंक** प्राप्त हुआ।

छात्रों की उपलब्धियाँ

छात्रों ने विभिन्न बी-स्कूलों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतिस्पर्द्धाओं में भाग लेकर और उन्हें जीतकर आईआईएम राँची को सम्मान और विशेष गौरव प्रदान किया। कुछ प्रतिस्पर्द्धाओं और उनके विजेताओं के नामों का उल्लेख नीचे किया गया है:

1. *टीएएस अल्टिअस - 2011 :* एनुअल फेस्ट कांफ्लुएंस-2011 (आईआईएम अहमदाबाद का एक जेनरल मैनेजमेंट का कार्यक्रम, जो 4 क्षेत्रों में एक बहुत ही विख्यात और प्रसिद्ध प्रतिस्पर्द्धा है, जिसमें देश भर के टॉप 30 बी-स्कूलों के 414 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

   आईआईएम राँची, आदित्य सोमानी (पीजीडीएम 2011-13 बैच) के अविस्मर्णीय उपलब्धि से गर्व महसूस कर रहा है, जिसने प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता। कार्यक्रम का प्रायोजक और निर्णायक टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज था।

2. *बिजनेस टुडे केस स्टडी कॉम्पटीशन-2011 :* पीजीडीएम 2011-13 बैच के हनु प्रतीक कुंडरू ने केस स्टडी कॉम्पटीशन, बिजनेस टुडे इंटरनेशनल कांफ्रेंस में जीता, जिसका आयोजन न्यूयॉर्क में किया गया था और इस प्रतियोगिता में संसार के 20 देशों के 100 से भी अधिक विश्विद्यालयों के 150 से अधिक टॉप कॉलेज के छात्रों और यूएस के प्रथम स्तर के विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेता के रूप में उन्हें यूबीएस इन्वेस्टमेंट बैंक के प्रबंध निदेशक श्री जोशुआ रोसेंबौम के हाथों अवार्ड और उनके पुस्तक की एक हस्ताक्षरित कॉपी प्राप्त करने का सम्मान प्राप्त हुआ।

3. *मार्केटरिक्स - इन्टग्लियो-2011:* पीजीडीएम 2010-12 बैच के अरविन्द एक्का, अंकित गोयल और बिरमा राम ने प्रथम पुरस्कार मार्केटरिक्स के लिए जीता, जो आईआईएम कलकत्ता के बिजनेस फेस्ट-इन्टग्लियो पर आधारित एक अखिल भारतीय डिजिटल मार्केटिंग (विपणन) प्रतिस्पर्द्धा है।

4. *इनोवेटिव आइडीयेटर्स-2011:* इस कार्यक्रम में देश के सभी टॉप बी-स्कूलों के 800 से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रसिद्द कार्यक्रम में आईआईएम राँची के तीन टीम फाइनल में पहुँचे।

   टीम में शामिल थे, मुदित कुमार जैन, अभिषेक बसु मल्लिक, निशांत वत्स, समीर अग्रवाल, पराग सभलोक फाइनल राउंड (दौर) के फाइनल स्टेज में पहुंचे और अपना केस और पेपर श्री पंकज आचार्य, एमएडी(ई) के भारत में सीईओ के समक्ष प्रस्तुत किया।

5. *क्विजिट'11:* आईआईएम राँची को पूर्वी क्षेत्र के लिए क्विजिट'11 की मेजबानी का गौरव प्राप्त है। पीजीडीएम 2011-13 बैच के विकट पाटिल और आकाशदीप ने प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम और तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त विकट पाटिल ने कोलकाता में आयोजित क्विजिट में पूर्वी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भी किया।

6. *क्विज्नी लैंड :* वैभव बंसल, सनी सुमान्शु और विशाल शेट्टी वाली तीन सदस्यों की टीम ने आईआईएम राँची के क्विजिंग क्लब, क्विजनी लैंड, द्वारा आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

7. *कैरोस फेलो -2011:* पीजीडीएम 2011-13 बैच के हनु प्रतीक कुंडरू को वर्ष 2012 का कैरोस फेलो कैरोस सोसाइटी (एडवांसिंग दि वर्ल्ड थ्रू एंटरप्रेंयूर्शिप एंड इनोवेशन, यूएसए के द्वारा चुना गया है। फेलोशिप के एक भाग के रूप में, उन्हें यूनाइटेड नेशनस (यूएन) और न्यूयॉर्क में न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) पर दिनांक 2-5 फरवरी, 2012 को आयोजित कैरोस ग्लोबल समिट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

   वैश्विक सदस्यगण (ग्लोबल फेलो) विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के टॉप छात्रों का प्रतिनिधित्व करते है, जिसमें हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, एमआईटी, ऑक्सफोर्ड एंड कैंब्रिज शामिल हैं।

   छात्रों के पास समान विचार वाले एंट्रेप्रेंयुर्स से मिलकर उनके अमूल्य सलाहों, निर्देशों और दृष्टिकोणों से लाभान्वित होने का अवसर होता है।

8. *एनसीएमएस 2011 :* एआईएमए ने 8वें नेशनल कम्पटीशन फॉर मैनेजमेंट, स्टूडेंटस फॉर मैनेजमेंट के छात्रों के लिए आयोजन किया, ताकि उनके ज्ञान को तीक्ष्ण बनाते हुए उनके व्यावसायिक तीक्ष्णता की परीक्षा देश के सर्वश्रेष्ठ छात्रों से प्रतियोगिता के माध्यम से उभारा जा सके। प्रतियोगिता में देश भर के 150 से भी अधिक बी-स्कूलों के 200 से भी अधिक टीमों ने भाग लिया। आईआईएम राँची के टीम में यश अग्रवाल और रचित शर्मा ने शुरू में क्षेत्रीय दौर (पूर्वी क्षेत्र) जीता और बाद में राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया। रचित शर्मा ने "बेस्ट बड्डिंग मैनेजर" का अवार्ड भी जीता।

9. *बुल्स एंड बीयर्स :* पीजीडीएम के प्रथम वर्ष के छात्र विभोर गोयल बुल्स एंड बीयर्स, एक ऑनलाइन ट्रेडिंग कॉम्पटीशन का दैनिक विजेता बना, जिसका आयोजन एनएमआईएमएस के द्वारा किया गया।

10. *एवलोन कंसल्टिंग:* रचित शर्मा और सनी सुमांशु को सम्पूर्ण भारत के श्रेष्ठ 50 टीमों में फाइंडिंग सन् Tzu चैलेंज 2011 के लिए चुना गया, जिसका आयोजन एवलोन कंसल्टिंग के द्वारा किया गया।

11. *आरम्भ -2011:* अभिषेक बसु मल्लिक और समीर अग्रवाल ने 'कॉनुन्ड्रम' में रूपये 5000 का प्रथम पुरस्कार जीता, जो एक क्विजिंग कार्यक्रम आरम्भ'2011 था और इसका आयोजन आईआईएम राँची के द्वारा किया गया था। रचित शर्मा और हनु प्रतीक कुंडरू ने आरम्भ'2011 के वाद-विवाद प्रतियोगिता में 'वॉर ऑफ वर्ड्स' में रूपये 2000 का तृतीय पुरस्कार जीता।

12. *वर्चस्व'2011:* आईआईएम लखनऊ के सांस्कृतिक उत्सव वर्चस्व'2011 में पीजीडीएम के प्रथम और द्वितीय वर्ष के 15 छात्रों के एक मेधावी समूह ने आईआईएम राँची का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अनेकों कार्यक्रमों में भाग लिया और कुछ में विजेता भी बने। आईआईएम राँची के क्रिकेट टीम ने अन्य क्रिकेट टीम से कठिन प्रतियोगिता का सामना किया और अंततः द्वितीय रनर-अप का स्थान प्राप्त किया। पीजीडीएम के प्रथम वर्ष के छात्र सुजीत आनन्द, विकट पाटिल और सुजित कुमार और द्वितीय वर्ष के राहुल सिंह और शंशाक शेखर वाली कैरम टीम ने रजत पदक जीता। 'एलएएन गेमिंग कार्यक्रम-एज ऑफ एम्पायरस' में भी वे रनर अप थे। इन छात्रों ने स्टेज पर भी प्रदर्शन किया और एक नाटक का मंचन किया, जिसे बहुत अधिक सराहना मिली।

13. *ब्लूमबर्ग असेसमेंट टेस्ट (बीएटी):* एक ऑनलाइन टेस्ट का आयोजन रविवार, दिनांक 28 अगस्त 2011, को आईआईएम राँची के प्रांगण में किया गया। लगभग 70 छात्रों ने (प्रथम और द्वितीय बैच) ने टेस्ट के लिए पंजीयन कराया और लगभग 50 छात्र ऑनलाइन टेस्ट में शामिल हुए। ब्लूमबर्ग वेंचर्स, अनेकों फाइनेंशियल सर्विसेज कम्पनियों के सहयोग से बीएटी के निर्माण में संलग्न था, जो सम्पूर्ण विश्व के अंतरस्नातक छात्रों के लिए एक वैश्विक मूल्यांकन (जाँच) परीक्षा है, जो फाइनेंस (वित्त) या सम्बंधित क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक हैं और जिसके लिए कुछ आर्थिक ज्ञान की आवश्यकता है।

14. *आरोहण-2011:* आईआईएम राँची (2011-13 बैच) के कुछ छात्रों ने संत जेवियर कॉलेज के सांस्कृतिक उत्सव "आरोहण" में भाग लिया, जिसका आयोजन 17 और 18 मार्च 2012 को किया गया था। उन्होंने केवल कुछ ही कार्यक्रमों में भाग लिया, इसके बावजूद उन्होंने "ओवरआल फर्स्ट रनर अप" का पुरस्कार जीतने के साथ व्यक्तिगत और टीम उन सभी कार्यक्रमों में पुरस्कार जीता, जिसमें उन्होंने भाग लिया। उन्होंने जिन प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पुरस्कार जीता, उसकी सूची नीचे दी गई है:

1. बिजनेस बैरन (टीम कार्यक्रम) :

प्रथम पुरस्कार- विकट पाटिल, विशाल शेट्टी, यश अग्रवाल, योगेश टाक

2. बिजनेस क्विज (टीम कार्यक्रम) :

प्रथम पुरस्कार- हनुप्रतीक कुंडरु, आकशदीप साह, वरुण शौनिक
द्वितीय पुरस्कार- अभिषेक बसु मल्लिक, अमनदीप सिंह, समीर अग्रवाल

3. दि निगोश्येटर (व्यक्तिगत स्पर्द्धा) :

प्रथम पुरस्कार- यश अग्रवाल

4. अन्ताक्षरी (टीम कार्यक्रम) :

प्रथम पुरस्कार : आकाशदीप साह, विकट पाटिल, विशाल शेट्टी

5. एकल गायन (व्यक्तिगत पुरस्कार):

तृतीय पुरस्कार : विकट पाटिल

15. आईआईएम राँची के छात्रों ने अल्फासीकर 2010, एनएमआईएमएस में सर्वोच्च सम्मान प्राप्त किया

16. पीजीडीएम के प्रथम वर्ष के छात्र *हनु प्रतीक कुंडरू* को न्यूयॉर्क में आयोजित बिजनेस टुडे इंटरनेशनल कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। वह सम्पूर्ण विश्व के 20 देशों के 100 से भी अधिक विश्विद्यालयों के टॉप 150 कॉलेज छात्रों में से एक होंगे, जिसका चयन इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए किया गया है। ये सभी छात्र 70 से भी अधिक फार्च्यून-500 सीईओ और अधिकारीयों से मिलकर उनके साथ विचार-विमर्श करेंगे। इस कांफ्रेंस का आयोजन इस वर्ष 19-22 नवम्बर को न्यूयॉर्क के ग्रैंड ह्यात होटल में किया जायेगा।

टेलीग्राफ के दिनांक 9 अक्टूबर 2011 के अंक में प्रकाशित

आईआईएम राँची की तीन टीमों ने अल्फासीकर 2010 में टॉप 5 में से 3 स्थान जीता, यह प्रतियोगिता नरसी मोंजी के राष्ट्रीय वर्चुअल स्टॉक ट्रेडिंग कम्पटीशन थी, जिसमें 300 से भी प्रतिभागी टीमों ने भाग लिया। आईआईएम राँची की टीम ने अन्य कॉलेजों के टीम को हरा दिया, जिसमें शामिल थे, आईआईएम कलकत्ता, लखनऊ, कोझिकोड, रोहतक, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (हैदराबाद), फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (दिल्ली), एक्सएलआरआई जमशेदपुर, एसपी जैन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, (मुंबई), मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (गुडगाँव) और इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, (गाजियाबाद) और अन्य संस्थान।

विजेता टीमें इस प्रकार थी:

1. प्रथम स्थान -

सौरभ प्रताप सिंह, कुमार अभिषेक

2. द्वितीय स्थान -

मयंक कुमार, ईश गिरवन

3. चतुर्थ स्थान -

जय वोरा

छात्रों की गतिविधियाँ

समितियाँ

आधारशिला का निर्माण करने के बाद आईआईएम राँची उन ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका इसने वादा किया था। आने वाले वर्षों में इस संस्थान के छात्र इसे महान सफलता प्राप्त करने में सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आईआईएम राँची में हम एक टीम के रूप में एक साथ मिलकर काम करने की योग्यता में विश्वास रखते है। इंस्टिट्यूट (संस्था) ने एक स्टूडेंट रन प्रक्रिया का विकास किया है और छात्रों का उचित मार्गदर्शन संकाय और प्रशोसन के द्वारा किया जाता है।

इंस्टिट्यूट के बहुमुखी विकास को सुनिश्चित करने के लिए, विभिन्न कमिटियों और क्लबों की स्थापना की गई है। कमिटियाँ छात्र संगठनों (निकायों) के समस्याविहीन प्रदर्शन को सुनिश्चित करता है, जबकि क्लब छात्रों को उनकी रूचि के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है।

एकेडेमिक कमिटी

एकेडमिक कमिटी छात्रों और संकायों के साथ सभी एकेडमिक विषयों पर छात्रों और संकायों के मध्य औपचारिक रूप से एक संवाद-संचार के चैनल के रूप में कार्य करता है, उन एकेडमिक विषयों में कक्षाओं के समय का निर्धारण और पुनर्निर्धारण, शिक्षण के क्षेत्र के गुणवत्ता की ग्रेडिंग, और समीक्षा कक्षाओं की आवश्यता आदि, शामिल हैं। इसके साथ ही यह निरन्तर विकास में सहयोग करने के आलावा, एकेडमिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, जैसे पुस्तकालय, एकेडमिक डाटाबेस आदि, के उन्नयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एकेडेमिक कमिटी संस्थान के नियमावली के आलोक में छात्रों के आचार-संहिता के प्रबंधन के लिए भी उत्तरदायी है। छात्रों के सामान्य लाभ के लिए, सम्बंधित कार्यशालाओं और ज्ञान सत्रों के आयोजन की जिम्मेदारी भी इसके कन्धों पर है।

प्लेसमेंट कमिटी

प्लेसमेंट कमिटी कॉर्पोरेट संबंधों और कॉलेज में प्लेसमेंट से सम्बंधित गतिविधियों के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है।

टेक्नोलॉजी कमिटी

आईआईएम राँची के स्टूडेंट एसोसिएशन के निर्देशन में टेक्नोलॉजी कमिटी कैम्पस में सभी तकनी. की और आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर से सम्बंधित मुद्दों के लिए उत्तरदायी है। यह सेवाओं के प्रबंधन और इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे एलएएन, इन्टरनेट की सुविधा, छात्र-संकाय ईमेल, सर्वर, सॉफ्टवेर एप्लीकेशन, वीडियो कांफ्रेंसिंग, वेबसाईट डिजायन और विकास से लेकर, आईआईएम राँची को ईआरपी, लर्निंग मैनेजम. ेंट सिस्टम्स, लाइब्रेरी मैनेजमेंट, नए प्रक्रियाओं और सॉफ्टवेर के अनुप्रयोग के द्वारा होने वाले कार्यों को जैसे नामांकन, शुल्क भुगतान, कोर्स मैनेजमेंट, आदि को स्वचालित करने के लिये नवीन और

अत्याधुनिक तकनीकों को लागू करने में सहायता करता है और उपयुक्त सलाह प्रदान करता है। तकनीकी समिति आईआईएम राँची को सर्वश्रेष्ठ तकनीकी सुविधा प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहता है। इसके साथ ही यह सभी प्रकार के ज्ञान प्रबंधन के कार्यों और छात्र संगठन (स्टूडेंट एसोसिएशन) के अधीन छात्र संगठनों के सॉफ्टवेर और टेक्नोलॉजी से सम्बंधित सभी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी उत्तरदायी है।

स्पोर्ट्स एंड कल्चरल कमिटी

आईआईएम राँची मे हमारा यह विश्वास है कि सांस्कृतिक और खेल के कार्यक्रम छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पूर्णरूप से सुसज्जित व्यायामशाला (जिम्नेश्यिम) छात्रों को अपना पसीना बहाने का अवसर प्रदान करता है ताकि वे इस कठिन दैनिक रूटीन में शारीरिक रूप से तंदुरूस्त (फिट) बने रह सकें। व्यायामशाला (जिम्नेश्यिम) के अतिरिक्त, हॉस्टल में इनडोर और आउटडोर दोनों की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इनडोर सुविधाओं में कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस आदि शामिल हैं, और विश्वस्तरीय आउटडोर खेल की सुविधायें खेलगांव में उपलब्ध कराई गई हैं, जो हॉस्टल से कुछ ही दूरी पर स्थित है। आउटडोर सुविधाओं में क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, टेनिस, बास्केटबॉल, तैराकी आदि शामिल हैं। संस्था के द्वारा यथासंभव विभिन्न प्रकार के अंतर-कॉलेज टेबिल टेनिस, कैरम, क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जाता है।

स्टूडेंट फैसिलिटीस कमिटी

जब बात पूर्ण रूप से आवासीय कार्यक्रम की होती है, तब छात्रों को उपलब्ध कराये गए सुविधाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। छात्र अपना कैरियर बनाने के लिए अपने घरों को छोडते हैं। चूँकि संस्था में सम्पूर्ण भारत के छात्र प्रवेश लेते हैं, अतः स्टूडेंट फैसिलिटी कमिटी (एसएफसी) यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक छात्र को उसके रूची के अनुसार पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन वर्ष भर उपलब्ध कराया जाये, जिसमें उत्तर भारतीय व्यंजन से लेकर दक्षिण भारतीय व्यंजन और चाइनीज व्यंजन, जिसे देखकर मुंह में पानी भर आता है, सभी प्रकार के भोजन उपलब्ध कराया जाता है, ताकि सभी छात्रों को संतुष्ट किया जा सके। कैंटीन सारी रात खुला रहता है, ताकि आधी रात के समय भी छात्रों के भोजन की इच्छा को पूर्ण किया जा सके। समय-सारणी के अनुसार आने-जाने के लिए वाहन भी प्रदान किया जाता है। मनोरंजनात्मक गतिविधियों के लिए विशेष आवागमन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रहरी हॉस्टल की सुरक्षा में संलग्न रहते हैं, इस प्रकार हॉस्टल पूर्णरूप से सुरक्षित रहता है। हाउसकीपिंग और लॉंड्री सेवा नियमित अन्तराल पर उपलब्ध कराई जाती है। एसएफसी यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों को आईआईएम राँची में उनके प्रवास के दौरान वर्ष भर शांति और सुविधा प्राप्त हो।

लिटरेरी और मीडिया पीआर कमिटी

लिटरेरी और मीडिया पीआर कमिटी बहुत ही महत्त्वपूर्ण कार्य का संचालन करता है इस कमिटी के सदस्य दुनिया की आँखों में संस्था के ब्रांड की छवि को प्रतिष्ठापित करने मे अतिमहत्वपूर्ण कार्य का संपादन करते हैं।

लिटरेरी और मीडिया पीआर कमिटी के सदस्यों के मध्य सहयोग की आवश्यकता है ताकि दोनों कमिटियाँ उचित प्रकार से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सके। लिटरेरी कमिटी प्रशासन के साथ-साथ शिक्षण के क्षेत्र के कर्मचारियों से भी विचार विमर्श कर त्रैमासिक न्यूजलेटर और वार्षिक पत्रिका में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का प्रकाशन सुनिश्चित करता है। मीडिया के लिए, पीआर कमिटी मीडिया के साथ संबंधों को बढावा देता है, ताकि आईआईएम राँची द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों का प्रचार हो सके।

एलुम्नी एंड इंटरनेशनल रिलेशनस कमिटी

एलुम्नी एंड इंटरनेशनल रिलेशनस (एआईआर) कमिटी अन्य असंख्य जिम्मेदारियों के साथ, कॉर्पोरेट रिलेशनस कमिटी का भी सहयोगी है। यह संसार के अन्य महत्वपूर्ण बी-स्कूलों के साथ सम्बन्ध स्थापित करने का कार्य करता है, ताकि छात्र स्थानान्तरण कार्यक्रम को लागू किया जा सके, जो प्रसिद्ध बी-स्कूलों के पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वैश्विक परिदृश्य में, विविध संस्कृतियों का अनुभव प्राप्त करना किसी व्यक्तित्व को सशक्त और आकर्षक बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है, और इस महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी इस समिति को सौंपी गई है। यह कमिटी यह भी सुनिश्चित करती है कि आईआईएम राँची ब्रांड को अन्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हो। एलुम्नी कॉलेज के विरासत का एक महत्वपूर्ण भाग है । इसलिए एल्मुनी के साथ नेट्वर्किंग, कार्यशालाओं के माध्यम से एल्मुनी के बीच संवाद-संपर्क को बढ़ावा देना, व एकीकरण और विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम एआईआर कमिटी के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है।

क्लबस्

फिनेस्से - दि फाइनेंस क्लब

फाइनेंस के लिए एक क्लब फिनेस्से की शुरूआत एक छात्र के पहल पर की गई जो छात्रों में फाइनेंस (वित्त) क्वोशन्ट को पुष्ट करने और बढ़ाने के लिए समर्पित है। साथ ही यह इंडस्ट्री के सहयोग से संबंधों के विकास के लिए समर्पित है। फिनेस्से का कार्य छात्रों को फाइनेंस (वित्त) के क्षेत्र की रहस्यों को जानने-समझने में सहायता कर इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करना है। यह अपने सदस्यों को एक प्लेटफार्म प्रदान करता है जिससे कि उन्हें कॉर्पोरेट फाइनेंस (वित्त), कैपिटल मार्केट्स, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, एंड अन्य सम्बंधित क्षेत्र के नवीनतम और अद्यतन ट्रेंड्स और विकास के परिचय, इंडस्ट्री से अपने संबंधों के द्वारा प्रदान करें, और इसके लिए क्लब नवीनतम आर्थिक और वित्त (फाइनेंस) के विषयों पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन करता है। इसके अतिरिक्त क्लब एक त्रैमासिक पत्रिका का भी प्रकाशन करता है, जो विभिन्न सेक्टरों के विश्लेषण और स्टॉक मार्केट से सम्बंधित नवीनतम घटनाओं को प्रकाशित करता है।

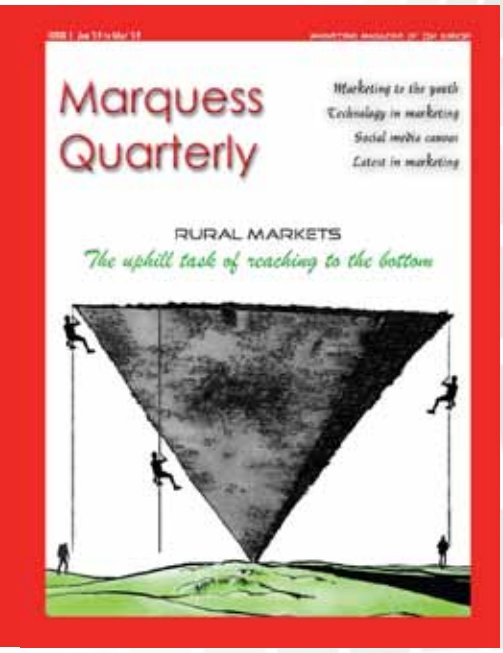

मारक्वेस - दि मार्केटिंग क्लब

मारक्वेस, आईआईएम राँची का मार्केटिंग क्लब, छात्रों में मार्केटिंग की चाहत और रुचि जगाने के लिए समर्पित है और यह संभावित मार्केटिंग (विपणन) मैनेजरों को आवश्यक फिनेस्से (वित्त का आवश्यक ज्ञान) प्रदान करता है। मारक्वेस, विभिन्न सम्मेलनों, क्विजों और कार्यशालाओं के माध्यम से उन संकल्पनाओं और विचारों के प्रकटीकरण पर अपना ध्यान केन्द्रित करता है, जो कंपनियों को उनके ग्राहकों की व्यापक जरूरतों और संकीर्ण इच्छाओं, को पूर्ण करने में सहायक है, जो संस्थाओं के जीवित रहने का सिद्धांत है।

यह क्लब विभिन्न सम्मेलनों, सेमिनारों और बाजार के अनुसन्धान (मार्केट रिसर्च) के कार्यों का आयोजन करता है। मनोरंजन से युक्त विज्ञापन-निर्माण और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता के अलावा, क्लब विभिन्न संस्थाओं का केस एनालिसिस और कंपनियों के लाइव (सजीव) केस स्टडीज के माध्यम से उपयोग में लाये जा रहे उपायों और प्रथाओं का व्यवहारिक सम्पर्क अनुभव प्रदान करता है। इसके साथ क्लब वीकली न्यूजलेटर्स का प्रकाशन भी करता है, और यह अगले वर्ष मार्च से पूर्व अपने त्रैमासिक पत्रिका के प्रकाशन के लिए भी प्रयत्नशील है।

संक्रिया - दि ऑपरेशनस क्लब

एकेडमिक अनुशासन से परे ऑपरेशनस रिसर्च और मैनेजमेंट के क्षेत्र में छात्रों को अवसर और चुनौतियां प्रदान कर, यह क्लब रूचियों को जगाने के लिए प्रयत्नशील रहता है। यह संस्थाओं के वस्तुओं और सेवाओं के निर्माण, उत्पादन, और डिलीवरी के साथ इसके व्यवसायिक जटिलताओं से जुड़ी गतिविधियों को खोजने के लिए प्रयत्नशील रहता है। क्लब साप्ताहिक कार्यक्रमों के आयोजन जैसे प्रस्तुतीकरण, अतिथि व्याख्यान, और उद्योग जगत में विद्यमान विभिन्न प्रथाओं जैसे सिक्स सिग्मा और लीन मैन्युफैक्चरिंग, आदि के द्वारा छात्रों के मन-मस्तिष्क को उत्तेजित करने का प्रयास करता है। यह छात्रों को नए फ्रेमवर्क, मॉडल्स और ट्रेंडस को खोजने का भी अवसर प्रदान करता है। क्लब इंटर और इंट्रा कॉलेज स्तर के केस स्टडीज का भी आयोजन करता है।

गतिविधियाँ

- यह कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्द्धाओं का आयोजन करता है, जिसमें उनके अनुशासन से सम्बंधित व्याख्यान, क्विज और कार्यशालाओं का आयोजन शामिल है।
- यह इच्छुक सदस्यों के लिए अवसरों की खोज करता है ताकि वे अपने अनुशासन विशेष से सम्बंधित लाइव प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकें।

कॉनुन्ड्रम - दि कंसल्टिंग क्लब

आईआईएम राँची का कंसल्टिंग एंड स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट क्लब मैनेजमेंट कंसल्टिंग में एक सफल कैरियर बनाने के लिए बी-स्कूल के वातावरण से एक सहज संक्रमण की सुविधा प्रदान करता है। क्लब छात्रों को कंसल्टिंग इंडस्ट्री से संवाद का पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराता है। कॉनुन्ड्रम प्रतिस्पर्द्धाओं के आयोजन, कक्षाओं में पढ़ाये वाले सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोग के द्वारा, विभिन्न प्रकार के बड़े, मध्यम, और लघु श्रेणी के उद्योग द्वारा सामना किये जाने वाले समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करता है। इसके साथ क्लब कंसल्टिंग इंडस्ट्री (परामर्शी उद्योग) के प्रमुख हस्तियों के द्वारा अतिथि व्याख्यान का भी आयोजन करता है, जिससे कि छात्र इस सेक्टर के विभिन्न कठिनाईयों से परिचित हो सकें।

ई-सेल - एंटरप्रेंयूशिप क्लब

एंटरप्रेन्योर फ्रेंच भाषा से लिया गया एक शब्द है, जिसे सर्वप्रथम अर्थशास्त्री रिचर्ड कैन्तिल्लों ने परिभाषित किया था। जीन बाप्टिस्ट ने 'एंटरप्रेन्योर' शब्द को गढ़ने का कार्य किया था और इसे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया, जो कार्य को अपने हाथों में लेता है। अपने अर्थ (मतलब) के सार के समझते हुए एंटरप्रेंयूशिप क्लब छात्रों के मध्य एंटरप्रेंयूर्शिप को विकसित करने में उत्प्रेरक का कार्य करता है।

आईआईएम राँची का रचनात्मक समकक्ष व्यक्तिओं का दल सोचने-विचारने की प्रक्रिया को उत्तेजित करने की प्रक्रिया का संचालन समान रुचिवाले व्यक्तियों के सामूहिक प्रयासों के द्वारा करता है और इस प्रकार वैसे विचारों के पोषण में सहायता करता है जो नवीन कार्यों को प्रोत्साहित करने में सक्षम हों।

गतिविधियाँ

- सामाजिक और व्यवसायिक योजनाओं के लिए इंटर और इट्रा कॉलेज प्रतिस्पर्द्धाओं का आयोजन
- एंटरप्रेंयूर्शिप कार्यशाला में भाग लेने की उनके रूची को जगाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करना व जागरूकता को बढ़ाना
- एसएमई के साथ कार्य करते हुए संवादात्मक सत्रों का आयोजन करना
- वेंचर कैपिटलिस्ट और एंजेल इन्वेस्टर्स के साथ संवादात्मक सत्रों का आयोजन करना।

समर्पण - दि सीएसआर क्लब

एक न्यायप्रिय, सहिष्णु, और संपन्न समाज की स्थापना और उसके चिरस्थायीकरण के अपने प्रयास में, आईआईएम राँची ने हमेशा ही विभिन्न शेयरधारकों के साथ सहयोग करने पर जोर दिया है। वास्तविक चुनौती समस्याओं को उभारना नहीं है, बल्कि उन समस्याओं की जड़ों को पहचानकर उसके निवारण के लिए कुछ व्यवहारिक और लागू करने योग्य उपायों को सुझाना है, और यह क्लब इसी उद्देश्य की पूर्ति में संलग्न है।

हम स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर का आयोजन करते हैं और वंचित छात्रों के लिए कक्षाओं का संच. ालन करते हैं। समाज में उपस्थित विभिन्न सामाजिक विषयों पर केस स्टडीज का आयोजन किया गया, जिससे कि हम जिस समाज में रहते हैं, उसकी एक सम्पूर्ण रूपरेखा खींची जा सके।

इन प्रमुख क्लबों के अतिरिक्ति, कुछ विशेष रुचि के क्लब जैसे कि सिने क्लब, संगीत क्लब, फोटोग्राफी क्लब भी कैम्पस में सक्रिय हैं, जो छात्रों के रूचि और शौक को पूरा करने का कार्य करते हैं।

अतिथि व्याख्यान

कई अतिथि व्याख्यान का आयोजन वभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध वक्ताओं द्वारा किया गया

- *"एंट्रप्रेनुर्शिप"* प्रोफेसर दीपक श्रीवास्तव फिनलैंड, यूरोप, जुलाई 2011

- *"रिटेल मैनेजमेंट"* प्रोफेसर विद्युत के आचार्य, इंडिपेंडेंट मार्केटिंग एंड मैनेजमेंट प्रोफेशनल, कोलकाता, अगस्त 2011

- *"ऑन गेम थ्योरी"* श्री एस के दास, सितम्बर 2011

- *"टर्नअराउंड (दौर) ऑफ एचईसी"* श्री जी के पिल्लई, सीएमडी, एचईसी, राँची

- *"रिलेवेसं ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशनस फॉर इकनोमिक डेवलपमेंट"* श्री एच सतीश रॉव, पूर्व महानिदेशक, एशियन डेवलपमेंट बैंक, मनीला, फिलिपीन्स।

- *"वर्किंग विथ इमोशनल इंटेलिजेंस एंड प्राइमल लीडरशिप"* डॉ. आर के रॉय, निदेशक, सेंटर फॉर ट्रेनिंग इन प्राइमल लीडरशिप - एशिया, राँची

- *"फ्यूचर ऑफ बैंकिंग क्रिस्टल बॉल गेजिंग"* श्री वी श्रीनिवासन, महाप्रबंधक, पीएनबी, चेन्नई

- *"ईवीपी एंड हेड-सप्लाई चेन, वोडाफोन"* श्री वी.के.एम. रेड्डी,12 अक्टूबर 2012

- श्री श्रमण झा, एसवीपी एनआईआईटी, 24 अक्टूबर 2011

- *"अन्लेशिंग दि पोटेंशियल इन यू"* श्री एलेन सिक्वि. रा एग्जीक्यूटिव वाईस प्रेसिडेंट- ग्रुप एचआर महिंद्रा ग्रूप, 10 नवम्बर 2011

- *"इन्वेस्टमेंट बैंकिंग"* श्री अभिषेक भगत, एमडी, एलारा कैपिटल, 13 नवम्बर 2011

- *"बिजनेस मेगा ट्रेंड्स एंड एचआर 2020"* श्री नदीम काजिम, निदेशक (एचआर - परसोंनेल), एक्साइड इंडस्ट्रीज लि. कोलकाता, 14 नवम्बर 2011

- *"नेचर, एनवायरनमेंट एंड डिजास्टर मैनेजमेंट"* श्री बी. के. भारत भूषण एंव सुश्री बी के जया, ब्रह्म कुमारी, 15 नवम्बर 2011

- *"कोल्लेबोट ओर पेरिशः हाउ आईटी इस एनेब्लिंग न्यू बिजनेस स्ट्रक्चरस"* डॉ. के विश्वा विश्वनाथन, 22 नवम्बर 2011

- *"सोशल मीडिया मार्केटिंग"* डॉ. मोहन लाल अग्रवाल, प्रोफेसर ऑफ मार्केटिंग, आईएमटी दुबई, 2 दिसंबर 2011

- *"इनर डेवलपमेंट"* प्रोफेसर रामनाथ नारायणस्वामी, प्रोफेसर ऑफ इकोनॉमिक्स एंड सोशल साइंसेज, आईआईएम बंगलौर 6 -7 दिसम्बर 2012

- *"इंटरनेशनल प्रोजेक्ट मैनेजमेंट"* प्रोफेसर बिनय आनन्द, मेनेजर, इंजीनियरिंग सिस्टम्स, शिकागो ब्रिज एंड आयरन, ह्यॉस्टन, टेक्सास, 15 दिसंबर 2011

- *"लीडरशिप डेवलपमेंट"* श्री दीपक भरारा, निदेशक - कॉर्पोरेट एचआर, लैंको इन्फ्राटेक लि. 4 जनवरी 2012

- *"डाटा डेवलपमेंट"* प्रोफेसर सुभाष सी रे, प्रोफेसर ऑफ इकोनॉमिक्स, कनेक्टिकट विश्वविद्यालय, यूएसए, 2 - 3 जनवरी 2012

उद्योग सहभागिता (कोलोक्कियम)

आईआईएम राँची ने अपने अद्वितीय संकल्पना के अंतर्गत कोलोक्कियम 2011 का आयोजन किया ताकि इसके छात्रों के लिए कॉर्पोरेट संवादों के अवसरों में वृद्धि हो सके।

कुछ प्रसिद्ध गणमान्य अतिथि जिन्होंने कोलोक्कियम 2011 में भाग लिया

श्री अनूप बागची,
एमडी एंड सीईओ, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज

श्री अजय गर्ग,
फौन्डर एंड एमडी इक्विरस कैपिटल

श्री मार्कंड खताव्कर,
हेड - एचआर, डियूक बैंक

श्री अतुल सिन्हा,
वीपी - न्यू बिजनेस डेवलपमेंट, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज

श्री एम किशोर गांधी,
एमडी, जे पी मॉर्गन

श्री राजेश पद्मनाभन,
हेड - एचआर, कैपजेमिनी

श्री गजेन्द्र नागपाल,
फौन्डर एंड सीईओ, यूनिकॉन फाइनेंश्यिल इंटरमीडियरीज

श्री एसवी नाथन,
डाइरेक्टर - टैलेंट, डेलोइट

सुश्री गीतू वर्मा,
एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, पेप्सिको

श्री एलेन सिक्विरा
ईवीपी- एचआर, महिंद्रा एंड महिंद्रा

श्री संजेश ठाकुर,
पार्टनर, ई एंड वाई

श्री के श्रीराम,
प्रेसिडेंट - सेल्स एंड मार्केटिंग, पीडीलाईट इंडस्ट्रीज

श्री अभिषेक भगत,
एमडी, एलोरा कैपिटल

श्री श्रमण झा,
एसवीपी, एनआईआईटी

श्री भास्कर प्रसाद,
एसवीपी, सिटीबैंक

सुश्री रेवती कस्तुरे,
हेड ऑफ रिसर्च, केयर रेटिंग

श्री एन ई श्रीधर,
सीनियर मैनेजर - बिजनेस एक्सलेंस, टाइटन इंडस्ट्रीज

श्री अजोय लोधा,
पार्टनर, सिंघी एडवाइजरस

श्री पल्लव सिन्हा,
फौन्टर एंड सीईओ, फुल्लरटोन सिक्योरिटीज

सुश्री सांड्रा मॉटिरस
डिप्टी सीईओ, सोसाईट जेनरल

सुश्री शैली गुप्ता,
ग्रुप एचआर हेड, एडेलवीस कैपिटल

श्री घनश्याम दास खंडेलवाल
डायरेक्टर एंड हेड, स्ट्रेटेजिक ट्रेन्जेक्शसं ग्रुप (इन्वेस्टमेंट बैंकिंग), एचएसबीसी

श्री उत्कर्ष मजुमदार,
वीपी ग्लोबल रिसर्च (इक्विटी रिसर्च), एचएसबीसी

श्री आलोक मोहापात्रा,
डायरेक्टर, बीएनपी परिबास

श्री गणेसन अम्पलावानर,
एग्जीक्यूटिव वाईस प्रेसिडेंट, नेस्ले इण्डिया

श्री मनीष सिन्हा,
निदेशक - एचआर, बेक्टन डिकिन्सन

श्री अरूण नागराजन,
हेड , फोरेक्स एंड डेरिवेटिव्स, कोटक महिंद्रा बैंक

श्री वीकेएम रेड्डी,
ईवीपी एंड हेड - सप्लाई चेन, वोडाफोन

श्री नदीम काजिम,
निदेशक (एचआर एंड परसोनेल), एक्साइड इंडस्ट्रीज

सम्मेलनों, कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन

आरम्भ

प्रथम इंटर-कॉलेज कार्यक्रम, आरम्भ का आयोजन दिनांक 15 अगस्त 2011 को किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता की भावना को सशक्त बनाते हुए, युवा और उत्साही दिलों को उनके देश प्रेम और आदर के भाव को प्रकट करने के लिए एक प्लेटफार्म प्रदान करना है। इसका आरम्भ "फ्रीडम रन" एक पांच किलोमीटर के मैराथन दौड़ के साथ आरम्भ हुआ। झंडोत्तोलन के बाद अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम के तुरन्त बाद, राँची के आस-पास के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने एक चित्रकारी प्रतियोगिता "मन की उड़ान" में भाग लिया। इसके बाद एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता "कॉनुन्ड्रम" का आयोजन किया गया। एक्सएलआरआई, एक्सआईएसएस, आईसीएफएआई, बीआईटी मेसरा आदि के छात्रों ने इस प्रतियोगिता मे भाग लिया। इसके बाद प्रतियोगिता ने अधिक गंभीर और विचारोत्तेजक दौर में प्रवेश किया, जिसका शीर्षक था "वॉर ऑफ वर्ड्स"। अंत में एक नाटक, "हम एक है" का मंचन किया गया, जिसने बड़ी खूबसूरती से भारतीयों के मध्य एकता की भावना को प्रदर्शित किया।

हिन्दी पखवाड़ा

भारत सरकार के निर्देश के आलोक में, आईआईएम राँची ने भी दिनांक 13 अक्टूबर 2011 से शुरू करते हुए हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया।

पखवाड़े के दौरान, विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन संस्था के कर्मचारियों और छात्रों के मध्य किया गया, ताकि हिन्दी को कार्यालयी भाषा के रूप में प्रोत्साहित किया जा सके। वहां प्रतिस्पर्द्धाओं जैसे एक्स्टेम्पोर, डिक्टेशन, रिसाइटेशन और क्रॉस-वर्ड का आयोजन पृथक रूप से छात्रों और कर्मचारियों के लिए किया गया।

पखवाड़े का उद्घाटन संस्था के निदेशक प्रोफेसर एम जे जेवियर ने किया। उद्घाटन समारोह के दौरान एक सामान्य ओपन हाउस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन छात्रों और कर्मचारियों के लिए किया गया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समाप्ति समारोह के अवसर पर हिन्दी गानों की एक 'अन्ताक्षरी' का आयोजना किया गया, जिसमें 5 टीमों ''सा रे गा मा पा'' (3 टीम छात्रों की ओर से और 2 कर्मचारियों की ओर से) ने भाग लिया। विजेता और प्रथम रनर अप छात्रों की टीम रही, जबकि
द्वितीय रनर अप कर्मचारियों की टीम रही।

समाप्ति समारोह के दौरान अन्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं को व्यक्तिगत ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। निदेशक प्रोफेसर जेवियर, डीन प्रोफेसर सुबीर वर्मा, और महाप्रबंधक (प्रशासन), श्री राजेश ई पात्रो, ने उपस्थित दर्शकों को संबोधित किया और देश के कार्यालयी भाषा के रूप में हिन्दी के महत्त्व को रेखांकित किया। इन सभी कार्यक्रमों का डिजायन, योजना और आयोजन प्रशासकीय अधिकारी श्री जी. जिलानी के द्वारा किया गया।

सभी कार्यक्रम बहुत अधिक सफल सिद्ध हुए और छात्र समुदाय तथा कर्मचारियों ने इसकी बहुत प्रशंसा की। मीडिया को भी आमंत्रित किया गया था, और उसने प्रशंसा के साथ सभी कार्यक्रमों का बेहतर कवरेज किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन केन्द्रीय सतर्कता आयोग के द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाता है। दिनांक 14 नवम्बर 2011 को आईआईएम राँची के सभी कर्मचारियों ने एक प्रतिज्ञा ली।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के आयोजन से सरकारी विभागों, संस्थाओं, और लोगों के बीच जागरूकता का विकास होता है और यह उन्हें प्रत्येक स्तर पर भ्रष्टाचार को रोकने के लिए प्रेरित करता है। यह वर्तमान व्यवस्था को भ्रष्टाचार निरोधक उपायों को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे कि प्रशासन में पारदर्शिता और जिम्मेदारी को बनाये रखा जा सके। इस सप्ताह का मुख्य उद्देश्य भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण करना है।

कैंडल लाइट मार्च

आईआईएम राँची ने दिनांक 19 नवम्बर 2011 को एक कैंडल लाइट मार्च का आयोजन श्री मंजुनाथ शंमुगम की स्मृति में किया, जो आईआईएम लखनऊ के अल्मुनी थे, और वे भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई में शहीद हो गये। उन्होंने घूस लेने से इंकार कर दिया और तेल में मिलावट करने वालों के धमकियों से नहीं डरे। आईआईएम राँची के सभी छात्रों ने इस कैंडल लाइट मार्च में भाग लिया और उन्होंने अपने जीवन में सच्चाई और ईमानदारी के नैतिक मूल्यों को बनाये रखने की प्रतिज्ञा की। शपथ का निर्देशन आईआईएम राँची के निदेशक प्रोफेसर एम जे जेवियर ने किया, जिन्होंने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में पारदर्शिता और अखंडता के महत्त्व को रेखांकित किया। मंजुनाथ की अखंडता को सलाम करते हुए, आईआईएम राँची ने आईआईएम संस्था के सभी छात्रों के साथ अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया।

चेंज दि माइंड - माइंड दि चेंज

दिनांक 19 नवम्बर 2011 को आईआईएम राँची एवं सेन्ट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ साइक्याट्री राँची के संयुक्त तत्वाधान में "न्यूरो मैनेजमेंट" पर एक विशेष कार्यशाला जिसका शीर्षक "चेंज दि माइंड - माइंड दि चेंज" का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को इस नये व विशिष्ट क्षेत्र में विकास कार्यों की झलक प्रस्तुत करने के साथ आईआईएम राँची एवं सेन्ट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ साइक्याट्री राँची के द्वारा संयुक्त रूप से किये जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी देना था।

कार्यक्रम और कवरेज :

- आईआईएम राँची के निदेशक प्रोफेसर एम जे जेवियर ने स्वागत भाषण दिया।
- सेंट्रल इंस्टिट्युट ऑफ साइक्याट्री, राँची के निदेशक डॉ. एस हक निजामी ने मुख्य अतिथि के रूप में दर्शको को संबोधित किया।
- सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ साइक्याट्री के डॉ. निशांत गोयल ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्गार व्यक्त किये।
- दैनिक भास्कर, राँची के श्री अमित धवन ने भी दर्शकों को संबोधित किया।
- आईआईएम राँची के डीन प्रोफेसर सुबीर वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

न्यूरो-मार्केटिंग स्टडी इन इंडिया के निष्कर्ष

डॉ दीपाली सिंह, इन्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, ग्वालियर।

न्यूरो-मैनेजमेंट - ए रिसर्च एजेंडा

सुश्री जया मेहरोत्रा, फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट - आईआईएम राँची और श्री अजित मेनन, डेंट्सु एडवरटाइजिंग, बंगलौर।

ट्रान्संडेटल मैडिटेशन - न्यूरो इफेक्ट

डॉ. लेन वेग्गर, अन्तराष्ट्रीय निदेशक, महर्षि कॉर्पोरेट डेवलपमेंट प्रोग्राम, नई दिल्ली।

एमएसएमई कार्यशाला

दिनांक 7 दिसम्बर 2011 को एमएसएमई सेक्टर के विभिन्न शेयरधारकों का एक समूह जैसे बैंकर्स, बुद्धिजीवी, और सरकारी अधिकारियों ने एमएसएमई सेक्टर के विभिन्न अवसरों और इसके समक्ष उत्पन्न विभिन्न समस्याओं को सुलझाने के लिए एक सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का आयोजन आईसीसी (इंडियन चौंबर ऑफ कॉमर्स) के द्वारा किया गया था और इसे "एमएसएमई लिंकेज एंड पार्टनरशिप, एम्पावरिंग स्माल बिजनेस विथ स्पेशल फोकस टु ईस्टर्न इण्डिया" के नाम से संबोधित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखण्ड के उप-मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन थे जिन्होंने एमएसएमई के द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में योगदान को रेखांकित किया। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को आश्वस्त किया कि सरकार इस सेक्टर को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एचआर कॉन्क्लेव (सम्मलेन)

आईआईएम राँची ने अपने वार्षिक एचआर कॉन्क्लेव (सम्मेलन) का आयोजन दिनांक 10 दिसम्बर 2011 को "होलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमेन कैपिटल" विषय पर किया। सम्मेलन को कॉर्पोरेट के साथ-साथ एचआर क्षेत्र के प्रसिद्ध हस्तियों की उपस्थिति ने यादगार बनाया। वर्ष 2012 से आईआईएम राँची एक 2 वर्षीय पीजीडीएचआरएम कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। यह देश का प्रथम आईआईएम है जो एचआर के लिए समर्पित कार्यक्रम की शुरूआत करने जा रहा है। विचार-विमर्श को एक्सएलआरआई के एकेडमिक-डीन डॉ. प्रनाबेश रे ने अधिक आकर्षक बनाया, उन्होंने विश्व के प्रतिष्ठित मैनेजमेंट संस्थानों में अध्यापन किया है। उद्घाटन भाषण आईआईएम राँची के निदेशक प्रोफेसर एम जे जेवियर ने दिया। उन्होंने अपने भाषण में विभिन्न क्षेत्रों में संस्थाओं की बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुरूप एचआर के समक्ष उभरती हुई चुनौतियों पर बल दिया।

आईआईएम राँची का प्रथम बैच वर्ष 2012 में ग्रेजुएट हो जाएगा और एक छात्र कॉलेज के वातावरण से कॉर्पोरेट जगत में पदार्पण के दौरान जिन चुनौतियों का सामना करता है, उसके बारे में भी सम्मलेन में विचार-विमर्श किया गया। श्री. योगेश मारिवाल्ला, इंडेक्स एडवाइजरी के संस्थापक ने इंडस्ट्री से जुड़ने से पहले एक व्यक्ति विशेष के विभिन्न कौशलों को विकसित करने तथा उसके मुख्य योग्यताओं को समझने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री असित मोहापात्रा, एचआर के निदेशक, रेमंड लि. ने संस्थाओं के यथास्थिति की चुनौतियों को रेखांकित करते हुए कहा कि संस्था के सकल उत्पादकता में बढ़ोतरी के लिए नये विचारों का समावेश आवश्यक है।

3आई-इन्फोटेक के वरिष्ठ महाप्रबंधक और हेड-एचआर सुश्री अल्का तिवारी ने एचआर क्षेत्र में आधुनिक मुद्दों और संघर्षों को रेखांकित किया। व्यवसाय की निरन्तर परिवर्तनशील आवश्यकताओं के कारण एचआर मैनेजरों द्वारा सामना किये जाने वाले चुनौतियों के बारे में बताया। श्री मानस पांडा, एसएआईएल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने संक्षेप में अत्यंत महत्वपूर्ण पूंजी और संसाधनों के मध्य अंतर को रेखांकित किया और इन तथ्यों की विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से पुष्टि की। उन्होंने एक पीएसयू में कार्य करने वाले एचआर के समक्ष आने वाले जटिलताओं के बारे में बात की। आईआईएम राँची के डीन प्रोफेसर सुबीर वर्मा ने समापन भाषण दिया। आईआईएम राँची इस आयोजन को आने वाले वर्षों में महान उंचाई पर पहुँचाने की कामना करता है।

समर्पण

"समर्पण", एक सेमिनार-सह-पेपर प्रस्तुतीकरण प्रतिस्पर्द्धा, आईआईएम राँची का वार्षिक सामाजिक जिम्मेदारी का कार्यक्रम है। इसका उद्घाटन दिनांक 18 दिसम्बर 2011 को आईआईएम राँची के निदेशक प्रोफेसर एम जे जेवियर ने किया और उद्घाटन भाषण आईआईएम राँची के डीन प्रोफेसर सुबीर वर्मा ने दिया। पाठ्यक्रम "व्यवसाय का सामाजिक पहलू" के एक भाग के रूप में आईआईएम राँची के प्रथम वर्ष के छात्रों को झारखण्ड राज्य में विद्यमान सामाजिक समस्याओं पर एक प्रोजेक्ट प्रस्तुत करना आवश्यक है। संस्था तीन श्रेष्ठ प्रोजेक्टस का चयन कर उसे समर्पण के सार्वजनिक क्षेत्र में प्रस्तुत करेगी। इन समस्याओं पर पेपर झारखण्ड के समस्त कॉलेजों से आमंत्रित किया गया, ताकि झारखण्ड के प्रतिभावान छात्रों को इस विषय पर विचारों से अवगत किया जा सके।

एक न्यायप्रिय, सहिष्णु और संपन्न समाज की स्थापना और उसके चिरस्थायीकरण के अपने प्रयास में, आईआईएम राँची ने हमेशा ही विभिन्न शेयरधारकों के साथ सहयोग करने पर जोर दिया है। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है,

"समर्पण" उन सभी महान आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि है जिन्होंने मानवजाति को आगे बढ़ाने का उत्साह और साहस दिखाया, साथ ही यह उन लोगों के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने का माध्यम भी है जो हमारे समाज में विद्यमान तीव्र विभाजन के कारण निरंतर पीड़ित और शोषित होते आये हैं। झारखण्ड, जहाँ खनिजों और अन्य दुर्लभ पदार्थों का सर्वाधिक भंडार है, भारत के विकास की गति के साथ कदम मिलाकर चलने में असफल रहा है। झारखण्ड अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है और कुछ सीमा तक ये चुनौतियाँ सभी लोगों को ज्ञात हैं। इस वर्ष जिन 3 विषयों का चयन किया गया, उनमें शामिल है, जादूगोड़ा के लोगों पर यूरेनियम उत्खनन का प्रभाव, एचईसी के परिसर से लोगों का विस्थापन, और झारखण्ड में ग्रामीण शिक्षा के समक्ष चुनौतियाँ।

आईआईएम राँची को झारखण्ड के श्रेष्ठ कॉलेजों से अत्यधिक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इसने इन विषयों पर 40 से अधिक पेपर प्राप्त किये, जिसमें से 12 पेपर का चयन जजों के विद्वान समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए किया गया, जिसमें शामिल थे राँची विश्विद्यालय के प्रोफेसर रमेश शरण, और आईआईएम राँची के प्रोफेसर अमरेन्दू नंदी। प्रस्तुतीकरण के एक कठिन दौर के बाद प्रश्न-उत्तर का दौर चला और तब जाकर दो सर्वश्रेष्ठ पेपर का चयन किया गया। प्रथम पुरस्कार बीआईटी लालपुर के छात्रों ने जीता और द्वितीय पुरस्कार उषा मार्टिन अकादमी के छात्रों को दिया गया। तृतीय और चतुर्थ पुरस्कार क्रमशः झारखण्ड के केन्द्रीय विश्वविद्यालय और आईआईटी रुरकी के छात्रों ने जीता।

आईआईएम राँची झारखण्ड राज्य के सामाजिक समस्याओं को सुलझाने के अपने अथक प्रयासों के अंतर्गत दो सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुत करेगा, जो भविष्य में झारखण्ड सरकार को क्रियान्वयन के लिए व्यवहारिक सुझाव प्रदान करेगा। आईआईएम राँची सर्वश्रेष्ठ सिफारिशों को केंद्र सरकार को भेजने की योजना पर कार्य कर रहा है, जिसका क्रियान्वयन केंद्र सरकार के क्षेत्राधिकार में आता है। आईआईएम राँची का लक्ष्य इस कार्यक्रम को आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की योजना है, जहाँ राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों पर चर्चा की जायेगी।

नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) का उद्घाटन

भारतीय प्रबंध संस्थान राँची, एनकेएन (एचआरडी मंत्रालय के अधीन भारत सरकार का एक कार्यक्रम) का एक भाग बन चुका है, जिसका लक्ष्य अन्य आईआईएम और आईआईटी के साथ अविलम्ब कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है, जिससे एकेडमिक विचारों का आदान-प्रदान सुगमता से हो सके। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए, आईआईएम राँची को एनकेएन का 100 एमबीपीस का बैंडविड्थ उपलब्ध कराया गया है, जिसमें रेलटेल सर्विस (सेवा) प्रदाता की भूमिका निभा रहा है। यह नेटवर्क ज्ञान के आदान-प्रदान को वर्चुअल कक्षा, पुस्तकालय के संसाधन, अत्यंत तीव्र गति से इन्टरनेट ब्राउजिंग और अन्य एकेडमिक गतिविधियों के बारे में सूचनाओं का आदान-प्रदान आरम्भ में आईआईएम और आईआईटी के साथ उपलब्ध कराएगा और भविष्य में इसे संसार के अन्य विश्वविद्यालयों और संस्थाओं तक उपलब्ध कराने की योजना है। एक न्यूरो-मैनेजमेंट और अन्य विशेष कोर्स को आरम्भ करने के लिए सभी व्यवस्थाओं के उपलब्ध होने के साथ, आईआईएम राँची से एनकेएन के माध्यम से जुड़ने वाली संस्थाएं भी लाभान्वित होंगी। यह सुविधा प्रसिद्ध संस्थाओं में पहले दिए जा चुके व्याख्यानों तक पहुँचने में भी सहायता करेगा। एनकेएन का उद्घाटन श्री सुबास पाणी (आईएएस), आईआईएम-राँची के शासी बोर्ड के माननीय सदस्य ने दिनांक 19 दिसम्बर 2011 को किया। उद्घाटन के उपरांत, प्लेटफार्म पर उपस्थित सदस्यों ने डीजी एनआईसी, नई दिल्ली के साथ विचार-विमर्श किया।

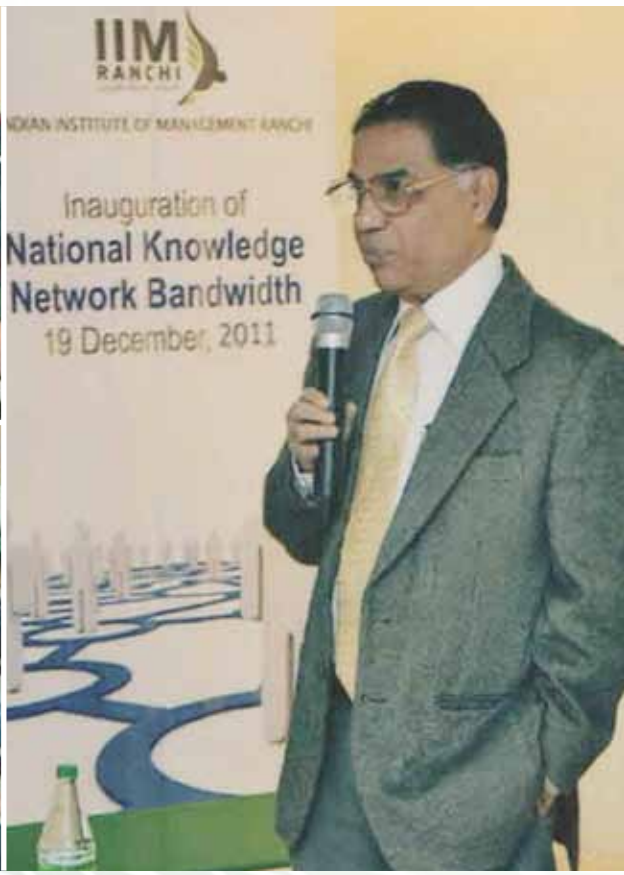

टीईडीएक्स

आईआईएम राँची ने अपने वार्षिक टीईडीएक्स, एक अन्तराष्ट्रीय सम्मलेन के उद्घाटन का आयोजन दिनांक 19 फरवरी 2012 को सफलतापूर्वक किया। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ वक्ताओं ने मुख्य विषय "कैटेलाइजिन्ग चेंज" पर अपने विचार और दृष्टिकोण को पेश किया। एक टीईडीएक्स कार्यक्रम स्वतंत्र रूप से आयोजित टीईडी कार्यक्रम है।

वक्ताओं की सूची में डॉ. अजय कुमार - संसद सदस्य, जमशेदपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, श्री एन. के. चौधरी - जयपुर रग्स के संस्थापक, श्री मार्क जोसफ इंग्लिस - पर्वतारोही (न्यूजीलैंड से दोहरे एम्प्युटी), अनुसंधानकर्ता, वाइनमेकर और प्रेरक वक्ता, श्री फ्रान्ज गास्ट्लेर - "युवा" (एक गैर-सरकारी संगठन) के संस्थापक, सुश्री उर्वशी बुटालिया - इन्डियन फेमिनिस्ट एंड इतिहासकार एवं ''काली फॉर वुमेन''- भारत के प्रथम नारीवादी प्रकाशन संस्था की निदेशक और सह-संस्थापक, श्री नलिन कोहली - भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और एक शिक्षाविद, सुश्री ऐश्वर्या नटराजन - ब्रिटिश काउंसिल का लोकप्रिय 'यंग क्रियेटिव म्यूजिक अवार्ड' विजेता, सुश्री पार्वती मेनन - एमडी, इनोवेशन अल्केमी, श्री महेश नायक - आर्गेनिक आर्किटेक्ट, सुश्री स्वेता मंगल - सह-संस्थापक एवं सीईओ, दि डायल 1298 फॉर एम्बुलेंस प्रोजेक्ट, स्वामी स्मरानानन्द गिरी, योगोदा सत्संग ऑफ इंडिया के महामंत्री और प्रेमलता अग्रवाल शामिल थे।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम (मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम)

लीन सिक्स सिग्मा येल्लो बेल्ट ट्रेनिंग

"लीन सिक्स सिग्मा येल्लो बेल्ट ट्रेनिंग" पर एक दो दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम (मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम) का आयोजन 4 - 5 अगस्त 2011 को होटल रैडिसन ब्लू, राँची में किया गया।

इस कार्यक्रम को सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से बहुत ही बढ़िया प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और इसमे विभिन्न कम्पनियों जैसे सेंट्रल कोल फील्डस लि. (सीसीएल), सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाईन इंस्टिट्यूट लि. (सीएमपीडीआई), स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआईएल), बोकारो स्टील प्लांट, महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट (एमएनआरईजीए), टाटा स्टील, बैंकिंग और प्रिंट मीडिया सेक्टर ने भाग लिया।

एडिन्बर्ग नेपियर विश्वविद्यालय के बिजनेस स्कूल में ऑपरेशनस एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट के व्याख्याता डॉ. मनीष कुमार ने पाठ्यक्रम संयोजक की भूमिका का निर्वहन किया। उनके अन्य डिग्रियों में शामिल हैं: ग्लासगो कैलेडोनियन विश्वविद्यालय से मास्टर्स इन रिसर्च (2005) और मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियरिंग राँची विश्वविद्यालय, भारत से बी.टेक (2004)। वे एएसक्यू, ईयूआरओएमए, सीएमआई, आईएसपीक्यूआर, और बीएएम के सक्रिय सदस्य है।

कार्यशाला का लक्ष्य संसाधनों के बेहतर उपयोग और इनवेंटरी मैनेजमेंट के माध्यम से एग्जीक्यूटिवस को प्रशिक्षित करते हुए उनके कार्यक्षमता में सुधार लाना था। सिक्स सिग्मा एक अच्छी तरह से स्थापित प्रक्रिया है, जो व्यवसाय में कमियों, गलतियों या असफलताओं को पहचानने और उन्हें निर्मूल करने पर जोर देता है, और इसके लिए वह उन प्रक्रियाओं के प्रदर्शन के गुणों पर ध्यान केन्द्रित करता है, जो ग्राहकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। लीन स्ट्रेटेजी पहले से आजमाये हुए उपकरणों और तकनीकों का एक समुच्चय प्रदान करता है, जो समय, इनवेंटरी, सेट-अप टाइम, उपकरण के रूकने का समय, स्क्रैप, पुनर्निमाण और कारखाने में छिपे हुए अन्य कूड़ा-कचड़ा को खोजने में लगने वाले समय को कम करता है। दो सिस्टम को एकीकृत कर दोनों सिस्टमों द्वारा अकेले कार्य करने की तुलना में बेहतर परिणाम प्राप्त किया जा सकता है। जबकि, लीन स्ट्रेटेजी संस्था में बेकार और गैर-उत्पादक गतिविधियों के उन्मूलन में सहायता करता है, वहीं सिक्स सिग्मा सांख्यिकीय उपकरणों और तकनीकों के माध्यम से किसी संस्था की कार्यक्षमता और योग्यता को सुधारने में सहायता करता है।

परामर्शी परियोजनाएं

एमईसीओएन

आईआईएम राँची और एमईसीओएन ने सहयोग के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया, जिसके अनुसार आईआईएम राँची एमईसीओएन के नॉलेज पार्टनर (सहयोगी) के रूप में एमईसीओएन के विभिन्न गतिविधियों में उसे सहयोग प्रदान करेगा। सामान्य और क्रियात्मक प्रबंधन क्षेत्रों के अंतर्गत इस सहयोग संन्धि में विभिन्न प्रकार के गतिविधियों का समावेश होगा। परियोजना टीम में डॉ. एम जे जेवियर और डॉ. जी. आर. चंद्रशेखर शामिल हैं।

झारखण्ड सरकार के पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग ने दो परामर्शी परियोजनाएं प्रदान की है।

पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग का जीर्णोद्धारः प्रथम परियोजना विभाग के कार्यप्रणाली को इस प्रकार से सुधारने पर केन्द्रित है कि यह विभाग उच्च प्रदर्शन करने वाली संस्था के रूप में उभरे। परियोजना का तैयार करने की दिशा में निर्देशित हैंः (1) एक समग्र एचआर नीति निर्माण की दिशा में केन्द्रित करना जिसमें कार्य के प्रोत्साहन से जुड़े सभी मुद्दें, जैसे पदोन्नति, कैरियर डेवलपमेंट, ट्रान्सफर और प्रदर्शन प्रबंधन (2) एक प्रशिक्षण नीति जो कर्मचारियों के मानसिकता में परिवर्तन का सूत्रपात कर सके और (3) एक सुझाव योजना ताकि संस्था में प्रक्रिया और डेलिवरी से जुड़े हुए सुधारों को लागू किया जा सके।

पेयजल के प्रभाव का निर्धारणः दूसरी परियोजना केंद्रीय स्पॉन्सर्ड नेशनल रूरल ड्रिंकिंग वाटर प्रोग्राम (एनआरडीडब्ल्यूपी) और टोटल सैनिटेशन केंम्पैन (टीएससी) है जिसका उद्देश्य झारखण्ड राज्य में स्वच्छता और पेयजल की उपलब्धता और उपयोग की गति के निर्धारण पर केन्द्रित है। यह अध्ययन पेयजल कार्यक्रम और स्वच्छता केंम्पैन का स्वास्थ्य, शिक्षा, लिंग सशक्तिकरण, ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक समावेशन पर प्रभावों का भी अध्ययन करेगी। अंततः यह अध्ययन समय के साथ इस व्यवस्था के टिकाउपन और स्थायित्व और पेयजल के उपयोग और स्वच्छता सुविधाओं का निर्धारण करने का प्रयत्न करेगा। आईआईएम राँची के परियोजना टीम में प्रोफेसर एम जे जेवियर, प्रोफेसर सुबीर वर्मा और प्रोफेसर अमित सचान शामिल हैं।

जिला और प्रखंड स्तर के अधिकारीयों को प्रशिक्षण

झारखण्ड सरकार ने आईआईएम राँची को एक परियोजना सौंपी है, जिसके अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा विभाग के जिला और प्रखंड दोनों स्तर पर लगभग 100 अधिकारियों को अपने कार्यों की योजना बनाने, उसे व्यवस्थित करने और क्रियान्वित करने के लिए प्रशिक्षित करना है। इन अधिकारियों के विभिन्न कार्यों में इन्फ्रास्ट्रक्चर, विद्यालय, शिक्षकों के सेवाओं की शर्तो के साथ-साथ अन्य प्रमुख योजनाओं का प्रबंध करना भी शामिल है।

नियत कार्य के लिए दृष्टिकोण कार्यक्रम की रूपरेखा का निर्धारण झारखण्ड राज्य के प्राथमिक शिक्षा विभाग की मुख्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया गया है। इस कार्यक्रम के लिए हमने दो चरणों में कार्यक्रम को प्रस्तावित किया है।

परियोजना का संचालन दो चरणों में किया जायेगा। प्रथम चरण मे आवश्यकता निर्धारण अध्ययन और द्वितीय चरण प्रशिक्षण कार्यक्रम की डेलिवरी होगी।

जो टीम इस आवश्यकता निर्धारण अध्ययन का संचालन करेगी, उसमें प्रोफेसर अमरेन्दू नंदी, प्रोफेसर जी आर चंद्रशेखर और प्रोफेसर एम जे जेवियर शामिल होंगे।

राँची के विषय में

परम्पराओं का शहर

राँची झारखंड राज्य की राजधानी है और भारत के राष्ट्रीय खनिज संसाधनों का लगभग अठारह प्रतिशत भाग इस शहर में स्थित हैं। यह छोटानागपुर घाटी में समुद्र तल से लगभग 2,150 फीट की ऊँचाई पर स्थित हैं। एक परिपूर्ण चित्र के समान यहाँ झरने, पहाड़ियां, और हरी-भरी घाटियाँ स्थित हैं। अपने शांत और मनोरम वातावरण और ऐतिहासिक महत्व के विभिन्न आकर्षणों ने इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में प्रतिष्ठित किया हैं।

राँची अपने प्राकृतिक परिवेश और स्फूर्तिदायक पहाड़ी हवा के कारण तत्कालीन विहार राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी और स्वास्थ्य रिसॉर्ट हुआ करता था। भारत के स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, राँची का निरंतर विकास होता रहा और इस शहर में तथा इसके आस-पास अनेकों औद्योगिक कल-कारखानें स्थित थे। वर्तमान समय में, यह झारखण्ड और अधिकांश पूर्वी भारत का वाणिज्यिक और व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बन चुका है और अन्य दो औद्योगिक टाउनशिप जमशेदपुर और बोकारो के साथ मिलकर यह झारखण्ड राज्य के औद्योगिक संरचना को पूर्ण करता हैं।

यह झारखंड के सभी कोनों और पड़ोसी राज्यों से आये हुए मेहनती और उद्यमी लोगों का शहर है। हमेशा औद्योगिक केंद्र के रूप में विख्यात शहर, हाल के वर्षों में सेवा उद्योग में तीव्र विकास का गवाह भी रहा है, जिसमें विपणन, मीडिया, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि शामिल हैं। देश की अर्थव्यवस्था के भविष्य के महाशक्ति के रूप में राँची की क्षमता को उद्योग और सरकार द्वारा समान और विधिवत रूप से मान्यता दी गई है, और रांची दोनों क्षेत्रों से महत्वपूर्ण निवेश प्राप्त कर तेजी से एक आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। आगामी भारतीय शहरों के बीच सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार सृजन में सबसे अधिक विकास दर प्राप्त करने की अपनी उपलब्धि पर गर्व करते हुए, राँची अपने लोगों की गतिशीलता के कारण एक धमाकेदार शहर के रूप में जबरदस्त परिवर्तन का साक्षात्कार किया है और यह भारत के भविष्य का शहर है।

इस शहर का नामकरण स्थानीय पक्षी 'रिन्ची' के नाम पर किया गया है, जो मुख्य रूप से राँची के 'पहाड़ी मंदिर' के आस-पास पाई जाती हैं।

छोटानागपुर पठार के दक्षिणी भाग में स्थित, राँची प्रचुर मात्रा में स्पृहणीय प्राकृतिक सुंदरता और सुरम्य वातावरण से संपन्न है। यहाँ अनेक 'जलप्रपात और झीलें' है। अपनी पहाड़ी स्थलाकृति के कारण, यहाँ की जलवायु वर्ष भर सुखद रहती है।

राँची को प्राकृतिक ने बहुतायत में खनिज संसाधनों का वरदान दिया है और इसी कारण इसे पूर्व के 'मैनचेस्टर' के रूप में जाना जाता है।

राँची अच्छी तरह से मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, बेंगलूर और चेन्नई जैसे अन्य मेट्रो शहरों से जुड़ा हुआ है।

रांची परंपराओं का नगर

IIM
RANCHI
बहुमुखविकासो गन्तव्यः

भारतीय प्रबंध संस्थान राँची
INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT RANCHI

Suchana Bhawan
Audrey House Campus
Meur's Road
Ranchi 834008
Jharkhand

Tel: 0651-2280083
Fax: 0651-2280940
www.iimranchi.ac.in

www.orangemediaindia.com, Mobile:8002142381